THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 109 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.5 2082 मंगलवार, 15 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शिवसेना निशान विवाद-सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई अगस्त में

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में रि-लिस्टेड कर दी है। अब मामले की सुनवाई अगस्त में होगी। उद्धव ने ठाकरे से अपील की है कि उन्हें 'शिवसेना' नाम, 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न और बाघ वाले भगवा झंडे का इस्तेमाल फिर से करने दिया जाए। यह मांग महाराष्ट्र में होने वाले नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के चुनावों के लिए की गई है। उद्धव के वकील देवदत्त कामत ने 2 जुलाई को छुट्टियों के दौरान काम कर रही सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने इस पर जल्दी सुनवाई की मांग की। >14

डीआरडीओ की तोप से पाक की नींद हराम

> अमेरिका-चीन के पास भी नहीं है ऐसा घातक हथियार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत देखी। इस दौरान राफेल, सुखोई-30 एमकेआई जैसे फाइटर जेट और ब्रह्मोस मिसाइल की खूब चर्चा हुई। लेकिन, एक और देसी हथियार है जो बहुत मारक है।

यह हथियार है एटीएजीएस तोप यानी एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम। डीआरडीओ ने इसे बनाया है। यह तोप भारत की धरती से ही पाकिस्तान के लाहौर जैसे शहर में हमला कर सकती है। भारत सरकार ने 6900 करोड़ रुपये में 307 तोपों की खरीद का सौदा किया है।

बोफोर्स की बाप है ये तोप :

देसी तोप एटीएजीएस को बोफोर्स तोप का बाप कहा जा रहा है। बोफोर्स तोप से भारत ने करगिल युद्ध जीता था। एटीएजीएस तोप को डीआरडीओ ने बनाया है। यह 155 मिमी/52 कैलिबर की तोप है। भारत की दो कंपनियां, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, इसे बना रही हैं। इस तोप की सबसे बड़ी खासियत है कि यह दूर तक मार कर सकती है और निशाना भी सटीक लगाती है। यह 'शूट एंड स्कूट' यानी हमला करने के बाद तुरंत आगे बढ़ने वाली तोप है।

एटीएजीएस में खास क्या है :

अब सवाल होगा कि इसमें क्या खास है? दुनिया में तो ऐसी कई तोपें होंगी। चीन और अमेरिका जैसे देशों के पास तो और भी आधुनिक तोपें होंगी।

लेकिन, इसकी रेंज के मामले में यह दुनिया की सबसे आधुनिक तोप है। इसकी मारक क्षमता 48 किमी है। मतलब यह तोप पंजाब के अमृतसर से पाकिस्तान के लाहौर शहर को भी तबाह कर सकती है। अमृतसर से लाहौर की दूरी सिर्फ 50 किमी है।

रेगिस्तानी हो या बर्फीली चोटियां, हर जगह काम करेगी :

एटीएजीएस तोप राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर सियाचिन की बर्फीली चोटियों तक में काम कर सकती है। डीआरडीओ इसकी रेंज को 80 से 90 किमी तक बढ़ाने पर काम कर रहा है। इसके लिए जीपीएस-गाइडेड और रैमजेट प्रोपेल्ड गोले बनाए जा रहे हैं। अगर ऐसा हो जाता है, तो इस तोप का निशाना और भी अचूक हो जाएगा। इसकी रेंज इतनी बढ़ जाएगी कि यह दुश्मन देश के अंदर तक हमला कर सकेगी।

90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

एटीएजीएस की एक और खासियत है कि इसे सिर्फ 80 सेकंड में तैनात किया जा सकता है। अगर कोई खतरा हो, तो यह 85 सेकंड में अपनी जगह बदल सकती है और अपना बचाव कर सकती है। इसका सिस्टम 8÷8 हाई मोबिलिटी ट्रक पर लगा है। यह ट्रक 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है। यह तोप 2.5 मिनट में 10 हाई-एक्सप्लोसिव गोले या 60 सेकंड में पांच गोले दाग सकती है।

इस एटीएजीएस तोप में 85 प्रतिशत सामान भारत में ही बना है। इस एक तोप की कीमत 15 करोड़ रुपये है, जबकि, विदेशी तोपों की कीमत 35 से 40 करोड़ रुपये होती है। डीआरडीओ ने इस तोप पर 2012 में काम शुरू किया था। अब यह तोप भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। भारत सरकार ने इसी साल मार्च में 6900 करोड़ रुपये में 307 तोपों की खरीद का सौदा किया। इस तोप की पहली रेजिमेंट (18 तोपें) फरवरी 2027 तक मिल जाएंगी।

आम से लदा ट्रक हादसे का शिकार, दुर्घटना में नौ लोगों की मौत

अमरावती, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में आम से लदा ट्रक हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि अन्नामय्या जिले के रेड्डीचेरुवु के पास आम से लदी एक लॉरी के एक मिनी ट्रक पर पलट जाने से नौ लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। आम से लदे ट्रक पर 20 से ज्यादा लोग सवार थे। दुर्घटना रविवार देर रात हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, यह तब हुआ जब लॉरी का पिछला पहिया रेत में फंस गया और संतुलन खोकर एक मिनी ट्रक पर गिर गया। अन्नामय्या जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी विद्यासागर नायुडू ने बताया, ट्रक के बाईं ओर पलटने से उस पर बैठे मजदूर गिर गए। 12 घायलों में से चार की हालत गंभीर है।

बोइंग 787 और 737 विमानों में फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम की जांच 21 जुलाई तक पूरी करें

डीजीसीए का निर्देश

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की विमानन निगरानी संस्था नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश की सभी एयरलाइनों को निर्देश दिया है कि वे बोइंग 787 और 737 विमानों में फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम की पूरी तरह जांच करें। यह जांच 21 जुलाई तक अनिवार्य रूप से पूरी करनी होगी। डीजीसीए ने कहा है कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। कुछ अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, इन विमानों के ईंधन स्विच लॉकिंग सिस्टम में तकनीकी खामी सामने आई है, जिससे सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

क्या है फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम :

यह सिस्टम विमान के इंजन को ईंधन की सप्लाई को नियंत्रित करता है। अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए तो इंजन बंद होने या ईंधन की आपूर्ति रुकने का जोखिम हो सकता है। इसलिए डीजीसीए ने इसे गंभीरता से लिया है। डीजीसीए ने सभी एयरलाइनों से कहा है कि वे अपने बोइंग 787 और 737 बेड़े के सभी विमानों की तकनीकी जांच करें और रिपोर्ट सौंपें। अगर किसी विमान में खराबी पाई जाती है तो उसे तुरंत सुधारना होगा, तब तक वह विमान उड़ान के लिए नहीं चलाया जा सकेगा।

अहमदाबाद विमान हादसे से फ्यूल स्विच का कनेक्शन :

12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान हादसे की जांच कर रही एएआईबी ने अपने प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान के फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम में दिक्कत को हादसे का प्रमुख कारण माना है। एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच में पता चला कि उड़ान के अंतिम क्षणों में, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से पता चला कि एक पायलट को दूसरे से यह पूछा कि उसने ईंधन स्विच को बंद क्यों किया?

इस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। जांच में पता चला कि उड़ान भरने के तुरंत बाद ईंधन स्विच कटऑफ में बदल गए थे, जिससे विमान के इंजनों में ईंधन की आपूर्ति रुक गई। जब तक पायलट ईंधन स्विच को फिर से चालू करते तब तक शायद बहुत देर हो गई।

अशीम घोष हरियाणा तो अशोक गजपति गोवा के राज्यपाल बने

कविंदर गुप्ता होंगे लद्दाख के एलजी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री पुसापति अशोक गजपति राजू को सोमवार को गोवा का राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। इसके अलावा प्रोफेसर अशीम कुमार घोष हरियाणा के नए राज्यपाल होंगे। नियुक्तियां उनके संबंधित पदों का कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी।

अशोक गजपति राजू | कविंदर गुप्ता | प्रोफेसर अशीम कुमार घोष

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसमें आगे कहा गया कि कविंदर गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल, राजू को गोवा का राज्यपाल और प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू को काफी खुशी हो रही है।

पीए गणपति राजू :

तेलुगू देशम पार्टी से ताल्लुक रखने वाले पीए गणपति राजू गृह 2018 से मामलों की स्थायी समिति के सदस्य हैं। इसके अलावा वे 27 मई 2014 से 10 मार्च 2018 तक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (नागरिक उड्डयन) रहे। मई 2014 में वे 16वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। 1999 से 2004 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री रहे। 1994 से 1999 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार में वाणिज्यिक कर, वित्त एवं विधायी मामलों के कैबिनेट मंत्री रहे। 1985 से 1989 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री (कैबिनेट मंत्री) रहे। 1983 से 1985 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार में वाणिज्यिक कर मंत्री (कैबिनेट मंत्री) रहे। 1978 से 2014 के बीच वे सात बार आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। >14

आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने 18 दिन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए, अब उनके धरती पर वापसी की यात्रा शुरू हो गई हैं। एक्सिओम-4 मिशन के तहत उनकी वापसी हो रही है। इस कड़ी में आईएसएस से उनका स्पेसक्राफ्ट अनडॉक हो चुका हुआ है। यह मिशन भारत समेत हंगरी और पोलैंड के लिए भी अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है, क्योंकि इन देशों ने चार दशकों बाद फिर से अंतरिक्ष में भागीदारी की है। शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार हैं और अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉकिंग शाम करीब 4:50 बजे (भारतीय समयानुसार) हुआ है।

इसके बाद स्पेसक्राफ्ट 22.5 घंटे की यात्रा के बाद यानी मंगलवार दोपहर 3:01 बजे आईएसटी पर कैलिफोर्निया के तट के पास समुद्र में स्पलैशडाउन करेगा। यह पूरी प्रक्रिया स्वचालित होगी और उसमें किसी मैनुअल हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से अलग होने के बाद कुछ इंजिन बर्न करेगा ताकि वह खुद को स्टेशन से सुरक्षित दूरी पर ले जा सके। इसके बाद वह पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करेगा। इस दौरान उसका तापमान 1,600 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दो चरणों में पैराशूट खुलेंगे पहले 5.7 किमी की ऊंचाई पर स्टेबलाइजिंग चूट्स और फिर लगभग दो किमी पर मेन पैराशूट खुलेंगे, जिससे स्पेसक्राफ्ट की सुरक्षित लैंडिंग संभव होगी।

ऐसे लोगों की जरूरत जो सरकार पर केस करें : गडकरी

नेताओं और सिस्टम में अनुशासन के लिए कोर्ट का सहारा लेना जरूरी है

नागपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ केस दाखिल कर सकें। अगर सिस्टम में अनुशासन चाहिए तो सरकार के खिलाफ अदालत का सहारा लेना जरूरी है।

उन्होंने कहा- कई बार अदालत का आदेश ऐसे काम भी करवा देते हैं, जो सरकार नहीं करवा पातीं। समाज में कुछ लोगों को सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल करनी चाहिए। इससे नेताओं और सिस्टम में अनुशासन आता है। गडकरी ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं-मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। गडकरी ने कई उदाहरण दिए, जिनमें केंद्र-राज्य सरकारों को खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह जरूरी चीज है।

दरअसल, 13 जुलाई को नितिन गडकरी नागपुर पहुंचे थे। वहां वहां 'प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह' में उन्होंने ये बात कही थी। गडकरी ने कुशल संघटक के तौर पर सम्मानित लोगों की सराहना की।

उन्होंने कहा- इन लोगों ने सरकार के खिलाफ कई कानूनी लड़ाइयां लड़ीं। समाज में ऐसे जागरूक और जुझारू लोगों की मौजूदगी जरूरी है जो सिस्टम की गलतियों को उजागर करें और जनता के हित में कदम उठाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा- ये लोग सिर्फ विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि जनहित में काम कर रहे थे। इन लोगों ने अदालत के माध्यम से सरकार की जवाबदेही तय की और साबित किया कि लोकतंत्र में जागरूक नागरिकों की कितनी अहम भूमिका होती है। कई बार ऐसा हुआ कि जब लोग अदालत गए तो सरकार को अपने किसी फैसले से पीछे हटना पड़ा।

सिद्धारमैया के दावों पर गडकरी की दो-टूक

बेंगलूरू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन ने सोमवार को कर्नाटक के शिवमोगा जिले में भारत के दूसरे सबसे लंबे केबल पुल सिंगदूर का उद्घाटन किया।

इस उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री शामिल हुए, लेकिन राज्य सरकार की तरफ से कोई मंत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुआ। दरअसल सीएम सिद्धारमैया ने दावा किया कि उन्हें इस उद्घाटन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। सिद्धारमैया के इस दावे पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पलटवार किया है और सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि सिद्धारमैया को उद्घाटन कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया गया था। सिंगदूर पुल अंबरागोदलू-कलसावल्ली के बीच सागरा तालुका में बना है। इस पुल को बनाने में 472 करोड़ रुपये की लागत आई है और इसके बनने से सागरा से सिगंदूर के आसपास के गांवों के बीच की दूरी घट जाएगी। सिगंदूर चौड़ेश्वरी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। >14

सीजेआई गवई को अस्पताल में कराया गया भर्ती

तेलंगाना दौरे पर हुए थे संक्रमण के शिकार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई को हाल ही में तेलंगाना दौरे के दौरान गंभीर संक्रमण होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लाइव लॉ के मुताबिक, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उन पर इलाज का अच्छा असर हो रहा है और एक-दो दिन में उनके आधिकारिक कामकाज पर लौटने की उम्मीद है। मुख्य न्यायाधीश ने आज अदालत में सुनवाई नहीं की है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई को हाल ही में हैदराबाद की आधिकारिक यात्रा के दौरान एक गंभीर संक्रमण का पता चला था। इसके बाद दिल्ली के एक अस्पताल में उन्हें इलाज के लिए भर्ती किया गया था। इलाज का अच्छा असर हो रहा है। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि, मुख्य न्यायाधीश की हालत में सुधार हो रहा है और उम्मीद है कि एक-दो दिन में उन्हें छुट्टी मिल जाएगी और वे अपना काम फिर से शुरू करेंगे।

सीएम कुर्सी बचाने में व्यस्त, बिहार क्राइम कैपिटन बना : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर सोमवार को गंभीर चिंता जताई और उन्होंने बिहार को को "क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया" करार दिया।

(फाइल फोटो)

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर अपनी कुर्सी बचाने में लगे रहने और भाजपा मंत्रियों पर कमीशन खाने के आरोप लगाए है। राहुल गांधी ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के लिए नहीं बल्कि बिहार को बचाने के लिए होंगे।

राहुल गांधी ने एक्स पर बिहार में हुई अपराध की घटनाओं के की स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि, बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया'। हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है। सीएम कुर्सी बचा रहे हैं, भाजपा के मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं.... इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।

राहुल गांधी के ट्वीट में शेयर किए गए स्क्रीन शॉट में लिखा है कि, बिहार में 11 दिनों में 31 हत्याएं हुई हैं।

उन्होंने बिहार में व्यापारियों की हो रही हत्याओं पर को लेकर चिंता जताई है। इससे पहले, राहुल गांधी ने पटना में कारोबारी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या पर भी भाजपा और नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि यह घटना फिर साबित करती है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को अपराध का अड्डा बना दिया है। गौरतलब है कि गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या उनके घर के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने कर दी थी। सात साल पहले उनके बेटे की भी हाजीपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

निमिषा प्रिया की फांसी पर सीएम विजयन का बड़ा बयान

हम उसे बचाने वालों के साथ खड़े हैं

तिरुअनंतपुरम, 14 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि केरल सरकार पूरी मजबूती से उन सभी के साथ खड़ी है जो निमिषा को बचाने और रिहा कराने के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है ताकि निमिषा प्रिया की जान बचाई जा सके।

उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है, जिसमें यमन में कैद निमिषा प्रिया को रिहा कराने के लिए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। केरल सरकार उनके निर्दोष साबित होने और सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास कर रहे सभी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है।

बता दें कि, 37 वर्षीय भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को 16 जुलाई 2025 को फांसी दी जानी है। यमन की एक अदालत ने उन्हें वहां के एक नागरिक की हत्या और उसके शव को नष्ट करने के मामले में दोषी ठहराया है। इस फैसले को यमन के सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में भी बरकरार रखा था। सोमवार को भारत के सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले पर सुनवाई हुई। निमिषा प्रिया की तरफ से दायर याचिका में भारत सरकार से आग्रह किया गया है कि वह मामले में दखल दे और उनकी जान बचाने के प्रयास करे। निमिषा की वकील ने कोर्ट को बताया कि अब एकमात्र विकल्प मुआवजा राशि देकर माफी का बचा है, जिसे मृतक के परिवार को दिया जा सकता है।

रॉबर्ट वाड्रा से मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और जानेमाने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। उनसे ब्रिटिश हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई। वाड्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। 56 वर्षीय वाड्रा सुबह 11 बजे के बाद मध्य दिल्ली स्थित संघीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। उनके साथ केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। रॉबर्ट वाड्रा को एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश यात्रा के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी उनसे तीन अलग-अलग धन शोधन मामलों में पूछताछ कर रही है, जिनमें यह मामला भी शामिल है।

'भारत-चीन में संबंध सुधर रहे, आज एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे'

बीजिंग, 14 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों में हालिया सुधार का जिक्र किया।

दोनों नेताओं के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में जयशंकर ने कहा, भारत और चीन के संबंध अक्टूबर 2023 में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से लगातार बेहतर हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच 75 साल के राजनयिक संबंध पूरे हो चुके हैं। जयशंकर ने मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय हालात को जटिल बताया और कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े पड़ोसी देशों के बीच खुलकर बातचीत बेहद जरूरी है।

उन्होंने चीनी उपराष्ट्रपति को बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भारत में बेहद सराहा गया है। जयशंकर की पांच साल में यह पहली चीन यात्रा है। वे सिंगापुर दौरे के बाद बीजिंग पहुंचे हैं। जयशंकर 15 जुलाई को तियानजिन में होने वाली एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मुलाकात तय है। इससे पहले फरवरी में जोहान्सबर्ग में जी-20 की बैठक के दौरान जयशंकर और वांग यी की मुलाकात हुई थी। जहां दोनों नेताओं ने सहयोग बढ़ाने की बात कही थी। जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प में दोनों पक्षों के जवान मारे गए थे। इसके दोनों देशों के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। इसके बाद से इस साल तक भारत के किसी शीर्ष नेता ने चीन का दौरा नहीं किया था।पिछले महीने चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई थी। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए थे। इस दौरान राजनाथ ने एससीओ के जॉइंट स्टेटमेंट पर साइन करने इनकार कर दिया था। क्योंकि उसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला केंद्र और राज्य सरकारें हेट स्पीच को रोकें

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- केंद्र और राज्य सरकारें हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन न हो।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- लोग नफरत भरे भाषण को बोलने की आजादी समझ रहे हैं, जो गलत है। लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि सरकार को इसे नियंत्रित करने की जरूरत न पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें कोलकाता के वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उस पर कई राज्यों में सोशल मीडिया पर नफरत और सांप्रदायिक अशांति भड़काने वाला कंटेंट पोस्ट करने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं।

'तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत'

> सुप्रीम कोर्ट बोला-ये निजता का उल्लंघन नहीं > रिश्ता जासूसी तक पहुंचा तो पहले ही टूट चुका

> अगर शादी इस स्तर पर पहुंच गई है कि पति-पत्नी एक-दूसरे की जासूसी कर रहे हैं, तो यह पहले से ही रिश्ते में टूटने और भरोसे की कमी का संकेत है।
>
> **जस्टिस नागरत्ना**
> सुप्रीम कोर्ट की जज

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा, 'हम नहीं मानते कि इस मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन हुआ है। धारा 122 सिर्फ पति-पत्नी के बीच संवाद की गोपनीयता को मान्यता देती है, लेकिन यह निजता के संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा नहीं है।'

क्या था मामला?

यह केस बठिंडा की एक फैमिली कोर्ट से शुरू हुआ था, जहां पति ने पत्नी से बातचीत की रिकॉर्डिंग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी। कोर्ट ने कॉल रिकॉर्डिंग को सबूत के तौर पर मान लिया। पत्नी ने इस फैसले को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इसे निजता का उल्लंघन बताया और कहा कि इस रिकॉर्डिंग को सबूत नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और अन्य फैसलों का हवाला देते हुए कहा था कि पति-पत्नी की निजी बातचीत को चोरी-छिपे रिकॉर्ड करना कानूनन गलत है।

पति की दलील-हमेशा पति-पत्नी के मामले में गवाह नहीं होता

पति के वकील ने कहा कि निजता का अधिकार सीमित हैं और उसे अन्य संवैधानिक अधिकारों के साथ संतुलित करना चाहिए। वैवाहिक विवादों में कई बार ऐसे मामले होते हैं, जो केवल पति-पत्नी के बीच घटते हैं और कोई गवाह नहीं होता। ऐसे में तकनीक की मदद से जुटाए गए सबूत जरूरी हो जाते हैं।

दिल्ली कोर्ट ने कहा था-पत्नी को पति की संपत्ति मानने की सोच असंवैधानिक

दिल्ली हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल को एक महिला के पति की ओर से दायर व्यभिचार (एडल्टरी) के केस में आरोपी व्यक्ति को बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा- पत्नी को पति की संपत्ति मानने की सोच अब असंवैधानिक है। यह मानसिकता महाभारत काल से चली आ रही है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के उस ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया, जिसमें आईपीसी की धारा 497 को असंवैधानिक करार दिया गया था। यह कानून पितृसत्तात्मक सोच पर आधारित था, जिसमें पत्नी को अपराधी नहीं, बल्कि ऐसी महिला माना गया, जिसे बहकाया गया।

हाईकोर्ट ने कहा- महाभारत में द्रौपदी को उसके पति युधिष्ठिर ने जुए में दांव पर लगा दिया था। द्रौपदी की कोई आवाज नहीं थी, उसकी गरिमा की कोई कद्र नहीं थी। यह सोच आज भी समाज में बनी हुई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया है।

मानसून सीजन में अब तक 98 लोगों की मौत

राज्य में 209 सड़कें बाधित, यात्रियों को परेशानी

शिमला, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कई भागों में बारिश का दौर लगातार जारी है। जगह-जगह भूस्खलन से प्रदेश में सोमवार सुबह 10:00 बजे तक 209 सड़कें बाधित रहीं। इसके अतिरिक्त 139 बिजली ट्रांसफार्मर व 745 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हैं।

आपदा प्रभावित मंडी जिले में 13 दिनों बाद भी 157 सड़कें व 133 जल आपूर्ति स्कीमें ठप हैं। वहीं कांगड़ा जिले के धर्मशाला, नूरपुर व देहरा उपमंडल में 612 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हैं। वहीं मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे 4 मील के पास भूस्खलन के कारण फिर बाधित हो गया। मार्ग के बार-बार बंद होने से कुल्लू और मनाली की ओर जाने वाले यात्रियों व पर्यटकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

खबरे जरा हटके

12 दिनों तक लगा था दुनिया का सबसे लंबा ट्रैफिक जाम

एक दिन में केवल एक किलोमीटर चल पा रहीं थी गाड़ियां!

अगर आप कभी किसी जाम में फंसे हैं तो आपको पता चलेगा कि यह कितना तकलीफदेह होता है. किसी जाम में फंसना दुनिया के कई शहरों में आम होता जा रहा है. भारत के शहरों में बारिश जाम करवाने में बड़ी भूमिका निभाती. दिल्ली एनसीआर में यह नजारा बारिश के मौसम में बार बार देखने को मिलता है. पर क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे लंबा जाम कितने घंटे का था? आपने कई जाम के चर्चे सुने होंगे पर दुनिया का सबसे लंबा जाम, चीन में हुआ था जिसमें 100 किलोमीटर का दायरे में गाड़ियों कुछ घंटों तक नहीं बल्कि दो दिन तक फंसी रही थीं.

2010 में, चीन के नेशनल हाईवे 110 पर हजारों गाड़ियाँ एकदम थम गईं, जिससे अब तक का प्रसिद्ध चाइना नेशनल हाईवे 110 ट्रैफिक जाम बना, जो 12 दिनों तक चला और 100 किलोमीटर से अधिक तक फैला रहा. जैसा की अक्सर होता है कि इस जाम की वजह भी चीन के भीतरी मंगोलिया से बीजिंग के बीच के हाईवे पर हो रहा निर्माण कार्य था जिसके साथ भारी ट्रैफिक ने जमा लगा दिया जो इतना बड़ा हो गया कि उसकी किसी को उम्मीद भी नहीं होगी. आपको यह जानकर हैरानी होगी, लेकिन इतिहास में सबसे लंबे ट्रैफिक जाम की पहचान करना थोड़ा कठिन है. इसकी वजह ये है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस आधार को प्राथमिकता दे रहे हैं. जैसे, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, अब तक का सबसे लंबा ट्रैफिक जाम 1990 में पूर्व और पश्चिम जर्मनी की सीमा पर हुआ था, जिसमें 1.8 करोड़ गाड़ियाँ धीरे-धीरे रुक गई थीं.

18 लाख में बिकी ये पासपोर्ट साइज फोटो!

आखिर क्या है खासियत, जो 2 इंच की तस्वीर के लिए दिखा ऐसा पागलपन?

दुनिया में फैंस की कमी नहीं है. कोई क्रिकेटर्स का फैन है, कोई हीरो-हिरोइनों का फैन है तो कोई किसी और सेलिब्रिटी का. जाहिर है कि जब लोगों को उनके फेवरेट सेलेब्स से जुड़ी कोई चीज मिले, तो वो उसे हर स्थिति में खरीदना चाहेंगे, उनके अंदर एक अलग सा पागलपन देखने को मिलता है. ऐसा ही पागलपन तब देखने को मिला जब एक 2 इंच की फोटो नीलाम होने लगी. ये पासपोर्ट साइज फोटो 18 लाख रुपये में बिकी. पर सवाल ये उठता है कि आखिर इसमें ऐसी क्या खास बात है? हॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस मेरिलिन मुनरो और मशहूर बेसबॉल खिलाड़ी जो डिमैगियो की शादी और हनीमून से जुड़ी एक ऐतिहासिक फोटो इस हफ्ते अमेरिका में एक नीलामी में 21,655 डॉलर (लगभग 18 लाख रुपये) में बिकी. यह फोटो न केवल एक नायाब धरोहर है, बल्कि उस दौर की एक रोमांचक कहानी भी अपने साथ लेकर आई है. यह छोटी-सी पासपोर्ट फोटो मात्र 2.25 x 2.75 इंच का है, जिस पर लाल स्याही में लिखा है- मिस्टर बोल्ड्स को, धन्यवाद और मेरी हार्दिक शुभकामनाएं, मेरिलिन मुनरो डिमैगियो). इसे बॉस्टन स्थित आरआर ऑक्शन ने नीलाम किया.

18 लाख में बिकी ये खास फोटो

यह वाकया 29 जनवरी, 1954 का है, जब मेरिलिन मुनरो और जो डिमैगियो ने अपनी शादी के दो हफ्ते बाद सैन फ्रांसिस्को के एक संघीय कार्यालय में जापान में अपने हनीमून और व्यावसायिक दौरे के लिए पासपोर्ट बनवाने का निर्णय लिया. उस वक्त 27 वर्षीय मुनरो (जिनका असली नाम नॉर्मा जीन मोर्टेन्सन था) के पास पासपोर्ट फोटो नहीं थी. ऐसे में 40 वर्षीय जो डिमैगियो पास के एक आर्केड में चले गए और मुनरो की पहले से मौजूद एक तस्वीर से कई प्रतियां बनवाकर लौटे. उनमें से एक पर मुनरो ने हस्ताक्षर करके वह फोटो पासपोर्ट ऑफिसर हैरी ई. बोल्ड्स को दे दी.

छोटे से गांव के सामने खड़ा हो गया विशाल आइसबर्ग

नजारा देख दहशत में लोग, याद आ गया 'टाइटैनिक' का सीन!

आपने टाइटैनिक फिल्म तो देखी ही होगी, जिसमें जहाज एक बड़े आइसबर्ग से टकरा जाता है और फिर डूब जाता है. सोचिए अगर यही आइसबर्ग बिल्कुल आपके घर के बाहर आ जाए तो क्या होगा? जिस तरह इस ख्याल से आपको डर लग रहा है, उसी तरह ग्रीनलैंड के लोगों को भी डर लग रहा है, जिनके घर के बाहर एक विशाल आइसबर्ग आ गया है. पृथ्वी के उत्तरी छोर पर बसी ग्रिनलैंड की एक छोटा सी बस्ती इनारसुइट इन दिनों एक असाधारण प्राकृतिक खतरे से जूझ रही है. यहां के निवासियों के घरों के पास एक विशालकाय आइसबर्ग बहकर आ गया है, जो अब धीरे-धीरे तट की ओर खिसक रहा है.

यह बर्फ का टुकड़ा सिर्फ आकार में ही विशाल नहीं है, बल्कि इसके कारण संभावित तबाही की आशंका ने प्रशासन और निवासियों दोनों की नींद उड़ा दी है. स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी जारी की है कि यदि यह हिमखंड ज़मीन से टकराता है या इसके टुकड़े गिरते हैं, तो उसके प्रभाव से भयानक लहरें उठ सकती हैं. ये लहरें तट के करीब बसे घरों और ढांचों को सीधे नुकसान पहुंचा सकती हैं, और सबसे खराब स्थिति में तो ये बस्तियों को बहा भी सकती हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि बर्फ के टुकड़े सीधे जमीन पर गिरने की संभावना कम है, लेकिन उनके पानी में गिरने से जो ताकतवर लहरें पैदा होंगी, वे काफी तबाही मचा सकती हैं. इनारसुइट पश्चिमी ग्रिनलैंड में एक छोटे से द्वीप पर स्थित है, जहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था मछली पकड़ने पर आधारित है. प्रशासन ने चेताया है कि लोग समुद्र में जाने से बचें, और दैनिक गतिविधियों में भी सावधानी बरतें. आपातकालीन सेवाओं ने निवासियों से आग्रह किया है कि वे एक साथ समूह में दुकान की ओर न जाएं और जिन लोगों को चलने में कठिनाई है वे विशेष सावधानी रखें.

दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट का शव यमुना नदी में मिला

त्रिपुरा की स्नेहा 6 दिन से लापता थी; मां को आखिरी फोन किया था

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले 19 साल की स्नेहा देबनाथ का शव रात को यमुना नदी से बरामद हुआ। स्नेहा मूलरूप से त्रिपुरा के सबरूम की रहने वाली थी और साउथ दिल्ली के महरौली स्थित पर्यावरण कॉम्प्लेक्स इलाके में रहती थी। वह 7 जुलाई की सुबह से लापता थी। रविवार शाम गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के नीचे नदी में स्नेहा का शव मिला। स्नेहा के परिवार ने उसके शव की पहचान की है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में महरौली थाने में केस दर्ज किया गया है।

साउथ दिल्ली के डीसीपी अंकित चौहान के मुताबिक, स्नेहा दिल्ली यूनिवर्सिटी के आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज में बी.एससी की स्टूडेंट थी। एक फैमिली फ्रेंड ने न्यूज एजेंसी को बताया कि स्नेहा ने आखिरी बार 7 जुलाई की सुबह 5.56 बजे अपनी मां को फोन किया था। स्नेहा ने बताया था कि वह अपनी एक दोस्त से मिलने सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन जाएगी। फिर उसका फोन बंद हो गया। स्नेहा के परिवार ने उसकी दोस्त को फोन किया, तो उसने बताया कि स्नेहा उससे मिलने आई ही नहीं।

मुंबई की आर्थर रोड जेल में दो गुटों में झड़प

गैंगस्टर सुरेश पुजारी को पीटा सात के खिलाफ मुकदमा

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई की आर्थर रोड जेल में दो गुटों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान जेल में बंद गैंगस्टर सुरेश पुजारी के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने मारपीट के मामले में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मारपीट में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि जेल में छह जुलाई को दो कैदियों के बीच बहस हुई। जब बैरक से एक कैदी गुजर रहा था तो दूसरे ने अपने पैर फैलाए। बैरक से गुजरने में दिक्कत होने पर कैदी ने विरोध किया। इसके बाद पैर फैलाने वाले कैदी ने उसे गालियां दीं और दोनों में हाथापाई होने लगी। इसके बाद उसी बैरक में बंद गैंगस्टर सुरेश पुजारी और उसके साथी मारपीट में शामिल हो गए। इस दौरान गैंगस्टर के साथ चार कैदियों ने मारपीट की।

कंगना रनोट बोलीं-मुझे मुख्यमंत्री के काम न बताएं

> *समस्या लेकर पहुंचा बुजुर्ग बोला-आपके पास पावर*
> *एमपी ने कहा- केंद्रीय मंत्री खट्टर से मिलवा दूंगी*

शिमला, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल में मंडी से भाजपा सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति पार्वती परियोजना को लेकर अपनी समस्या लेकर पहुंचा। इस पर कंगना ने बुजुर्ग से कहा कि मुख्यमंत्री के काम मुझे क्यों बताए जा रहे हैं, सुक्खू जी हैं, यह काम उन्हें ही बताएं। मुझे मुख्यमंत्री के काम न बताएं।

कंगना की बात सुनने के बाद बुजुर्ग ने कहा, आपके पास पावर है। आप बहुत कुछ कर सकती हैं। आप कानून बना सकती हैं। हम चाहते हैं कि आप प्रधानमंत्री से बात करें। तभी वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी बुजुर्ग को उठाने की कोशिश करता है, लेकिन कंगना उसे रोक देती हैं। आखिर में कंगना बुजुर्ग को कहती हैं कि मैं आपको केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिलवा दूंगी। यह घटना कुल्लू के बंजार क्षेत्र की है। पिछले दिनों कंगना रनोट यहां दौरे पर पहुंची थीं। बुजुर्ग और कंगना के बीच हुई बातचीत का 35 सेकेंड का वीडियो अब सामने आया है।

मंडी में महिला ने कहा था-फोटो खिंचाने आई हो?

इससे पहले, 6 जुलाई को कंगना मंडी में बाढ़ प्रभावित एरिया का दौरा करने पहुंची थीं। यहां सराज में दौरे के दौरान एक महिला कंगना पर भड़क गई। महिला ने कंगना से कहा कि अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या? ऐसा थोड़ी होता है कि 2 आदमी पकड़ो, फोटो खिंचाओ और चलते बनो। इस पर कंगना ने महिला से कहा-सारे लोग कंगना-कंगना बोलते रहते हैं। मेरे पास कौन सी कोई कैबिनेट है? मेरे पास मेरे 2 भाई हैं, जो मेरे साथ चलते रहते हैं। न ही मेरे पास कोई राहत कोष आता है। मैं स्पेशल पैकेज (फंड) लेकर आऊंगी, लेकिन उसे कांग्रेस सरकार डकार जाएगी।

पिछले दिनों एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कंगना रनोट ने कहा था- मुझे राजनीति में मजा नहीं आ रहा है। लोग मेरे पास टूटी नालियों और सड़कों की शिकायतें लेकर आते हैं, जबकि सोशल वर्क मेरा बैकग्राउंड नहीं है। मैं हमेशा कहती हूं कि राजनीति एक बहुत महंगा शौक है। अगर आप ईमानदार हैं, तो सांसद की भूमिका को प्रोफेशन के रूप में नहीं ले सकते, क्योंकि इस काम से आपको नौकरी जैसी आमदनी नहीं होती।

जेलों में बढ़ता कट्टरपंथ बड़ी चुनौती

सरकार का निर्देश-कड़ी नजर रखें राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने जेलों में बढ़ते कट्टरपंथ को गंभीर चुनौती बताया है। मंत्रालय ने जेलों में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने एवं आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कट्टरपंथ की बढ़ती प्रवृत्ति पर तत्काल अंकुश लगाने की जरूरत बताई है। मंत्रालय ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे एक पत्र में कैदियों की जांच, समय-समय पर जोखिम मूल्यांकन और उच्च जोखिम वाले कैदियों को अधिक निगरानी के साथ अलग रखने सहित विभिन्न उपायों की सूची समेत कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने ऐसे कैदियों को कट्टरपंथ से मुक्त करने के लिए एक अभियान चलाने के लिए भी कहा है।

पत्र में कहा गया है, जेलों में कट्टरपंथ ज्यादा खतरनाक हो सकता है क्योंकि समाज से कटे होने के कारण यहां सामूहिक गतिशीलता और निगरानी की कमी होती है। कुछ मामलों में, कट्टरपंथी कैदी हिंसा में शामिल हो सकते हैं या जेल कर्मचारियों, साथी कैदियों और यहां तक कि बाहरी लक्ष्यों के खिलाफ हमले की योजना बना सकते हैं। मंत्रालय ने कहा, कट्टरपंथ अक्सर यह कई आपराधिक गतिविधियों की पहली वजह पाया गया है। इसलिए, जेलों में कमजोर व्यक्तित्व वालों में कट्टरपंथ की जांच और उनके अंदर की कट्टर सोच को खत्म करने के लिए एक अभ्यास शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है।

पहचान करने के लिए लें खुफिया मदद

पत्र में कहा गया है कि कैदी के जेल में प्रवेश के समय और उसकी कारावास अवधि के दौरान, समय-समय पर व्यक्तिगत जोखिम का आकलन किया जाना चाहिए। इसके लिए जेल विभाग, कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय कर सकते हैं ताकि ऐसे कैदियों की पहचान की जा सके जो अन्य कैदियों पर कट्टरपंथी प्रभाव डालने का जोखिम पैदा कर सकते हैं।

कट्टरपंथ फैलाने वालों को अलग रखें

दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि उच्च जोखिम वाले कैदी जो कट्टरपंथ की विचारधारा का प्रचार करने के लिए प्रवृत्त हैं, उन्हें सामान्य कैदियों से अलग रखा जाना चाहिए। राज्य अपने एक स्वतंत्र उच्च सुरक्षा जेल परिसर स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं जहां उग्र कट्टरपंथी कैदियों, आतंकवादियों को अलग से रखा जा सके।

अमरनाथ यात्रा-11 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

13वां जत्था जम्मू से रवाना; गांदरबल में तीर्थयात्रियों के काफिले का वाहन पलटा, 3 घायल

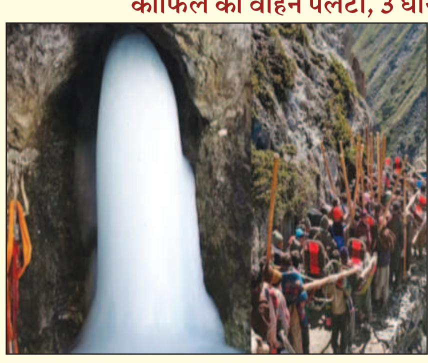

जम्मू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के पहले 11 दिनों में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए हैं। रविवार को 20,000 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इधर सोमवार को 6,100 यात्रियों का छठा जत्था सोमवार को जम्मू से गांदरबल के बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। गांदरबल जिले के जेड-मोड़ टनल के पास तीर्थयात्रियों के काफिले का वाहन पलट किया। हादसे में सीआरपीएफ के 3 जवान घायल हो गए। इससे पहले रविवार को कुलगाम में 3 बसों की आपस में टक्कर होने से 10 यात्री घायल हुए थे।

अबतक 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

अमृतसर में कूड़ा गाड़ी से मिले गुटका साहिब के अंग

सिख संगठनों ने जताया भारी रोष बेअदबी पर कार्रवाई की मांग

अमृतसर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर शहर के रणजीत एवेन्यू इलाके में एक कूड़ा उठाने वाली गाड़ी से श्री गुटका साहिब और अन्य पवित्र पोथियों के अंग मिलने की घटना सामने आई। इस घटना ने सिख संगठनों और संगत में गहरा रोष पैदा कर दिया है।

गाड़ी के ड्राइवर ने जानकारी दी कि कूड़ा उठाते समय उसे पवित्र ग्रंथों के पन्ने दिखाई दिए, जिसके बाद उसने उन्हें रंजीत एवेन्यू के डी-ब्लॉक स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक प्रकाश साहिब में सौंपने की कोशिश की। हालांकि गुरुद्वारा प्रबंधकों ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उनके पास ऐसा कुछ नहीं पहुंचा और मौके पर सीसीटीवी कैमरे भी खराब होने की बात कही। घटना की सूचना मिलते ही ऑल इंडिया सिख सत्कार कमेटी और अन्य सिख संगठनों ने थाना रंजीत एवेन्यू के बाहर विरोध दर्ज कराया और इसे गुरु मर्यादा की सीधी बेअदबी करार दिया।

शूटिंग के दौरान जाने माने स्टंटमैन एसएम राजू की मौत

चेन्नई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मशहूर स्टंट कलाकार एसएम राजू का 52 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह निर्देशक पा. रंजीत की आने वाली फिल्म 'वेट्टुवन' का स्टंट सीन शूट कर रहे थे। फिल्म के हीरो आर्या हैं। तमिल एक्टर विशाल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने राजू के दुखद निधन के बारे में बताया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, यह समझना बहुत मुश्किल है कि स्टंट कलाकार राजू आज सुबह आर्या और रंजीत की फिल्म का एक स्टंट (कार पलटने वाला सीन) कर रहे थे, इस दौरान उनकी मौत हो गई।

अभिनेता ने कहा कि वह राजू को कई वर्षों से जानते थे। राजू ने उनकी फिल्मों में कई बार बेहद खतरनाक स्टंट किए थे। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, मेरी तरफ से गहरी संवेदनाएं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। इस दुख की घड़ी में भगवान उनके परिवार को सहने की ताकत दे। मैं उनके परिवार के लिए हमेशा मदद के लिए खड़ा रहूंगा, क्योंकि हम दोनों एक ही फिल्म इंडस्ट्री से हैं और राजू ने कई फिल्मों में अपना अहम योगदान दिया है। दिल से और अपना फर्ज समझते हुए मैं उनका साथ दूंगा। भगवान उनका भला करें। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो उस दुखद घटना से कुछ मिनट पहले का है।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सशर्त रिहा

4 साथियों समेत हरदा से बाहर छोड़े गए, आंदोलन में शामिल नहीं होंगे; शेरपुर बोले- समझौता नहीं करेंगे

हरदा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हरदा में सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर, कृष्णा अजय पाल, राहुल पिता भारत और नेपाल पिता विक्रम सिंह को सशर्त रिहा किया गया। रिहाई एसडीएम कुमार शानू देवड़िया की मौजूदगी में हुई। प्रशासन ने जीवन सिंह शेरपुर को जिला सीमा से बाहर छोड़ा है। उनसे लिखित में लिया गया है कि वे हरदा में किसी भी तरह के आंदोलन या प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे। तहसीलदार राजेंद्र पंवार ने बताया कि कल गिरफ्तार हुए सभी 56 लोगों को भी शाम तक रिहा कर दिया जाएगा। फिलहाल वे जेल में हैं।

रिहाई के बाद करणी सेना परिवार के अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर ने कहा कि हम चार साथियों को रिहा किया गया है। 54 साथी अभी अंदर हैं। आज दिन में सबको रिहा कर दिया जाएगा। अभी कोई साथी हरदा न आए। आंदोलन जारी रहेगा, लेकिन तारीख नई तय करेंगे।

कांग्रेस सरकार ने रचा इतिहास

5.61 लाख से ज्यादा नए राशन कार्ड वितरित

किसी भी राज्य, किसी भी देश ने तेलंगाना जैसा नहीं किया : उत्तम

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को दावा किया कि तेलंगाना मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा नए राशन कार्ड लॉन्च करने के बाद, तुंगतुर्थी निर्वाचन क्षेत्र के तिरुमलागिरी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने इस कदम को "सार्वजनिक सेवा वितरण में क्रांति" बताया। उन्होंने कहा कि अब हर पात्र व्यक्ति को राशन कार्ड की गारंटी दी जाएगी, और यह प्रक्रिया तब तक निर्बाध रूप से जारी रहेगी जब तक कि सभी पात्र व्यक्ति राशन कार्ड प्राप्त नहीं कर लेते। उत्तम ने घोषणा की, यह एक नया तेलंगाना है। अगर आप पात्र हैं, तो आपको राशन कार्ड मिलेगा। कोई रिश्वत नहीं, कोई दलाल नहीं, कोई प्रतीक्षा सूची नहीं। कोई सवाल नहीं। हम अपने लोगों का सम्मान बहाल कर रहे हैं और एक दशक से चले आ रहे भेदभाव को खत्म कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार के तहत, यह अब एक सतत प्रक्रिया होगी- पारदर्शी, जवाबदेह और जनता-प्रथम। इस शुभारंभ के साथ ही 11 वर्षों में पहली बार बड़े पैमाने पर राशन कार्ड वितरण हुआ, जिससे राशन कार्ड धारकों की कुल संख्या 95.56 लाख हो गई और 3.09 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थी इससे लाभान्वित हुए। मंत्री उत्तम ने कहा, भारत में किसी भी अन्य राज्य ने एक ही चरण में 5.6 लाख से ज़्यादा राशन कार्ड जारी नहीं किए हैं। यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राशन कार्ड अभियान एक व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है जिसने तेलंगाना को दुनिया का पहला राज्य बना दिया है जिसने अपनी 80 प्रतिशत आबादी को प्रति व्यक्ति 6 किलो उत्तम चावल पूरी तरह से मुफ़्त उपलब्ध कराया है।

कांग्रेस 2034 तक तेलंगाना पर शासन करेगी : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विश्वास जताया है कि कांग्रेस पार्टी 2034 तक तेलंगाना पर शासन करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि पूरे राज्य में उसका परचम लहराता रहे। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू कर रही है और इन समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कदम उठा रही है। रेवंत रेड्डी ने सोमवार को सूर्यपेट ज़िले के थुंगतुर्थी विधानसभा क्षेत्र के तिरुमलागिरी मंडल मुख्यालय में नए राशन कार्डों के वितरण की आधिकारिक शुरूआत की। बाद में एक जनसभा के दौरान, मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार की अपने एक दशक लंबे कार्यकाल में एक भी राशन कार्ड जारी न करने के लिए आलोचना की। उन्होंने जरूरतमंदों को थोड़ी मात्रा में भी चावल उपलब्ध कराने पर विचार न करने पर भी अपनी नाराज़गी जताई। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि बीआरएस शासन के दौरान राशन की दुकानें नहीं खोली गईं, बल्कि बेल्ट की दुकानें खोली गईं। रेवंत रेड्डी ने विपक्षी दलों पर राज्य सरकार द्वारा राशन की दुकानों के माध्यम से गरीबों को उच्च गुणवत्ता वाला चावल उपलब्ध न कराने के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने 5.6 लाख नए व्यक्तियों को राशन कार्ड जारी किए हैं और 26 लाख नए लाभार्थियों के नाम राशन कार्ड रजिस्ट्री में जोड़े गए हैं। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने थुंगतुर्थी विधानसभा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत की और 34.20 करोड़ रुपये के कार्यों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के

अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़, सांसद, एमएलसी, विधायक और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जन आंदोलन शुरू किया जाए : रामचंद्र राव

भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष का गृह जिले नलगोंडा में भव्य स्वागत

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव का चौटुप्पल दौरे के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित स्वागत सभा में राव ने कहा, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद, मैंने अनुरोध किया था कि मेरा पहला दौरा नलगोंडा ज़िले का हो। चूंकि यह वही ज़िला है जहां मेरा जन्म हुआ है, इसलिए मैंने विशेष रूप से इसका अनुरोध किया। पार्टी ने भी इसकी अनुमति दे दी। उन्होंने मुझे पार्टी को मज़बूत करने के लिए काम करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि लोग लंबे समय से तेलंगाना में भाजपा सरकार का इंतजार कर रहे थे और आज कार्यकर्ताओं और लोगों में जो उत्साह देखा गया, वह इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नलगोंडा ज़िले के हर गांव में भाजपा का झंडा फहराया जाना चाहिए और सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि हर गांव में भारतीय जनता पार्टी की जीत हो।

हम सभी को एकजुट होकर कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक जन आंदोलन शुरू करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने पिछले चुनावों में किए गए वादों को पूरा न करके किसानों और छात्रों के साथ धोखा किया है। राज्य में किसानों की आत्महत्याएं जारी हैं। शुल्क प्रतिपूर्ति का बकाया न मिलने से शिक्षा व्यवस्था भ्रष्ट हो गई है। पिछली बीआरएस सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई थी। वर्तमान कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता के कारण राज्य को अराजकता में बदल रही है।

लोग सोच रहे हैं कि हमने कांग्रेस को क्यों चुना। केवल भाजपा ही एक स्वर्णिम तेलंगाना, एक लोकतांत्रिक तेलंगाना और एक विकसित तेलंगाना का निर्माण कर सकती है।

इसलिए भाजपा ही एकमात्र विकल्प है, उन्होंने कहा और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में लाने के लिए कड़ी मेहनत करने का अनुरोध किया।

सिगाची इंडस्ट्रीज दुर्घटना में मृतकों की संख्या 45

आठ कर्मचारी अभी भी लापता

संगारेड्डी, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची इंडस्ट्रीज दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हो गई, क्योंकि चंदनगर के एक अस्पताल में इलाज करा रहे एक अन्य कर्मचारी तारक (23) की सोमवार को मौत हो गई। इस बीच, आठ अन्य कर्मचारियों का पता नहीं चल पाया है तथा तेरह कर्मचारियों का अभी भी विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

मी-सेवा केंद्र जब्त

संगारेड्डी, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी तहसीलदार ने सोमवार को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के आरोप में नलसबगड्डा स्थित एक मी-सेवा केंद्र को जब्त कर लिया। कुछ नागरिकों की शिकायतों के बाद, तहसीलदार जयराम ने आरिफ कम्युनिकेशंस पर छापा मारा और आरोप सही पाए। उन्होंने मी-सेवा केंद्र के मालिक के खिलाफ आपराधिक मामला भी दर्ज करवाया। इस बीच, जयराम ने चेतावनी दी कि यदि कोई मी सेवा केंद्र मालिक फर्जी दस्तावेज जारी करता पाया गया तो सरकार उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

निजी इलेक्ट्रीशियन गिरकर मौत

आदिलाबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बेला मंडल के सिरसन्ना गांव में सोमवार को एक 42 वर्षीय निजी इलेक्ट्रीशियन की खंभे से नीचे गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गांव के गोदुरु लासमन्ना स्ट्रीट लाइट लगाते समय खंभे से फिसलकर घायल हो गए, जिससे उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि उन्हें एनपीडीसीएल के कर्मचारियों ने यह काम सौंपा था। उनके परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। लासमन्ना की पत्नी पिंकू ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

छात्र की आत्महत्या के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार

केटीआर ने लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को यादाद्री भोंगीर जिले के चौटुप्पल मंडल के तूप्रानपेट स्थित ज्योतिबा फुले गुरुकुल छात्रावास में पांचवीं कक्षा की एक छात्रा की आत्महत्या पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को सरकारी लापरवाही का दुखद परिणाम बताते हुए गुरुकुल स्कूलों की बिगड़ती स्थिति के लिए कांग्रेस शासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि छात्रों को कीड़ों से भरे चावल खाने और बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित छात्रावासों में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यही उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर कर रहा है। रामाराव ने एक्स को याद दिलाते हुए कहा कि पिछले 19 महीनों में गुरुकुलों में विभिन्न कारणों से लगभग 90 छात्रों की मौत हो चुकी है, फिर भी कांग्रेस सरकार बेपरवाह है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मुख्यमंत्री कार्रवाई नहीं करते हैं, तो कांग्रेस सरकार को अभिभावकों का सामना करना पड़ सकता है।

महिला डॉक्टर ने की आत्महत्या

पति पर उत्पीड़न का आरोप

हनमकोंडा, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा जिले के हसनपर्थी में सोमवार को एक महिला डॉक्टर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसके परिवार के सदस्यों ने उसके पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाया और उसकी मौत के पीछे उसके कथित विवाहेतर संबंध को कारण बताया। मृतका, एक निजी अस्पताल में कार्यरत दंत चिकित्सक डॉ. प्रत्यूषा, अपने आवास पर फंदे से लटकी पाई गईं। इस घटना से वारंगल में आक्रोश फैल गया है और उनके परिवार ने उनके पति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. प्रत्यूषा के पिता, वारंगल ज़िले के टीएनजीओ एसोसिएशन के अध्यक्ष, गजेला रामकृष्ण ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि उनकी बेटी की शादी 2017 में डॉ. अल्लादी सृजन से हुई थी। डॉ. सृजन काकतीय मेडिकल कॉलेज में सहायक प्रोफ़ेसर और मेडिकवर अस्पताल में कंसल्टेंट हैं। दंपति की दो बेटियां हैं। रामकृष्ण ने आरोप लगाया कि डॉ. सृजन का इंस्टाग्राम पर एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के साथ अफेयर हो गया था और वह अपनी पत्नी और बच्चों की उपेक्षा करने लगे थे। उन्होंने दावा किया कि इस अफेयर को लेकर दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे।

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को दारूशिफा स्थित दृष्टिबाधितों के सरकारी स्कूल में कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी), देहरादून के व्याख्याता डॉ.के. श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि थे। छात्रों को संबोधित करते हुए, डॉ. रेड्डी ने विशेष शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे शिक्षा, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण में प्रगति दृष्टिबाधित छात्रों को स्वतंत्रता और सफलता प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग से, दृष्टिबाधित छात्रों को विकास में बाधा नहीं बनना पड़ेगा। उन्होंने स्कूल में कंप्यूटर शिक्षा शुरू करने की राज्य सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह बेहद फायदेमंद साबित हो रही है। उन्होंने छात्रों से इन सुविधाओं का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया।

पांचवीं कक्षा की छात्रा ने कर ली आत्महत्या

भुवनगिरी, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनगिरी जिले के तूप्रानपेट स्थित बीसी गर्ल्स गुरुकुल स्कूल में पांचवीं कक्षा की छात्रा संध्या ने सोमवार को छात्रावास की चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। हॉस्टल स्टाफ और साथी छात्रों के अनुसार, महबूबनगर जिले की रहने वाली संध्या को घटना से एक दिन पहले ही हॉस्टल में भर्ती कराया गया था। वह हॉस्टल में रहने को तैयार नहीं थी, लेकिन उसके माता-पिता ने उसे जबरन दाखिला दिलाया था। बताया जा रहा है कि घर से दूर रहने का दबाव झेलने में असमर्थ संध्या ने यह कदम उठाया। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

नेपाल के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण शुरू

प्रतिभागियों में नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के महापौर, अध्यक्ष और नगर पालिकाओं के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल के प्रतिनिधियों के लिए शहरी शासन पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर), हैदराबाद में शुरू हुआ और 23 जुलाई 2025 को समाप्त होगा। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम भारत और नेपाल के बीच निरंतर भाईचारे के बंधन को रेखांकित करता है। प्रतिभागियों में नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के दारचुला, बैतड़ी और दादेलधुरा जिलों के महापौर, अध्यक्ष और नगर पालिकाओं के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं।

एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ.जी. नरेंद्र कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और नेपाल के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग की नींव के रूप में 1950 की शांति और मैत्री संधि का स्मरण किया और बीबीआईएन तथा सार्क जैसे मंचों के माध्यम से चल रहे सहयोग का उल्लेख किया। डॉ. कुमार ने दक्षिण एशिया में क्षमता निर्माण को सुगम बनाने में एनआईआरडीपीआर की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया और शहरी एवं ग्रामीण विकास चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए सहयोगात्मक शिक्षण के महत्व पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र में, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के उप सचिव, साकेता राजा मुसिनिपल्ली ने भारत-नेपाल संबंधों के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में विकास सहयोग पर बल दिया। उन्होंने कृषि और बागवानी जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिनिधियों द्वारा पहचाने गए अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संरचित आदान-प्रदान और केंद्रित प्रशिक्षण से दोनों देशों के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और पारस्परिक लाभ प्राप्त होंगे।

एनआईआरडीपीआर के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन केंद्र (सीएनआरएम एंड सीसीडीएम) के प्रोफेसर डॉ. रवींद्र एस. गावली ने मुख्य भाषण दिया और सतत विकास में उभरती चुनौतियों और अवसरों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद, पंचायती राज, विकेंद्रीकृत नियोजन एवं सामाजिक सेवा वितरण केंद्र (सीपीआरडीपीएसएसडी) के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. अंजन कुमार भांजा ने कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों के बारे में बताया। पाठ्यक्रम को इस प्रकार तैयार किया गया है कि प्रतिभागियों को कृषि, बागवानी और शहरी विकास में भारत के अनुभव का व्यापक अवलोकन प्राप्त हो, जो प्रमुख विशेषज्ञों के साथ सत्रों, संवादात्मक चर्चाओं और नवीन कृषि तकनीकों एवं शहरी नियोजन रणनीतियों से समृद्ध होगा। चर्चाओं के दौरान, प्रतिनिधियों ने शहरी शासन में सर्वोत्तम प्रथाओं, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण, नगर नियोजन में वैश्वीकरण ढांचों और कृषि एवं बागवानी में नवाचारों का अध्ययन करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने सीवेज और शहरी अपशिष्ट प्रबंधन, इको-टूरिज्म, बुनियादी ढांचे के विकास और नगरपालिका सेवाओं में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के बारे में जानने में भी गहरी रुचि दिखाई। डॉ. भांजा ने पुष्टि की कि ये सभी विषय कार्यक्रम में पूरी तरह से एकीकृत हैं और उन्होंने महाराष्ट्र, तमिलनाडु और हैदराबाद में चयनित शहरी स्थानीय निकायों और कृषि स्थलों के नियोजित क्षेत्रीय दौरों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इन यात्राओं का उद्देश्य प्रतिनिधियों को सफल मॉडलों का प्रत्यक्ष अवलोकन करने और यह विचार करने में सक्षम बनाना है कि इन दृष्टिकोणों को उनकी अपनी नगरपालिकाओं में कैसे अपनाया जा सकता है।

जनशिकायतों का शीघ्र निस्तारण करें : नारायण रेड्डी

जिला कलेक्टर ने प्रजावाणी में लोगों की समस्याओं को सुना

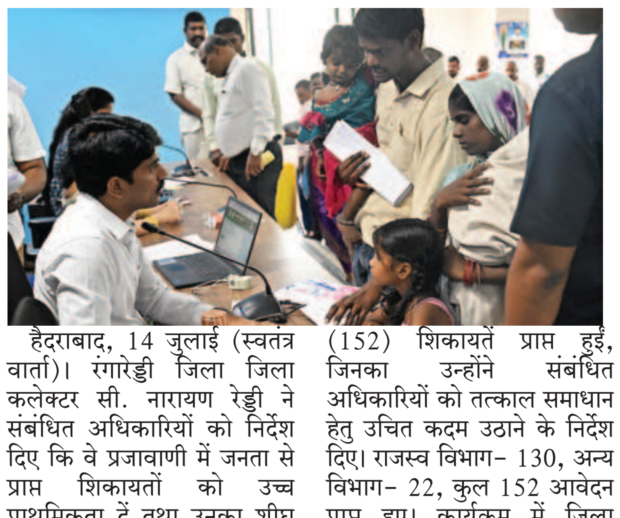

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रजावाणी में जनता से प्राप्त शिकायतों को उच्च प्राथमिकता दें तथा उनका शीघ्र समाधान करें। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर स्थित समावेश मंदिर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत जिला कलक्टर सी. नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, डीआरओ संगीता के साथ उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याएं बताने आए लोगों से शिकायतें प्राप्त कीं। इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर ने कहा कि जिला अधिकारी प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जन-संबोधन कार्यक्रम में विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान को प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों को लंबित रखे बिना नियमित निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान करें। आज आयोजित जन-संबोधन कार्यक्रम में कुल (152) शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग- 130, अन्य विभाग- 22, कुल 152 आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, जिला राजस्व अधिकारी संगीता, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, नगर निगम अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PARTH S/o DEEPAK, R/o. H.No.289, Sector-05, Huda Rohtak, Haryana-124001. Have Changed My Name from PARTH to PARTH CHAHAL vide Affidavit No.34AA 487623, Dt: 14.07.2025 for All records purpose.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-ADVT-OSN-32

लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OSN-223-25-2 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))

विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 1 से प्लेटफॉर्म नं. 8 के अंदर प्लेटफॉर्म के पिलरों (Pillars) पर विज्ञापन होर्डिंग्स / ग्लो साइन (नॉन-डिजिटल)। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित कुल क्षेत्र - 2180 वर्गफुट।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 24.07.2025 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 24.07.2025 को 1130 बजे।

न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-353/Q/25-26

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान

ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture

संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.

Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336

www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida@icar.gov.in

विज्ञापन सं.08/2025/एनआईसीआरए

साक्षात्कार के माध्यम से दि. 24-07-2025 के 10.00 बजे यंग प्रोफेशनल -।। (1 पद) के अस्थायी पद की भर्ती की जा रही है। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./-सहायक प्रशासकीय अधिकारी

सरकारी स्कूलों का विलय शिक्षकों और छात्रों के हित में, इससे शिक्षा में सुधार होगा : सीएम योगी

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय को छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों तीनों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी ने ये बातें सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की बैठक में कही।

उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पेयरिंग व्यवस्था के कारण खाली हुए विद्यालय भवनों में बाल वाटिकाएं और प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित की जाएं। साथ ही, इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो और विद्यालय परिसरों का उपयोग बहुपर्यायी रूप से हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

कोई बच्चा स्कूल से वंचित न रहे मुख्यमंत्री योगी ने बैठक के दौरान उन्होंने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में स्कूल चलो अभियानर को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे।

उन्होंने यह भी कहा कि परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री हेतु 1200 रुपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो।

मेरठ डीएम के सीनियर क्लर्क की बाथरूम में नहाते-नहाते मौत

मेरठ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ कलेक्ट्रेट में तैनात एक सीनियर क्लर्क ईशांत सिंह की बाथरूम में नहाते-नहाते मौत हो गई। उसने जैसे ही अपने ऊपर मग से पानी डाला, दर्द से कराहते हुए फर्श पर गिर गए। पत्नी ने पड़ोसियों की मदद से बाथरूम का दरवाजा खुलवाया। ईशांत अपने सीने को पकड़े तड़प रहे थे। पत्नी से बोले- मेरे सीने में तेज दर्द हुआ और गिर गया। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ईशांत 8 दिन बाद 22 जुलाई को अपना 30वां बर्थडे मनाने वाले थे। 5 साल पहले उनकी शादी हुई थी। 29 जून को उन्होंने शादी की 5वीं सालगिरह मनाई थी। ईशांत कलेक्ट्रेट में इंग्लिश रिकॉर्ड कीपर विभाग में तैनात थे। उनकी अचानक मौत से पूरा परिवार टूट गया है। माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। मां की जगह ईशांत को नौकरी मिली थी। अब घर में अकेली पत्नी बची है। उसका रो-रोकर बुरा हाल है।

लालू ने पीएम मोदी-सीएम नीतीश पर बोला हमला

इस बार एआई तस्वीर के साथ वीडियो बनवा कर कहीं यह बातें

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने इस बार कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल किया और पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर बना दी। इसमें लिखा है कि वर्तमान और भविष्य भूल, इतिहास में जीने वाले प्राणी ने अपना कुछ किया नहीं है।

दूसरों का किया कहा नही। लालू प्रसाद ने सीएम नीतीश कुमार के हाथ में एक पंपलेट दिखाया। इसमें लिखा है कि लूट, हत्या, चोरी, डकैती और भष्ट्राचार। इतना ही नहीं लालू प्रसाद ने पीएम मोदी के हाथ में भी एक पंपलेट दिखाया। इसमें लिखा है कि केंद्र की सत्ता बचा रहे हैं, बिहार को सता रहे हैं।

वहां लोकतंत्र फल-फूल नहीं सकता

इससे पोस्ट से कुछ देर पहले ही राजद सुप्रीमो ने एक पोस्ट लिखा था। इसमें उन्होंने कृत्रिम मेधा से बना हुआ एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह खुद को दिखा रहे हैं। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि सत्ता पर नियंत्रण नहीं होता और न्याय कुछ चुनिंदा लोगों के लिए आरक्षित रहता है। वहां लोकतंत्र फल-फूल नहीं सकता। जहां समानता और न्याय नहीं होता, वहां शांति नहीं रह सकती।

चारवाहा विद्यालय को लेकर यह संदेश दिया

वीडियो में लालू प्रसाद की तरह दिखने वाले शख्स ने उनके ही आवाज में कहा कि चरवाहा विद्यालय लालू यादव का एक संदेश था कि इस देश के गांव में हजारों लाखों परिवारों के बूढ़े-बूढ़ी और बच्चे गाय-भैंस, बकरी और सूअर चराते हैं। मैं दावे के साथ कहता हूं कि मैंने एक संदेश दिया गया कि मवेश चराने वालों, मैला ढोने वालों, झाड़ू देने वालों, कपड़ा साफ करने वालों पढ़ना लिखना सीखो। इसी से तुम्हारा उद्धार होगा।

मुख्तार का शूटर शाहरुख पठान एनकाउंटर में ढेर

8 महीने पहले हुई थी शादी, रील में अब्बास अंसारी के साथ दिखा था

मुजफ्फरनगर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के मुजफ्फरनगर में एसटीएफ ने मुख्तार अंसारी गैंग के शार्प शूटर शाहरुख पठान को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। एसटीएफ को शाहरुख की लोकेशन छपार इलाके में मिली। इसके बाद टीम ने घेराबंदी की। इसी दौरान शाहरुख कार से वहां पहुंचा। एसटीएफ ने कार रुकवाई, तो शाहरुख ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। मेरठ एसटीएफ टीम की जवाबी कार्रवाई में शाहरुख मौके पर ही ढेर हो गया। एनकाउंटर सोमवार तड़के 4 बजे छपार थाना क्षेत्र के रोहाना मार्ग पर हुआ। मुजफ्फरनगर के खालापार के रहने वाले शाहरुख की एक रील सामने आई थी। इसमें वह मुख्तार के बेटे अब्बास के साथ नजर आ रहा था। यह रील कब और कहां की है? यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। शाहरुख एक साल पहले जेल से छूटा था। 8 महीने पहले उसकी मुजफ्फरनगर में ही शादी हुई थी। वह शॉर्प शूटर था। वह प्रोफेशनल किलिंग यानी सुपारी लेकर हत्या करता था। मुख्तार गैंग के साथ ही पश्चिम यूपी में कुख्यात संजीव जीवा गैंग के लिए भी काम करता था। उस पर लूट और हत्या के 12 से ज्यादा मामले दर्ज थे। उत्तराखंड में कंबल कारोबारी गोल्डी की 2017 में हत्या की थी। इस मामले में शाहरुख को संजीव जीवा के साथ उम्रकैद की सजा हुई थी। एक साल पहले वह जमानत पर बाहर आ गया। जेल से बाहर आते ही उसने हत्या के गवाहों को धमकाना शुरू कर दिया। संभल जिले के बनियाठेर थाने में उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और धमकी देने का केस दर्ज था, जिसमें वह फरार चल रहा था। इसके बाद वह अंडरग्राउंड हो गया। तब से पुलिस और एसटीएफ उसकी तलाश कर रही थी।

बाघ ने किसान को मार डाला 20 मीटर घसीटा

पीलीभीत, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पीलीभीत में बाघ ने एक और किसान को मार डाला। सुबह किसान अपने घर के सामने गन्ने की फसल देखने गया था। वहां खेत में पहले से बैठे बाघ ने उस पर हमला कर दिया। गन्ने के खेत में 20 मीटर अंदर तक घसीट ले गया। चीख सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग पहुंचे और बाघ को भगाया। लेकिन तब तक किसान की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों को देखकर बाघ नाला पार कर दूसरे खेत में चला गया। किसान के सीने और गले पर गंभीर घाव थे। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना सोमवार सुबह न्यूरिया थाना क्षेत्र के बड़ी फुलहर गांव की है।

अखिलेश के भाई प्रतीक से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी

पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी दी, भाजपा नेता अपर्णा के पति हैं

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव के साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने गौतमपल्ली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें कहा कि चिनहट में रहने वाले कृष्णानंद पांडेय नाम के व्यक्ति ने एक कंपनी बनाई। यह कंपनी प्रॉपर्टी का काम करती थी। कृष्णानंद पांडेय ने उनसे करोड़ों रुपए निवेश के नाम पर ठग लिए। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो बहाने करने लगा। काफी दिन तक उसने पैसे वापस नहीं किए। जब प्रतीक ने सख्ती की, तो पॉस्को एक्ट में फंसाने और फेक ऑडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। यही नहीं, प्रतीक से 5 करोड़ की रंगदारी भी मांगी।

प्रतीक सपा संस्थापक मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। वह अपर्णा यादव के पति हैं। अपर्णा ने विधानसभा चुनाव से पहले सपा छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली थी। वह अभी उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं।

बिजनेस शुरू करने के नाम पर की धोखाधड़ी

प्रतीक ने पुलिस को बताया- 2011-12 में मेरी मुलाकात कृष्णानंद पांडेय से हुई थी। वह कई बार बिजनेस का प्रस्ताव लेकर आया। करीब दो-तीन साल लगातार मेल-जोल बढ़ाने पर मैं कृष्णानंद पांडेय की बातों में आ गया। उसने कहा कि लखनऊ का विस्तार हो रहा है। हम लोग शहीद पथ के आसपास जमीन खरीद लें। जिसको आगे चलकर बढ़ी कीमत में बेच कर बड़ा मुनाफा कमाया जा सकता है। कृष्णानंद के रियल स्टेट कारोबार में जुड़े होने से मैं उसकी बातों में आ गया। इसके बाद एक कंपनी 25 मई, 2015 को बनाई। इसमें कृष्णानंद पांडेय और यूएस विस्ट को निदेशक बनाया गया। खुद कंपनी में प्रमोटर के तौर पर शामिल हुआ। इसके बाद कंपनी में हैसियत से निवेश किया। हालांकि, जब मैंने अपना पैसा वापस मांगा तो वह बहाना बनाने लगा। यही नहीं, मुझे फंसाने की भी धमकी दी।

पारिवारिक समस्याओं का हवाला देकर मुझसे पैसे लिए

प्रतीक ने बताया- आरोपी कृष्णानंद पांडेय ने पहले मुझसे स्टाफ की तरह नजदीकी बढ़ाई। मेरे बिजनेस के बारे में जानकारी जुटाई। फिर कभी अपनी आर्थिक स्थिति और पारिवारिक समस्याओं का हवाला देकर उधार मांगने लगा। उसकी बातों में आकर मैंने कई बार उसे पैसे दिए। साल 2020 में मैं कोविड की चपेट में आ गया, जिसका असर मेरी शारीरिक और मानसिक स्थिति पर पड़ा। तबीयत बिगड़ने लगी। इसी दौरान सितंबर 2022 में मां का, अक्टूबर 2022 में पिता का और नवंबर 2022 में मामा का निधन हो गया। इससे मुझे गहरा मानसिक आघात लगा और मेरी सेहत और बिगड़ गई।

धर्मांतरण मामला : सनातन धर्म में वापसी पर छांगुर के साथी दे रहे धमकी

पीड़िताएं बोलीं-पुलिस नहीं करती सुनवाई

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के बहकावे में आने वाली महिलाएं अब घरवापसी कर रही हैं। इस पर उन्हें धमकी दी जा रही है। परेशान पीड़िताओं ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में अपनी पीड़ा सुनाई।

गोमती नगर के विशाल खंड स्थित विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यालय में पीड़िताओं ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान विहिरप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय भी मौजूद रहे। पीड़िताओं का कहना है कि सनातन धर्म में वापसी करने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। पुलिस भी छांगुर का साथ देती है। इस दौरान गोपाल राय ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि छांगुर उर्फ जलालुद्दीन के जिहादी और आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोग धमकी दे रहे हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सहयोग से पिछले सप्ताह कई पीड़िताओं की हिंदू धर्म में घर वापसी कराई गई थी। गोपाल राय ने मीडिया के सामने लव जिहाद से पीड़ित उन महिलाओं को भी पेश किया। कहा कि ये धमकियां छांगुर उर्फ जलालुद्दीन के आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोगों की ओर से दी जा रही हैं। क्योंकि विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने बाबा उर्फ जलालुद्दीन के जेहादी और आतंकी नेटवर्क के कारनामों का पर्दाफाश किया था।

इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा जबरन धर्मांतरण करवाने तथा जिहादी कारनामों के मामले में छांगुर की गिरफ्तारी हुई। नेटवर्क के लोग बौखलाए हुए हैं और उन लोगों को भी जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं जिन्हें सनातन धर्म में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सहयोग से पिछले सप्ताह घर वापसी करवाया गया है।

अगली बलि की तैयारी में था असद...इसलिए चुना कत्ल के लिए सावन का पहला शुक्रवार

मेरठ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ के सरधना के नवाबगढ़ी गांव में दो मासूमों नरबलि ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। तांत्रिक असद बच्चों की बलि देकर सिद्धि प्राप्त करना चाहता था। इस सनक में उसने रिहान और उवैस की बेरहमी से हत्या कर दी। ग्रामीणों के अनुसार, इसके बाद भी आरोपी की सनक थमी नहीं थी। उसने अगले बृहस्पतिवार को एक और बच्चे की बलि देने की योजना बना ली थी। यह बच्चा भी अपने माता-पिता की इकलौती संतान है। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी उस बच्चे की हर गतिविधि और दिनचर्या की जानकारी जुटा रहा था।

बलि के लिए चुना सावन का पहला शुक्रवार

ग्रामीणों की माने तो असद ने विशेष तिथियों और धार्मिक अवसरों को ध्यान में रखते हुए बलि के लिए सावन माह के पहले शुक्रवार का चयन किया था। कहा जाता है कि यह दिन तांत्रिक क्रियाओं के लिए अत्यंत प्रभावशाली होता है। तीन माह पूर्व रिहान भी बृहस्पतिवार शाम को लापता हुआ था।

उसकी हत्या भी शुक्रवार को ही की गई। उवैस की हत्या के बाद आरोपी की गिरफ्तारी से अगली वारदात टल गई। असद की हरकतें केवल अंधविश्वास नहीं मानी जा रही हैं। उसकी गतिविधियों और अपराध के तरीके से पुलिस और ग्रामीणों को संदेह है कि वह या तो किसी गंभीर मानसिक विकृति से ग्रस्त था, या फिर किसी संगठित तांत्रिक गिरोह से जुड़ा था।

डायरी, मोबाइल फोन से खुलेंगे सारे राज

ग्रामीणों ने बताया कि दिन में वह धार्मिक चर्चा करता, धार्मिक वेशभूषा में दिखता था, लेकिन रात होते ही तांत्रिक क्रियाओं के लिए नरबलि जैसे घिनौने अपराध की योजना बनाने लगता था। पुलिस ने उसकी डायरी, मोबाइल फोन और कुछ फोटोग्राफ जब्त किए हैं, इनकी मदद से पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने की कोशिश की जा रही है। तांत्रिक सिद्धी पाने के लिए रिहान (11) और उवैस (14) की हत्या के आरोपी असद ने रविवार को पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी। पुलिस उसे साक्ष्य एकत्र करने के लिए लेकर जा रही थी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी दोनों पैरों में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। गिरफ्तार कर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी के पिता इकरामुद्दीन और भाई आसिफ, आरिफ, जुबैर व रिहान को भी पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। नवाबगढ़ी गांव में तांत्रिक असद ने बृहस्पतिवार को पड़ोस में रहने वाले उवैस को घर से बुलाया और रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी थी।

आपराधिक घटनाएं

बीएससी छात्रा को कॉलेज में घुसकर चाकू मारे

अलीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में बीएससी छात्रा पर कॉलेज में जानलेवा हमला हुआ है। सुबह साढ़े 7 बजे दो बदमाश कॉलेज में घुस गए। क्लासरूम में बैठी छात्रा पर चाकू से हमला कर दिया। उसके पेट और हाथ में चाकू मारे। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। हमले के बाद छात्रा बेहोश हो गई। होश आने पर उसने खुद ही घरवालों को फोन किया। इसके बाद घरवाले कॉलेज पहुंचे और छात्रा को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज 8 बजे खुलता है। 7 बजे छात्रा का भाई उसे छोड़कर गया था। छात्रा एनसीसी भी करती है, इसलिए उसके पास एनसीसी रूम की चाबी थी। वह एनसीसी रूम में बैठी थी। तभी आरोपियों ने हमला किया। फिलहाल, फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए हैं। छात्रा की पहचान नगला तिकोना निवासी भूरा सिंह की बेटी सपना (20) के रूप में हुई है।

ट्रक ने मर्चेंट नेवी अफसर की पत्नी-बेटी को कुचला

वाराणसी, 14 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी में ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक डिवाइडर से जाकर टकरा गई। बाइक सवार मर्चेंट नेवी अफसर की पत्नी और बेटी (1साल) सड़क पर गिर गए। दोनों को ट्रक कुचलता हुआ निकल गया। इससे मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि महिला का पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। देखा कि घायल 1 वर्षीय नातिन का शव गोद में लेकर जोर-जोर से रो रहा था। जबकि महिला का शव सड़क पर पड़ा था। पुलिस ने घायल को दीनदयाल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बेगूसराय में 3 युवकों को गोली मारी, एक की मौत

बेगूसराय, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बेगूसराय में सोमवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े 3 युवकों को गोली मार दी। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। 7-8 राउंड फायरिंग हुई है। घटना लोहिया नगर थाना क्षेत्र के बाघा रेलवे गुमटी के पास की है। मृतक की पहचान अमित कुमार (25) के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक रेलवे गुमटी के पास अमित छोटे वाहनों से बैरियर वसूलता था। सुबह करीब 11:30 बजे स्टाफ प्रिंस कुमार के साथ बैरियर पर बैठा था। इस दौरान 2 बाइक से 4 अपराधी पहुंचे। ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बेगूसराय रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर गोली मारी है।

भाजपा नेता को महिलाओं ने घर में घुसकर पीटा

आगरा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में बीजेपी नेता को महिलाओं ने घर में घुसकर पत्नी के सामने पीटा। कॉलर पकड़कर उसे खींचते हुए बाहर लाईं, फिर चप्पल और थप्पड़ बरसाए। बाल पकड़कर घुमाया। नेता ने हाथ जोड़कर माफी मांगी, लेकिन महिलाओं ने उसकी एक न सुनी। बाद में नेता की पत्नी महिलाओं के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हो गई। इसके बाद महिलाएं नेता ने नेता को छोड़ा। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि महिलाओं ने 1 मिनट 15 सेकेंड में नेता को 22 चप्पलें मारीं। आरोप है कि आरोपी ने अपनी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं के वॉट्सऐप पर अश्लील मैसेज और वीडियो भेजे थे। महिला कार्यकर्ताओं ने उसे कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद रविवार को महिलाएं भाजपा बूथ अध्यक्ष आनंद शर्मा के खंदौली स्थित घर पहुंच गईं और भाजपा नेता को पीट दिया।

यूपी की आईपीएस अलंकृता 3 साल से सस्पेंड

अब वीआरएस मांग रहीं, एडीजी जसवीर 6 साल से निलंबित; बहाली होगी या नहीं?

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी पुलिस में सस्पेंड चल रहे 3 आईपीएस अफसर लंबे समय से अपनी बहाली का इंतजार कर रहे हैं। इनमें से जसवीर सिंह सबसे लंबे समय तक सस्पेंड रहने का रिकॉर्ड बना रहे हैं। दूसरी महिला अफसर हैं-अलंकृता सिंह, जो बिना इजाजत विदेश चली गईं। तीसरे हैं- अंकित मित्तल, जो पत्नी से विवाद के बाद से सस्पेंड चल रहे हैं। इन तीनों अफसरों को सस्पेंड हुए लंबा समय हो चुका है, लेकिन सरकार कार्रवाई कर भूल गई है। अलंकृता सिंह ने तो वीआरएस के लिए भी आवेदन किया है। लेकिन, उनका वीआरएस अब तक स्वीकृत नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश के डीजीपी रह चुके सुलखान सिंह बताते हैं- किसी आईपीएस अधिकारी का निलंबन होता है, तो उसे केंद्र से 45 दिन के अंदर अप्रूवल लेना जरूरी है। वहीं, राज्य सरकार ने नियम बनाया है कि निलंबित अधिकारी की विभागीय जांच 6 महीने में पूरी होनी चाहिए। इस अवधि में अगर जांच पूरी नहीं हो पा रही, तो आमतौर पर अधिकारी को बहाल कर दिया जाता है। सुलखान सिंह बताते हैं- मौजूदा समय में जो अफसर निलंबित हैं। उनकी वजहें जो भी हों, अगर उनका दोष है तो कार्रवाई कर सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए। दोष नहीं है, तो उन्हें बहाल किया जाना चाहिए। निलंबित अधिकारी के पास पहले ट्रिब्यूनल, फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रास्ता भी होता है।

लेकिन, आमतौर पर अधिकारी सरकार से सीधे टकराव से बचने के लिए अदालत के चक्कर में नहीं पड़ते। अलग-अलग अफसरों की बहाली न होने की अलग-अलग वजहें हैं। जैसे जसवीर सिंह की जांच डीजी स्तर के अधिकारी आनंद कुमार कर रहे थे। अप्रैल, 2024 में वे रिटायर हो गए। लेकिन उससे पहले वे अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप गए थे। सरकार ने अब तक उसका संज्ञान नहीं लिया। न तो उनकी बर्खास्तगी की कोई कार्रवाई हुई और न ही उन्हें बहाल किया गया।

एअर इंडिया सीईओ बोले-दोनों पायलट की मेडिकल स्थिति सामान्य थी

मेंटेनेंस समय से की गई; बोइंग ने कहा-विमानों के फ्यूल स्विच लॉक्स एकदम सेफ

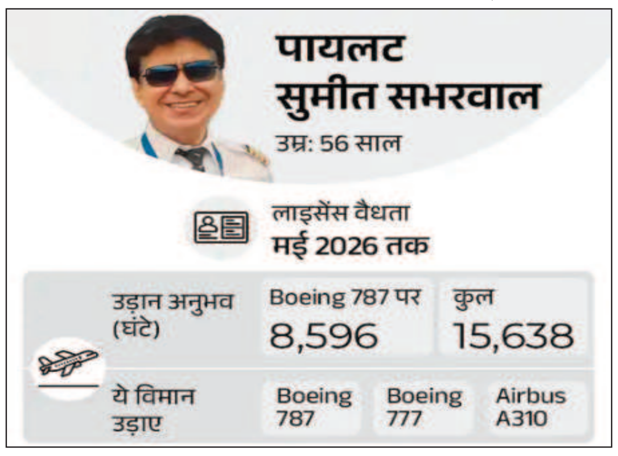

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। एअर इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर कैंपबेल विल्सन ने कहा कि दोनों पायलटों ने ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट पास किया था और उनकी मेडिकल स्थिति सामान्य थी। प्राइमरी रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि प्लेन और इंजन में कोई टेक्निकल या मेंटेनेंस से जुड़ी खराबी नहीं थी। विल्सन ने कहा-प्लेन के सभी जरूरी मेंटेनेंस कार्य समय से किए गए थे। ईंधन की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं थी और टेक-ऑफ रोल सामान्य था। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में ये बात लिखी है। एफएए ने कहा, 'फ्यूल कंट्रोल स्विच का डिजाइन, लॉकिंग फीचर्स, बोइंग के अलग-अलग विमानों में एक ही है। फिर भी हम इसे खतरे की स्थिति नहीं मानते, जिसके लिए किसी भी बोइंग विमान मॉडल पर एयरवर्दीनेस डायरेक्टिव देने की जरूरत पड़े।'

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एफएए और बोइंग ने यह नोटिफिकेशन 11 जुलाई को अहमदाबाद-लंदन प्लेन क्रैश की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद जारी किया, जिसमें इंजन फ्यूल कटऑफ स्विच पर सवाल उठाए गए थे। फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के इंजन में फ्यूल के बहाव को कंट्रोल करते हैं।

थ्रॉटल कंट्रोल मॉड्यूल 6 साल में बार बदला बदला गया

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से रविवार को बताया कि एअर इंडिया ने 2019 में बोइंग के निर्देश के बाद पिछले 6 सालों में अहमदाबाद-लंदन बोइंग 787-8 फ्लाइट के थ्रॉटल कंट्रोल मॉड्यूल (टीसीएम) को दो बार बदला था। टीसीएम में फ्यूल कंट्रोल स्विच होते हैं, जो प्लेन क्रैश हादसे की जांच का केंद्र बन गए हैं। 12 जून को अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट में ये स्विच टेकऑफ के तुरंत बाद बंद हो गए थे। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई को बताया कि अहमदाबाद-लंदन प्लेन में टीसीएम को 2019 और 2023 में बदला गया था।

फ्यूल कंट्रोल स्विच बंद होने से दोनों इंजन बंद हो गए थे

एएआईबी ने 15 पेज की अपनी रिपोर्ट में बताया कि अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट के दोनों इंजनों में फ्यूल फ्लो को कंट्रोल करने वाले स्विच बंद हो गए थे, इसलिए टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन बंद हो गए और विमान का थ्रस्ट खत्म हो गया। पायलट ने 10 सेकेंड बाद दोबारा इन्हें चालू किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। रिपोर्ट में ये भी सामने आया है कि उड़ान से पहले फ्लाइट के एक सेंसर में परेशानी थी जिसे ठीक किया गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है, जैसा कि इस तरह की रिपोर्ट्स में आमतौर पर होता है।

यह सिर्फ तथ्यों को प्रस्तुत करती है और अंतिम रिपोर्ट शायद एक-दो साल बाद आएगी जिसमें इस हादसे की असल वजह पता चल सकती है। मेडिकल होस्टल पर प्लेन क्रैश होने के कारण इस हादसे में कुल 270 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल थे। सिर्फ एक भारतीय मूल के ब्रिटिश यात्री की जान बची।

15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली। इस समय तक रिपोर्ट में बोइंग 787-8 विमान और इंजन को लेकर किसी ऑपरेटर के लिए कोई चेतावनी या कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है। साथ ही रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं है।

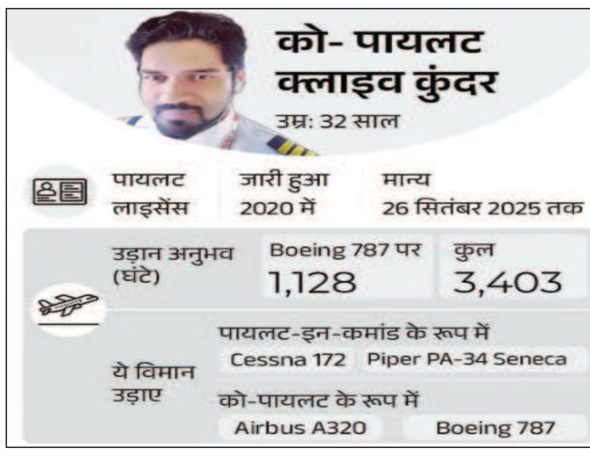

चंडीगढ़ में स्पाइसजेट पर 10 हजार रुपये जुर्माना

यात्री का सामान अहमदाबाद की बजाय भेजा बैंगलोर, कोर्ट ने माना सेवा में लापरवाही

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली से अहमदाबाद जा रहे एक यात्री का सामान गलत जगह भेजने पर चंडीगढ़ की कंज्यूमर कोर्ट ने स्पाइसजेट एयरलाइंस को सेवा में कोताही का दोषी ठहराया है। कोर्ट ने एयरलाइंस को 10,000 रुपये हर्जाना देने का आदेश दिया है।

शिकायतकर्ता साहब पायल, जो कि सेक्टर-47C, चंडीगढ़ के निवासी हैं, ने बताया कि वह गुजरात फ्लाइंग स्कूल, वडोदरा में परीक्षा देने जा रहे थे। इसके लिए उन्होंने दिल्ली से अहमदाबाद तक का टिकट स्पाइसजेट से बुक किया था। लेकिन यात्रा के दौरान उनका सामान किसी और जगह भेज दिया गया, जिससे उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद माना कि एयरलाइंस की लापरवाही के कारण शिकायतकर्ता की सेवा में बाधा आई और इसके लिए स्पाइसजेट को हर्जाना अदा करना होगा।

राधिका मर्डर, बाप बोला जो हो गया, सो हो गया

जेल में 60 हार्डकोर क्रिमिनल्स के साथ रखा टेनिस प्लेयर का फोन डेटा रिकवरी को भेजा

गुरुग्राम, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में टेनिस प्लेयर राधिका यादव की हत्या करने वाले बाप दीपक यादव को कत्ल पर अब कोई पछतावा नहीं है। पुलिस रिमांड के दौरान उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने कहा कि जो हो गया, सो हो गया, अब उसे और कुछ नहीं कहना। आरोपी दीपक यादव को गुरुग्राम की जिला जेल में रखा गया है। जहां उसे कैदी नंबर- 4142 दिया गया है। आरोपी को कत्ल की वजह से हार्डकोर अपराधियों की सेकेंड कैटेगरी में रखा गया है। इसमें वे कैदी हैं, जो पहली या दूसरी बार, सिंगल या डबल मर्डर करके आते हैं। वह 60 कैदियों के साथ है, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं गुरुग्राम पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए टेनिस प्लेयर के मोबाइल को डेटा रिकवरी के लिए फोरेंसिक लैब भेज दिया है। जिसके जरिए पता किया जाएगा कि उसमें से कोई डेटा वगैरह डिलीट तो नहीं किया गया। इसके अलावा कत्ल से पहले राधिका की किसी से बात हुई या फिर किसी न उसको या उसने किसी को कोई मैसेज वगैरह भेजा था या नहीं। गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप कुमार ने कहा कि जो भी परिवार के सदस्य, दोस्त या सहयोगी मीडिया या सोशल मीडिया के सामने कुछ जानकारी दे रहे हैं तो वे सामने आएं।

संध्या माझी ने लैंगिक भेदभाव तोड़ते हुए रचा इतिहास

> बनीं ओडिशा की पहली महिला सरकारी ड्राइवर

भुवनेश्वर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले की संध्या रानी माझी राज्य में सरकारी वाहन चालक के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला बन गई हैं। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक एतिहासिक कदम है।

बचपन से ही ड्राइविंग का सपना रहा

सुलेईपत गांव की रहने वाली 45 वर्षीय संध्या की यात्रा दृढ़ संकल्प और साहस से भरी रही है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे कार और ड्राइविंग का शौक था। यह हमेशा से ही मेरा सपना रहा है। उन्होंने मोटरसाइकिल चलाकर अपने सपनों को जीना शुरू किया और बाद में कार चलाना शुरू कर दिया। संध्या ने स्नातक तक की पढ़ाई की है। उनके पति भी ड्राइवर हैं। उन्होंने शादी के बाद टैक्सी चलाना शुरू कर दिया। संध्या ने 2011 में हल्का मोटर वाहन या एलएमवी लाइसेंस प्राप्त किया। इसके बाद राज्य परिवहन प्राधिकरण के तहत जाजपुर जिले के छतिया ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र में ट्रेनिंग पूरा करने के बाद 2023 में भारी मोटर वाहन लाइसेंस प्राप्त किया। अधिकारियों ने बताया कि इस बीच पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण संध्या ने भुवनेश्वर में एक ब्यूटी पार्लर में भी काम किया। संध्या ने बताया कि एक दिन मुझे छतिया ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर से फोन आया और बताया गया कि राज्य सरकार में ड्राइवर का पद खाली है। मैंने हामी भर दी और 25 जून को ड्यूटी जॉइन कर ली। संध्या अपनी नई नौकरी में आने के बाद काफी खुश नजर आईं। अब वह वाणिज्य एवं परिवहन विभाग की प्रधान सचिव उषा पाढी का आधिकारिक वाहन चलाती है।

संध्या ने लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ा

पाढी ने इससे संबंधित एक्स में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि संध्या रानी की साहसिक यात्रा ने लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ दिया है और ओडिशा में अनगिनत महिलाओं के लिए बदलाव लाने का मार्ग खोल दिया है। उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी प्रवती परिदा ने संध्या को बधाई दी और कहा कि यह ओडिशा में महिला सशक्तिकरण के लिए एक मील का पत्थर है। परिदा ने एक्स पर लिखा कि मैं ओडिशा की पहली महिला सरकारी ड्राइवर संध्या रानी माझी को हार्दिक बधाई देती हूँ। परिवहन विभाग की पहल सराहनीय है।

चंडीगढ़-मनाली फोरलेन पर फिर गिरा पहाड़

चार मील के पास 2 जगह लैंडस्लाइड, यातायात बाधित; 3 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन मंडी में फिर से बंद हो गया है। चार मील के पास बीती रात और आज सुबह 2 जगह पहाड़ सड़क पर आ गया। यहां बार बार पहाड़ी से पत्थर गिर रहे है। बीती शाम को भी चार मील के पास सड़क 26 घंटे बाद बहाल हो पाई थी।

मगर रात में फिर बंद हो गई। एनएचएआई की मशीनरी मलबा हटाने में जुटी हुई है। चार मील के पास तीन दिन से बार बार पहाड़ी से पत्थर गिर रहे हैं। इससे वाहनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। मनाली-रोहतांग की तरफ जाने वाले टूरिस्ट भी ट्रैफिक जाम में फंस रहे हैं।

'छोटी-छोटी बात पर विवाद से खतरे में हिंदू विवाह', बिखरते रिश्तों पर बॉम्बे हाईकोर्ट चिंतित

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आधुनिकता की चकाचौंध में बिखर रहे रिश्तों को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने एक युवक और उसके परिवार के खिलाफ दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले को खारिज कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि छोटी-छोटी बात पर हो रहे विवादों के चलते पवित्र माना जाने वाला हिंदू विवाह खतरे में पड़ रहा है। न्यायमूर्ति नितिन साम्ब्रे और न्यायमूर्ति एम.एम. नेर्लिकर की नागपुर पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवादों में अगर पुनर्मिलन संभव नहीं है, तो इसे तत्काल समाप्त कर दिया जाना चाहिए। ताकि दोनों पक्षों का जीवन बर्बाद न हो। दिसंबर 2023 में एक युवक और उसके परिजनों के खिलाफ अलग रह रही उसकी पत्नी ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। युवक और उसके परिजनों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर करके दहेज उत्पीड़न के मामले को रद्द करने की मांग की थी। दंपती ने अदालत को बताया कि उन्होंने अपना विवाद सुलझा लिया है। उन्हें आपसी सहमति से तलाक दे दिया गया है। महिला ने पीठ को बताया कि यदि मामला रद्द कर दिया जाता है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि वह अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहती है। इस पर पीठ ने मामले को खारिज किया। पीठ ने कहा कि यूं तो भारतीय दंड संहिता और दहेज निषेध अधिनियम के तहत दहेज उत्पीड़न और अप्राकृतिक यौन संबंध से संबंधित प्रावधानों में समझौता नहीं किया जा सकता है। फिर भी न्याय के उद्देश्यों को सुरक्षित करने के लिए अदालतें कार्यवाही को रद्द कर सकती हैं। अदालत ने कहा कि पति की ओर से कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। इसे देखते हुए वैवाहिक विवादों को एक अलग नजरिये से देखना जरूरी हो है। कोर्ट ने कहा कि यदि दोनों पक्ष अपने विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना चाहते हैं और शांतिपूर्वक रहना चाहते हैं, तो न्यायालय को उनको प्रोत्साहित करना चाहिए।

सांभाजी ब्रिगेड के नेता पर हमले से सियासत तेज

कांग्रेस-एनसीपी का सरकार पर वार; सीएम बोले-कोई नहीं बचेगा

पुणे, 14 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में सांभाजी ब्रिगेड के प्रदेश प्रमुख प्रवीण गायकवाड़ पर हुए हमले के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है। इस हमले को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) ने सरकार पर हमला बोला है। वहीं भाजपा ने खुद को इससे अलग बताया है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन में सफाई दी है।

पूरे मामले को लेकर विधानसभा में भी जोरदार बहस हुई, जिसमें विपक्ष ने इसे 'हत्या का प्रयास' करार दिया। रविवार को सोलापुर जिले के अक्कलकोट गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में सांभाजी ब्रिगेड के नेता प्रवीण गायकवाड़ पर स्याही फेंकी गई और उन्हें कार से बाहर खींच कर पीटा गया। यह हमला कथित तौर पर स्वामी समर्थ पर उनके बयान को लेकर हुआ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने इसे सुनियोजित हमला बताया और पूछा कि कार्यक्रम में पुलिस बंदोबस्त क्यों नहीं था। वडेट्टीवार ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि हमलावर एक राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं और उनका आपराधिक इतिहास है। जवाब में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह किसी भी पार्टी से जुड़ा हो। घटना के बाद आरोपियों में से एक दीपक काटे की तस्वीरें भाजपा नेता बावनकुले के साथ वायरल हुईं। हालांकि मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सफाई दी कि भाजपा का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार और सुप्रिया सुले ने आरोप लगाया कि सरकार विरोधी आवाजों को दबाने की कोशिश हो रही है। सुप्रिया सुले ने कहा कि घटना के बाद उन्होंने प्रवीण गायकवाड़ और सोलापुर के एसपी से बात की। उन्होंने कहा कि इतनी गंभीर घटना के बाद भी कठोर कार्रवाई नहीं हुई, यह चौंकाने वाला है।

भाजपा के बंद के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प

दो टीएमसी नेताओं की हत्या, चार गिरफ्तार

कोलकाता, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सियासी बवाल चरम पर है। एक ओर जहां भाजपा के 12 घंटे के बंद के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। वहीं दूसरी ओर टीएमसी नेताओं की हत्या ने माहौल को और गर्म कर दिया। टीएमसी नेता की हत्या मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प, सड़कें जाम

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के खेजुरी इलाके में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए सुजीत दास (23) और सुधीर चंद्र पाइक (65) की मौत के विरोध में भाजपा ने 12 घंटे के बंद का आह्वान किया था। इसे लेकर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि एक स्थानीय टीएमसी नेता सहित सात लोगों ने उन्हें पीट-पीटकर मार डाला। जबकि पुलिस ने कहा कि दोनों की मौत हैलोजन लैंप के लैंपपोस्ट से गलती से उन पर गिरने से हुई और उनकी पिटाई या हथियारों से हमला करने का कोई संकेत नहीं मिला। विरोध के दौरान भाजपा समर्थकों ने कई घंटों तक पेड़ों के तने रखकर राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। एक ट्रक समेत कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की गई। इसके बाद पुलिस ने अवरोधों को हटा दिया। पुलिस ने सड़क जाम करने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने विरोध मार्च निकाला और मांग की कि हत्या का मामला दर्ज किया जाए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस स्थानीय लोगों को परेशान कर रही है और कहा कि बंद जनता के गुस्से को दर्शाता है। खेजुरी के भाजपा विधायक शांतनु प्रमाणिक ने कहा कि बंद को जनता का व्यापक समर्थन मिला और सभी दुकानें बंद रहीं।

टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

उधर, बीरभूम जिले में एक 42 वर्षीय तृणमूल कांग्रेस नेता पीयूष घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मामले में दो महिलाओं समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार तड़के कोमारपुर गांव में हुई।

बंदूकधारी श्रीनिधिपुर पंचायत अध्यक्ष पीयूष घोष के आवास पर पहुंचे और उन्हें गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि एक गोली पास से मारी गई। उन्होंने बताया कि टीएमसी नेता का कोई करीबी इस हत्या में शामिल हो सकता है। पुलिस सभी संभावित व्यावसायिक विवादों की जांच कर रही है।

पंजाब में बेअदबी बिल को मंजूरी

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब कैबिनेट में बेअदबी बिल को मंजूरी दे दी गई है। मंजूरी मिलने के बाद आज ही बिल को विधानसभा में पेश किया जा सकता है। पंजाब में बेअदबी करने वालों को सजा दिलाने के लिए अभी कोई सख्त कानून नहीं है। इस कानून से धार्मिक ग्रंथों और स्थलों की बेअदबी करने वालों को उम्रकैद मिलेगी। पंजाब में लंबे समय से बेअदबी कानून की मांग चली आ रही है। बेअदबी के मामलों में विशेष अदालतें गठित की जा सकेंगी।

सिगंदूर पुल के लोकार्पण में शामिल नहीं हुए सिद्धारमैया

बवाल मचा तो गृह मंत्री परमेश्वर ने दी सफाई

बंगलूरू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोगा जिले में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुए सिगंदूर पुल के लोकार्पण समारोह में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया शामिल नहीं हुआ। इसे लेकर पूरे राज्य में सियासी बवाल मच गया। बाद में गृह मंत्री जी परमेरश्वर ने अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा कि हमने परिवहन मंत्री से कार्यक्रम को स्थगित करने का अनुरोध किया था। लेकिन हमारे अनुरोध को स्वीकार नहीं किया गया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सोमवार को शिवमोगा जिले के नेहरू मैदान में राष्ट्र को समर्पित एवं शिलान्यास समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाईवे परियोजना के तहत यहां सिगंदूर पुल का उद्घाटन किया। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। इसे लेकर सियासी चर्चा शुरू हो गई। इसे लेकर गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि केंद्र और सरकार की मदद से शिवमोगा में पुल का निर्माण किया गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पुल का उद्घाटन करना चाहते थे। सीएम ने उनसे स्थगित करने का अनुरोध किया था क्योंकि वह उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे।

हरियाणा में तीन महीने में 1154 गर्भपात, बेटियों के भ्रूण लिंग जांच का शक

> 56 आशा वर्करों को नोटिस, रिवर्स ट्रैकिंग शुरू

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में स्वास्थ्य विभाग के तमाम अलर्ट और निगरानी के बावजूद भी गर्भ में बेटियां मारने की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है, जिसमें तीन महीने में 1154 गर्भवती महिलाओं के एबॉर्शन कराने की बात सामने आई है। स्वास्थ्य विभाग को शक है कि इनमें से ज्यादातर मामलों में भ्रूण में बेटी होने के कारण गर्भपात कराया गया है। ये घटनाएं उस समय और भी गंभीर हो जाती हैं जब यह सामने आता है कि सरकार ने इन महिलाओं पर निगरानी के लिए जिन आशा वर्करों को तैनात किया था, वे अपनी जिम्मेदारी में चूक गईं। 56 आशा वर्करों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनका काम था कि वे इन गर्भवती महिलाओं के संपर्क में रहें और उन्हें 'सहेली' की तरह समझाएं और मॉनिटर करें। लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग को लग रहा है कि कहीं न कहीं मॉनिटरिंग में बड़ी चूक हुई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अब अलर्ट मोड पर आ गया है। अधिकारियों का कहना है कि अब हर गर्भवती महिला की निगरानी और ज़्यादा सख्ती से की जाएगी और जरूरत पड़ी तो पुलिस व कानून की मदद भी ली जाएगी।

बढ़ सकता है ऐसी महिलाओं का आंकड़ा

स्वास्थ्य विभाग को अपने पुष्ट सूत्रों से ऐसी रिपोर्ट प्राप्त हुई है कि जिन गर्भवतियों द्वारा गर्भपात करवाने के आंकड़े विभाग को उपलब्ध कराए गए है, वे सही नहीं है। कहीं न कहीं ये आंकड़ा उससे भी अधिक है। क्योंकि आशा वर्करों द्वारा दी गई जानकारी और सूत्रों से मिली रिपोर्ट में भी काफी अंतर देखने को मिला है। लिहाजा विभाग की एक टीम अब इस पर भी गुपचुप तरीके से काम कर रही है ताकि सही आंकड़े के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाया जा सके। इस खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। आशा वर्करों की इस लापरवाही के बाद अब विभाग ऐसे मामलों पर नजर रखने के लिए मुख्यालय की टीमों को अलर्ट कर दिया है। अब ये टीमें प्रदेश भर में ऐसी महिलाओं पर नजर रखेंगी जो पहले से ही एक या दो बेटियों की मां हैं।

रिवर्स ट्रैकिंग करा रहा विभाग

स्वास्थ्य विभाग अब विभाग गर्भवतियों द्वारा गर्भपात करवाने के मामले से जुड़ी रिवर्स ट्रैकिंग के नियमों को भी सख्त बनाने में जुटा हुआ है ताकि मुख्यालय से ही समूचे प्रदेश की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। यही नहीं अब इस मामले में संबंधित सीएमओ की भी जवाब देही सुनिश्चित करने पर विचार चल रहा है। अभी विभाग गर्भपात करवाने आली महिलाओं की रिवर्स ट्रैकिंग के दौर से गुजर रहा है। हालांकि इन नियमों को अधिक सख्त बनाने के बाद इस पर अलग से काम किया जाएगा। मगर पहले फेज में विभाग ने रिवर्स ट्रैकिंग का काम शुरू कर दिया है।

केस हिस्ट्री खंगाल रहा विभाग

रिवर्स ट्रैकिंग के दौरान यदि गर्भपात करवाने वाली महिला की केस हिस्ट्री लेकर उसके अनुसार कार्यवाही की जा सके। अगर किसी भी स्टेज पर महिला की गलती पाई जाती है तो विभाग उसे नोटिस जारी करके अपनी जांच में शामिल करेगा। संतोषजनक जवाब. या संबंधित दस्तावेज न मिलने पर कानूनी कार्रवाई तक हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 15 जुलाई - 2025

बेहद गहरा है डायन प्रथा का दंश

कुमार कृष्णन

बिहार के पूर्णियां जिला मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के टेटगामा उरांव टोला में डायन होने की आशंका में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया और शव को एक पानी-क्षेत्र में जलकुंभी के नीचे दबा दिया गया। डायन प्रथा की भेंट चढ़ गई पांच जिंदगी। पूर्णिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के टेटगामा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं। इस घटना में आरोपियों ने परिवार के सदस्यों को डायन बताकर पहले उनकी बेरहमी से पिटाई की और फिर जिंदा जला दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें एक तांत्रिक भी शामिल है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के टेटगामा उरांव टोला में डायन होने की आशंका में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया और शव को एक पानी-क्षेत्र में जलकुंभी के नीचे दबा दिया गया। इस नरसंहार में बाल-बाल बचे परिवार के सदस्य सोनू (15वर्ष) ने भागकर अपनी जान बचाई। सोनू ने उस नरसंहार की आंखों देखी बताई तो पुलिस सक्रिय हुई और घंटो मशक्कत के बाद डॉग स्क्वाड की मदद से जले हुए शवो को जलकुंभी से बरामद किया गया।

मृतकों में परिवार का मुखिया बाबू लाल उरांव (40), पत्नी सीता देवी (35),बूढ़ी मां सातो देवी (65) ,बेटा मंजीत (25)और उसकी पत्नी रानी देवी(20)शामिल है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से गांव के सभी लोग फरार हैं और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।पूर्णिया जिले के पूर्व प्रखंड स्थित टेटगामा गांव में उरांव जनजाति के करीब 50 परिवार निवास करते हैं जिनकी जनसंख्या लगभग 300 है। इस गांव में अन्य जातियों के लोग भी रहते हैं लेकिन उरांव समुदाय के लोग अधिकतर एक-दूसरे के पास रहते हैं। करीब दस दिन पहले रामदेव उरांव के एक बेटे की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। उसके बाद दूसरा बेटा भी बीमार पड़ गया। इसी क्रम में रामदेव को संदेह हुआ कि उसके बेटे की मौत और दूसरे बेटे की बीमारी के पीछे किसी 'डायन' का हाथ है। संदेह की सुई बाबूलाल की मां सातो देवी और उसकी पत्नी सीता देवी पर गई। रामदेव ने इन्हें जादू-टोना करने वाली महिलाएं यानी 'डायन' घोषित कर दिया। गांववालों ने भी अंधविश्वास के चलते उनकी बात मान ली।

जिस पंचायत में बाबूलाल के परिवार की हत्या का फैसला लिया गया। उसमें इस बात को प्रमाण के तौर पर रखा गया कि ओझाओं की भी राय है कि बाबूलाल की मां और पत्नी डायन है। आज भी आदिवासी समाज में झाड़-फूंक और ओझा-भगतों की बातों पर अंधविश्वास व्याप्त है।बीमारी होने पर डॉक्टर के पास जाने की बजाय लोग ओझाओं के पास जाते हैं जो अक्सर बीमारी की जड़ 'डायन' को बताते हैं। ओझा की कही हुई बात को अंतिम सत्य मान लिया जाता है। बताया जाता है कि जिस पंचायत में बाबूलाल के परिवार की हत्या का निर्णय लिया गया, वहां ओझाओं की राय को प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया गया। ओझाओं ने सातो देवी और उसकी बहू सीता देवी को 'डायन' बताया जिसके आधार पर यह अमानवीय फैसला लिया गया।

आदिवासी समाज में 'डायन प्रथा' एक पुराना और खतरनाक अंधविश्वास है। किसी महिला को डायन घोषित करने के पीछे कई सामाजिक पूर्वाग्रह होते हैं. जैसे उम्रदराज होना, चेहरा विकृत हो जाना, बार-बार बुदबुदाना, क्रोधित स्वभाव, या अत्यधिक पूजा-पाठ में लिप्त रहना।सातो देवी इन सभी पूर्वाग्रहों पर खरा उतरती थीं। इसलिए उन्हें डायन मान लिया गया।समाज में यह मान्यता भी प्रचलित है कि डायन का 'ज्ञान' एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होता है।यही कारण रहा कि सातो देवी के साथ-साथ उनकी बहू सीता देवी और फिर उसकी बहू रानी देवी.. तीनों को डायन मानकर जिंदा जला दिया गया।त्रासदी का सबसे भयावह पहलू यह है कि पीड़ित और अपराधी सभी एक ही समुदाय के थे।आपस में रिश्तेदार भी, लेकिन अशिक्षा, अंधविश्वास और सामाजिक कुंठाओं के अंधेरे में डूबी भीड़ ने रिश्तों, मानवता और कानून सब कुछ रौंद दिया।टेटगामा गांव की यह घटना इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जो यह बताती है कि जब अंधविश्वास हावी हो जाता है, तो इंसानियत दम तोड़ देती है।डायन प्रथा जैसे अमानवीय अंधविश्वास पर कानून के साथ-साथ समाज को भी सख्ती से चोट करनी होगी।

'डायन हत्या' और 'अंधविश्वास' कहना काफी नहीं यह पूरे सिस्टम की विफलता है।

तत्काल इसे डायन हत्या और अंधविश्वास का मामला बता कर बिहार सरकार और वहां का प्रशासन अपनी आपराधिक लापरवाही से मुक्त नहीं हो सकता। यह पूरे सिस्टम की विफलता है और 'सुशासन बाबू' के सुशासन की पोल खोलता है। आदिवासियों को अंधविश्वासी बताना आसान होता है। नये सिरे से उस समाज को पिछड़ा और अंधविश्वास की गिरफ्त में फंसा बताने का एक अवसर मिल जाता है अभिजात और तथाकथित विकसित और सभ्य होने का दावा करने वाले समाज को। अभी पूरे मामले की सही पड़ताल भी नहीं हुई है, लेकिन घटना स्थल से महज कुछ किमी दूर रहने वाली पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचते ही इसे डायन हत्या और आदिवासियों के अंधविश्वास का मामला बता कर अपनी तरह से राहत की सांस ले ली। डायन हत्या को लेकर कानून भी बनाया गया है। एक स्वयंसेवी संगठन ने वर्षों पहले इससे जुड़े सैकड़ों मामलों का अध्ययन किया था और अधिकतर मामलों में जमीन विवाद पाया था यानि, किसी परिवार में एकल महिला रह गयी तो उसे डायन कह कर रास्ते से हटाने का षडयंत्र। परिवार में ही आपस में लड़ाई और किसी की नजर किसी की संपत्ति पर तो 'डायन' घोषित कर उसे मारने का षडयंत्र। डायन घोषित करने का तरीका भी बहुत सीधा सादा है। गांव समाज में झाड़ फूंक से इलाज करने वाला, भगत होता है। सामान्यतः किसी की मौत, बच्चे की मौत हो जाती है। फिर भगत बताता है कि उसकी मौत की वजह कोई दुष्ट आत्मा या डायन के द्वारा किया गया जादू टोना है। वह उसकी तरफ संकेत भी कर देता है और फिर जिसे डायन कहा गया, उस परिवार का उत्पीड़न शुरु हो जाता है जिसकी परिणीति अंत में उसकी हत्या से होती है।

इसके मूल में एक आपराधिक मामला ही होता है और 'अंधविश्वास' से जोड़ देने मात्र से स्थानीय प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो जाता। हत्या जैसे कृत्य के पहले इस तरह की बातें, किसी को डायन या पूरे परिवार को तंत्र मंत्र, जादू टोना करने वाला बताने वाली अफवाहे तैरती रहती हैं। इस घटना के बारे में तो कहा जाता है कि बजावते गांव की बैठक हुई, एक परिवार को डायन घांषित किया गया और उसे मार डालने का निर्णय लिया गया। इस तरह की बातें पुलिस तक पहुंच भी जाती हैं तो इसे आदिवासियों और उनके अंधविश्वास का मामला मान कर प्रशासन, पुलिस सुस्त पड़ जाता है, जबकि और भी तीव्रता से काम करने की जरूरत रहती है। हिंदू समाज के तमाम महंत, साधु चमत्कारी पुरुष ही होते हैं।ग्रामीण इलाकों में अस्पताल नहीं, डाक्टर नहीं, इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं, झोला टाईप डाक्टरों और झाड़ फूंक करने वालों पर निर्भर रहते हैं ग्रामीण । केवल आदिवासी समाज में नहीं, मुस्लिम, ईसाई सभी समाज में चमत्कार से इलाज होता है और उसकी एक प्रमुख वजह चिकित्सा व्यवस्था का नदारत होना है। बिहार और झारखंड के ग्रामीण क्षेत्र में कहीं इलाज की सरकारी व्यवस्था नहीं दिखेगी। झोला टाईप डाक्टर या फिर रक्त चूसने वाले निजी डाक्टरों की क्लिनिक। झक मार कर ओझा, गुनी, तंत्र-मंत्र करने वाले, झाड़ फूंक करने वाले इसी शून्यता से निकलते हैं। पूर्णिया जिला के रजीगंज पंचायत अंतर्गत टेटगामा गांव में अंधविश्वास के नाम पर हुई सामूहिक हत्या की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए भाकपा-माले पूर्णिया जिला कमेटी ने 10 जुलाई को एक पांच सदस्यीय जांच दल गठित किया। जांच दल में कां. सुलेखा देवी (राज्य कार्यकारिणी सदस्य, ऐपवा), कां. संगीता देवी, कां. सीता देवी (जिला कार्यकर्ता, ऐपवा), कां. इस्लाम उद्दीन और कां. मोख्तार (जिला नेता, भाकपा-माले) शामिल थे।

ट्रंप का राजनीतिक बदला

जब से अमेरिका के दोबारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बने हैं तभी से उनके कुछ कठिन फैसले लोगों के जी का जंजाल बनते जा रहे हैं। अमेरिका के सरकारी विभाग इस समय सबसे बड़ी छंटनी के दौर से गुजर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने सिस्टम में सुधार के नाम पर अधाधुंध सरकारी कर्मचारियों को अपने निशाने पर लेकर छंटनी शुरू कर दी है। यहां तक कि स्टेट और जस्टिस डिपार्टमेंट के कर्मचारियों व अधिकारियों को भी छंटनी का शिकार बनाया जा रहा है। अपने साथ किए जा रहे इस तरह की कार्रवाई को कर्मचारी सीधे-सीधे राजनीतिक बदला बता रहे हैं। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने शुक्रवार को एक ही दिन में स्टेट डिपार्टमेंट के 1300 से ज्यादा कर्मचारियों को उनके आफिस से बाहर का रास्ता दिखा दिया। खबरों के अनुसार यहां से अभी तक 3000 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। इसी तरह जस्टिस डिपार्टमेंट में भी लगातार छंटनी का दौर चल रहा है। हाल ही में करीब 20 कर्मचारियों को ट्रंप प्रशासन ने शिकार किया है। इनमें वकील, सुरक्षा अधिकारी और उनका सपोर्टिंग स्टाफ था। बता दें कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार न करने वाले डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने जनवरी 2021 में यूएस कैपिटल हिल पर हमला किया था। इस हिंसा को देख कर पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई थी, लेकिन तब ट्रंप इसे राजनीतिक विरोध ही कहते रहे। दोबारा सत्ता में लौटते ही उन्होंने उस हिंसा में शामिल 1500 से ज्यादा लोगों को माफी दे दी। लेकिन इसके उलट, उन अधिकारियों को नहीं बख्शा जा रहा है जिन्होंने इस मामले की जांच या पैरवी की थी। अब ट्रंप के निशाने पर वे सभी हैं, जिन्होंने उनके खिलाफ उस समय किसी भी फेडरल मुकदमे में कोई भूमिका निभाई थी। डोनाल्ड ट्रंप असहमति की हर उस गुंजाइश को खत्म कर रहे हैं, जिससे उनके खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की है। फिर चाहे वह राजनीतिक हो या संस्थागत। यही वजह है कि डेमोक्रेटिक शासित राज्यों से उनका टकराव भी गहराता जा रहा है। हाल ही में जस्टिस डिपार्टमेंट ने मिनेसोटा की भर्ती प्रक्रिया पर जांच बैठाई है। इस राज्य पर ट्रंप प्रशासन की यह तीसरी कार्रवाई है। यह महज संयोग नहीं है कि मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज पिछले साल डेमोक्रेट्स की तरफ से उप-राष्ट्रपति पद के टिकट के दावेदार थे। उन्हें ट्रंप के प्रमुख आलोचकों में माना जाता है। हार्वर्ड जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी पर लगाई गई बंदिशें हों या खुद का खड़ा किया डोगी। ट्रंप ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ना चाहते जहां उनका पूरा नियंत्रण न हो। ऐसी मानसिकता लोकतंत्र के लिए सही नहीं मानी जाती। इससे खुद अमेरिका की छवि को तगड़ा नुकसान पहुंच रहा है। मानवाधिकार, शरणार्थी नीति और विदेश मामलों से जुड़े विभागों में लगातार कटौती हो रही है। इससे अमेरिका की विदेश नीति को लेकर असमंजस की स्थिति बनती जा रही है। आलोचक मान रहे हैं कि ट्रंप की कार्रवाई सिस्टम में सुधार लाने वाली नहीं, बल्कि उसमें डर भरने वाली है। वह सत्ता का केंद्रीकरण कर रहे हैं। उनके कदम इस भरोसे को तोड़ रहे हैं कि प्रशासन निष्पक्षता के साथ और बिना डरे अपना काम कर सकता है। जाहिर है उनके कदम से सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों में भय का माहौल है।

दलित समाज को एक ब्रेक लेने की जरूरत

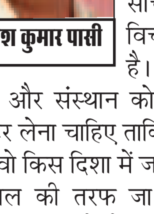

राजेश कुमार पासी

आम तौर पर ब्रेक लेने से मतलब अपने काम से अवकाश लेना होता है लेकिन मेरा ब्रेक लेने का मतलब थोड़ा रुककर सोचने, समझने और विचार करके आगे बढ़ने से है। हर धर्म, जाति, समाज, देश और संस्थान को कुछ समय बाद ब्रेक जरूर लेना चाहिए ताकि वो रुक कर देख सके कि वो किस दिशा में जा रहा है। क्या वो अपनी मंजिल की तरफ जा रहा है या गलती से विपरीत दिशा में तो नहीं चल पड़ा है। वो अगर उसी चाल से चलता है तो कब तक अपनी मंजिल पर पहुंच सकता है या फिर कोई मंजिल है ही नहीं, सिर्फ चलते रहना है। बड़े बदलाव के लिए ब्रेक की जरूरत होती है क्योंकि बिना रुके आप बदलाव की जरूरत महसूस नहीं कर सकते।

भारत लगातार एक हज़ार साल तक गुलाम रहा और 1947 में आज़ादी के बाद नए रास्ते पर चल पड़ा। आज़ादी के बाद ही दलितों को अपने अधिकार संविधान से हासिल हुए लेकिन क्या सिर्फ दलितों को ही संविधान ने अधिकार दिया । आज़ादी भी एक तरह का ब्रेक था जिसके बाद एक नए भारत का उदय हुआ । 1991 के बाद एक बार फिर भारत ने ब्रेक लिया क्योंकि देश दिवालिया हो चुका था। भारत ने कोटा-परमिट और लाइसेंस राज को खत्म करके आर्थिक उदारीकरण की ओर कदम बढ़ाया । समस्या यह थी कि वो ब्रेक मर्जी से लिया हुआ नहीं था बल्कि दिवालिया होने के कारण आईएमएफ से कर्ज लेने की शर्त के रूप में लिया गया था। सोच विचार और हालातों को समझने के बाद किया गया बदलाव नहीं था । मजबूरी में किये गए काम में वो ऊर्जा और उत्साह नहीं होता जो अपनी मर्जी से सोच विचार कर किये गए काम में होता है। इस बात को हम चीन के उदाहरण से समझ सकते हैं। उसने एक साम्यवादी देश होने के बावजूद 1979 में एक ब्रेक लिया और बहुत सोच-विचार और हालातों का जायजा लेने के बाद पूंजीवाद की तरफ कदम बढ़ा दिए । हमने ये काम 12 साल बाद मजबूरी में किया और अगर मजबूरी नहीं होती तो न जाने कब ये काम करते । जो चीन 1980 में हमारे बराबर था, वो आज हमसे चार गुना बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसलिए ब्रेक किसी मजबूरी में नहीं बल्कि खुद की बेहतरी के लिए अपनी मर्जी से लेना चाहिए। यूरोप ने पुनर्जागरण काल में एक ब्रेक लिया और उसमें बड़ा बदलाव आया और यूरोप लंबे समय तक दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बना रहा। आज उसका विकास और संपन्नता उसी बदलाव का नतीजा है । 1991 में हुए बदलाव के बाद देर से ही सही भारत विकास के रास्ते पर चलते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है लेकिन सवाल है कि क्या हम चीन की बराबरी कभी कर पाएंगे।

1947 के बाद न केवल भारत आज़ाद हुआ बल्कि संवैधानिक अधिकारों के कारण इस देश के वंचित, पिछड़े, गरीब और महिला समाज ने नई हवा में सांस ली । बाबा साहब अम्बेडकर जी ने दलितों को एक संदेश दिया था, शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो। आज़ादी के बाद जब शिक्षा का प्रसार हुआ तो दलित समाज में भी शिक्षा का प्रसार हुआ । दलितों को आरक्षण मिला तो शिक्षा का मतलब नौकरी पाना रह गया । शिक्षित दलितों को संगठित होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ । सवाल उठता है कि जो लोग शिक्षा प्राप्त करके आरक्षण से नौकरी पा गए, क्या उन्होंने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझा । आरक्षण एक निजी फायदा बन गया है इसका समाज को कोई फायदा नहीं होता लेकिन सच्चाई यह है कि आरक्षण के कारण ही दलित समाज यहां तक पहुंचा है।

सवाल है कि आरक्षण से जो हासिल होना चाहिए था, क्या दलित समाज उसे हासिल करने में कामयाब हुआ है। क्या आरक्षण से फायदा ही हो रहा है, इससे होने वाले नुकसान की ओर दलित समाज ने कभी ध्यान दिया है। क्या आरक्षण के कारण दलित युवाओं में सरकारी नौकरी का ऐसा आकर्षण पैदा हो गया है जिसके कारण निजी क्षेत्र की नौकरियों से हम दूर हो गए हैं, इस पर विचार किया गया है। इसके अलावा क्या दलित समाज ने सरकारी नौकरियों के अतिरिक्त उन क्षेत्रों में काम करने की कोशिश की जहां काम करने के लिए विशेष कुशलता प्राप्त करनी पड़ती है। मुस्लिम समाज सरकारी नौकरियों में दलितों के मुकाबले कम है लेकिन मुस्लिम युवाओं के पास रोजगार की कमी नहीं है। आरक्षण के कारण दलित समाज में सरकारी नौकरी पाना ही अपनी गरीबी से मुक्त होना मान लिया गया है। सवाल फिर यह है कि क्या सरकारी नौकरियों की संख्या देखते हुए दलित समाज को दूसरे विकल्पों की ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस सवाल का जवाब भी ढूंढने की जरूरत है कि सरकारी नौकरी के अलावा अन्य क्षेत्रों में दलित कहाँ खड़े हैं। आरक्षण दलितों का सबसे बड़ा मुद्दा है लेकिन इससे क्या हासिल हो रहा है, इस पर रुक कर गहन विचार-विमर्श करने की जरूरत है। दलितों को एक ब्रेक की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि दलितों में पुनर्जागरण की जरूरत है । पुनर्जागरण की जरूरत इसलिए है क्योंकि दलित समाज को खुद में सुधार की जरूरत है। दलितों को संघर्ष करना है लेकिन संघर्ष से पहले उसके लिए तैयार भी होना होगा । अक्सर मैं जब किसी दलित संगठन के कार्यक्रम में जाता था तो वहां संविधान की बहुत चर्चा होती थी । मुझे लगता है कि बाबा साहब के कारण दलित समाज संविधान के प्रति कुछ ज्यादा ही लगाव रखता है। दलित समाज के एक बड़े वर्ग में ये आम धारणा है कि संविधान एक किताब है जिसे बाबा साहब ने लिखा है और उस पर देश चल रहा है। वास्तव में संविधान तो उन कानूनों का एक संग्रह है जिन्हें पारित करके संविधान सभा ने देश को समर्पित किया था ताकि देश की व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे । मुझे समझ नहीं आता कि क्या कारण है जो दलित संगठन अपने कार्यक्रमों में संविधान का ज्ञान बांटते रहते हैं जबकि हमारे मतलब का उसमें बहुत थोड़ा सा हिस्सा है जिसको समाज को बताने की जरूरत है। हमें विचार करने की जरूरत है कि संविधान के प्रति हमारे लगाव का क्या फायदा है ।

सवाल ये भी खड़ा होता है कि संविधान में जो कहा गया था क्या वो किया जा रहा है। क्या संविधान दलितों को उनका हक दिलवा पाया है, इस पर विचार करने की जरूरत है। बाबा साहब ने संघर्ष करने को कहा था लेकिन सवाल है कि संघर्ष किससे करना है। पुनर्जागरण की जरूरत इसलिए है क्योंकि हमें यही पता नहीं है कि हमारा संघर्ष किसके साथ है और उसके लिए क्या तैयारी करने की जरूरत है। दलित संगठन हिन्दू धर्म के प्रति नफरत से भरे रहते हैं, इसलिए दलित समाज उनसे वैसे नहीं जुड़ पाता है जैसे जुड़ना चाहिए। मेरा कई ऐसे दलितों से सामना हुआ जो दलितों की सभी समस्याओं का हल धर्म परिवर्तन करके बौद्ध बन जाने को मानते हैं क्योंकि उन्होंने खुद बौद्ध धर्म स्वीकार किया होता है। इसकी वजह यह है कि बाबा साहब ने अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया था। सवाल यह है कि जो धर्म धीरे-धीरे दुनिया से खत्म हो रहा है उससे हमें क्या हासिल होने वाला है।

नॉर्थ कोरिया,रूस और चीन की जुगलबंदी से डोनाल्ड ट्रंप बेचैन

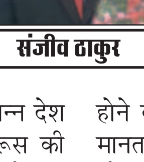

संजीव ठाकुर

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति पद की ताजपोषी के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध के युद्ध को विराम तो नहीं दे पाए किंतु युद्ध की आग को और भड़का दिया है। उधर परमाणु संपन्न देश चीन नॉर्थ कोरिया और रूस की त्रिगुटीय जुगलबंदी ने अमेरिका सहित नाटो यूरोपीय देश और यूक्रेन की नींद उड़ा दी है। उल्लेखनीय की नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के आपस के कड़वे रिश्ते के बीच अमेरिका का साउथ कोरिया को लेकर काफी हस्तक्षेप है जिसे नॉर्थ कोरिया कई दशक से पसंद नहीं करता आया है ।संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका निरर्थक हो चुकी है वैसे भी संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की कठपुतली बन चुका है। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है ताजा ताजा घटनाक्रम में रूस के विदेश मंत्री लावरोव उत्तर कोरिया के दौरे पर जाकर वहां के समकक्ष चोई सांन संग से उत्तर कोरिया के शहर पूर्वी वोंनसान मैं अत्यंत महत्वपूर्ण मीटिंग की है।रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन से भी मुलाकात कर रुस को यूक्रेन और अमेरिका के खिलाफ समर्थन देने की बात रखी जवाब में उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन ने रूस को अमेरिका यूरोप और यूक्रेन के खिलाफ निशर्त खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि उत्तरी कोरिया पिछले कई महीनो से मिसाइल का परीक्षण कर साउथ कोरिया अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को सीधा-सीधा संदेश दिया है कि साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के संबंधों के बीच किसी देश के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज़ एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा है1 उधर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के जवाब में अमेरिका दक्षिण कोरिया व जापान त्रिपक्षीय त्रिपक्षी संधियां और सैनिक अभ्यास का विस्तार तथा फिर से बहाली कर रहे हैं। तीनों देशों ने उत्तर कोरिया के रूस और चीन को समर्थन देने के और परमाणु परीक्षणों के खिलाफ दक्षिण कोरिया प्रायद्वीप के पास अमेरिकी परमाणु सक्षम बम वर्षको के साथ संयुक्त हवाई अभ्यास किया है। उल्लेखनीय है कि तीनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने एक गंभीर बैठक कर उत्तर कोरिया से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाली सभी गैर कानूनी गतिविधि बंद करने का आह्वान किया है वैसे भी उत्तर कोरिया अमेरिका के नेतृत्व में दक्षिण कोरिया और जापान के इस युद्ध अभ्यास को उत्तर कोरिया के खिलाफ होने वाले हमले का पूर्व अभ्यास मानता है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर बड़े हमले की चेतावनी भी दे डाली है। इन परिस्थितियों में विश्व में चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध तथा इसराइल हमास लेबनान ईरान युद्ध के अलावा उत्तर कोरिया ने हमले की धमकी देकर एक नये युद्ध का मोर्चा खोल दिया है1 यह तो सर्व विदित है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन एक सनकी तानाशाह है और अमेरिका पर परमाणु युद्ध के हमले की गाहे-बगाहे धमकियां भी दिया करता है1 उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी हिमाकत पर उस पर हमला कर सकता है1 उधर रूस यूक्रेन युद्ध को ढाई वर्ष पूरे हो चुके है कई प्रभावशाली प्रयासों के बाद भी युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है रूस के व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेन्स्की हास्य कलाकार होने के बावजूद यूक्रेन के लिए त्रासदी के नायक बन गए हैं। दोनों देशों में हजारों नागरिक एवं सैनिक मारे जा चुके हैं इसके अलावा अरबों डॉलर की संपत्ति का भारी नुकसान भी हुआ है । इसराइल हमास लेबनान तथा ईरान के मध्य युद्ध अपने पूरे शबाब पर है1 इजरायल के आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के कमांडर याह्या सिंनवार को रॉकेट लांचर से मार देने के बाद इसके जवाब में लेबनान से इजरायल के सिरोसिया शहर में जहां इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का आधिकारिक निवास है रॉकेट लांचर से हमला किया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने बयान में बताया की इस तरह के और हमले अभी जारी रहेंगे।

पूरा विश्व इस समय विश्व युद्ध की कगार पर है और यदि उत्तर तथा दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका साउथ कोरिया की तरफ से एवं रूस,चीन नॉर्थ कोरिया की तरफ से इस युद्ध में शामिल हो सकते हैं। पूरा विश्व दो भागों में बट गया है एक तरफ रूस,चीन, नॉर्थ कोरिया, पाकिस्तान तथा पश्चिम एशिया के देश होंगे तथा दूसरी तरफ अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, इजरायल तथा अन्य देश के युद्ध में शामिल होने की संभावना बलवती हो रही है1 भारत लगातार रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास युद्ध को रोकने के लिए प्रयासरत है और इस प्रयास के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने रूस तथा यूक्रेन की आधिकारिक यात्राएं भी की है।

नए युग की रेस : क्या अंतरिक्ष भी शक्तिशाली देशों का गुलाम बनेगा?

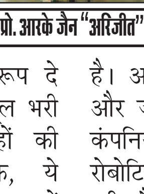

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

अंतरिक्ष, मानवता की असीम जिज्ञासा और महत्वाकांक्षा का वह विशाल सागर, अब केवल वैज्ञानिक अन्वेषण का क्षेत्र नहीं, बल्कि एक ऐसी खदान बन रहा है, जो भविष्य की अर्थव्यवस्थाओं और सभ्यताओं को नया स्वरूप दे सकती है। चंद्रमा की धूल भरी सतह से लेकर क्षुद्रग्रहों की धात्विक गहराइयों तक, ये अंतरिक्षीय खजाने विज्ञान-कथाओं से निकलकर वास्तविकता का रूप ले रहे हैं। फिर भी, इस चमकदार संभावना के पीछे छिपा है एक अनिश्चित भविष्य, जहां अनियंत्रित लालच और तकनीकी प्रतिस्पर्धा अंतरिक्ष को पृथ्वी की तरह विनाश के कगार पर ला सकती है। क्या हम इस नए युग को निष्पक्षता और दूरदर्शिता के साथ आकार दे पाएंगे, या यह एक और ऐसी दौड़ होगी, जो केवल शक्तिशाली के अधीन रहेगी? अंतरिक्ष खनन की इस होड़ को संयमित करना अब महज एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता का अनिवार्य कर्तव्य है। चंद्रमा और क्षुद्रग्रहों में छिपे खजाने मानवता के लिए एक अभूतपूर्व क्रांति का द्वार खोल रहे हैं। चंद्रमा पर हीलियम-3, जो स्वच्छ और असीमित परमाणु संलयन ऊर्जा का स्रोत बन सकता है, की अनुमानित मात्रा 10 लाख मीट्रिक टन है, जिसकी कीमत वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। नासा के अनुसार, एक टन हीलियम-3 की कीमत 3 अरब डॉलर तक हो सकती है। दूसरी ओर, क्षुद्रग्रह जैसे 16 साइके में लोहा, निकल और प्लैटिनम का अनुमानित मूल्य 10,000 क्वाड्रिलियन डॉलर है— पृथ्वी की पूरी अर्थव्यवस्था से कहीं अधिक। पानी, जो अंतरिक्ष में जीवन और ईंधन का आधार है, चंद्रमा की ध्रुवीय बर्फ और क्षुद्रग्रहों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। ये संसाधन न केवल पृथ्वी पर दुर्लभ खनिजों की कमी को पूरा कर सकते हैं, बल्कि अंतरिक्ष में मानव बस्तियों और दीर्घकालिक मिशनों को भी वास्तविकता बना सकते हैं।इस अपार संभावना ने राष्ट्रों और निजी कंपनियों को एक नई होड़ में उतार दिया है। अमेरिका की मून एक्सप्रेस और जापान की आइस्पेस जैसी कंपनियां चंद्र खनन के लिए रोबोटिक तकनीक विकसित कर रही हैं, जबकि लक्जमबर्ग ने 2017 में अंतरिक्ष खनन को बढ़ावा देने वाला कानून बनाकर निवेशकों को लुभाया है। 2015 का अमेरिकी 'स्पेस एक्ट' कंपनियों को अंतरिक्ष संसाधनों पर स्वामित्व का अधिकार देता है, जिसने इस दौड़ को और तेज कर दिया। मगर यह स्वतंत्रता एक गंभीर सवाल उठाती है: क्या अंतरिक्ष के ये खजाने केवल तकनीकी और आर्थिक रूप से सक्षम देशों और कंपनियों की जागीर बन जाएंगे? 1967 की 'आउटर स्पेस ट्रीटी' अंतरिक्ष को मानवता की साझा विरासत घोषित करती है, लेकिन संसाधन स्वामित्व और खनन के नियमों को स्पष्ट नहीं करती। 1979 की 'मून ट्रीटी', जो चंद्र संसाधनों को साझा संपत्ति मानती है, को केवल 18 देशों ने स्वीकार किया, जिनमें कोई प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति शामिल नहीं। इस कानूनी अस्पष्टता ने 'पहले आओ, पहले पाओ' की स्थिति को जन्म दिया है, जो वैश्विक असमानता को और गहरा सकती है। अंतरिक्ष खनन की असीम संभावनाओं के साथ इसके पर्यावरणीय खतरे भी उतने ही गंभीर हैं। चंद्रमा पर बड़े पैमाने पर खनन उसकी सतह के रेगोलिथ (मिट्टी जैसी परत) को अस्थिर कर सकता है, जिससे धूल के विशाल बादल उत्पन्न हो सकते हैं। ये बादल न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को बाधित कर सकते हैं, बल्कि अंतरिक्ष यान और उपकरणों के लिए घातक जोखिम पैदा कर सकते हैं।

भविष्य सुधारें या मुर्दे उखाड़ें

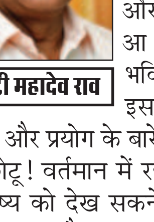

डॉ टी महादेव राव

भैया! एक बात बताएं। एक दो दिनों से एक शब्द ज्यादा सुनने और पढ़ने में आ रहा है भविष्य दृष्टा। इसका सही अर्थ और प्रयोग के बारे में बताएं।

छोटू! वर्तमान में रहते हुए भी भविष्य को देख सकने और वय कहा जाता है। अब तक ऐसे ही बड़े राष्ट्र निर्माता हुए जिन्होंने देश को नई दिशाएं दी।

अच्छा। अर्थ यह कि जन कल्याण के लिए बांध, उद्योग, नई तकनीकें, आर्थिक प्रगति आदि के विषय में पहले से सोचना और उसे समय पर अमल में लाने वाले भविष्य दृष्टा। बिल्कुल सही पकड़े हो। आजादी के बाद सारे इसी तरह के नेता भविष्य दृष्टा हुए हैं। केवल भविष्य की चिंता रही जिसमें चिकित्सा, शिक्षा, कंप्यूटर, बैंकों और लाभदाई कंपनियों को राष्ट्रीयकरण, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के साथ साथ जनता पर आर्थिक भार न पड़े इन सबका ध्यान रखते हुए शासन चलाना जो कि सकारात्मक दिशा में देश को ले जाने में सक्षम रहा। अब पिछले दस वर्षों में बस राष्ट्रीयकृतों का निजीकरण, पुराने इतिहास के साथ पोस्ट मॉर्टम, नामों में परिवर्तन, पुरानी नींव बने नेताओं का चारित्रिक हनन, उनके हर कार्य को नकारात्मक रूप से दूर बीन से देखकर मन की खुन्नस निकालना। अहम ब्रह्मास्मि कहते हुए अपने आकाश तक छाए अहंकार की पुष्टि करना, सत्ता की भूख मिटाने खास मजहबों और विपक्षी बिना देश की कल्पना। यानी जितना पाताल तक जा सकते हैं उतना अधिक मानवीय मूल्यों को समाधिस्थ करना। लेकिन भैया! मुफ़्त की रेवड़ियां, दवाई, मकान और कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं भी तो पिछले एक दशक से जारी है जो उनके सत्ता में बने रहने का राज है। हां रोजगार के नाम पर आंसू पोंछ बाते हैं, बातों का बतंगड़ खड़ा करना, मन की बात से लोगों बरगलाना। मैं तो कहता हूं एक दिन इस दस सालों में बीता क्या जिसमें इतिहास बनाने वाले पुराने लोगों को गाली दिए बिना? सही है। सोच अगर खोटी हो, बुद्धि मोटी हो, न्यूनता ग्रंथि भर गई हो तो कोई क्या करे? भैया उन लोगों को तो भविष्य दृष्टा कहते हैं तो इनको क्या कहेंगे? इनको कुछ कहना कहने जैसे कहां होता है। पूछ रहे हो तो बता दूं वे भविष्य दृष्टा थे लेकिन ये भूत दोषक हैं यानी भूतकाल या अतीत में हुई बातों में मीन मेख निकालने वाले या दोष ढूंढने वाले। भूत दोषक। लेकिन यह तो ऐसा लग रहा है जैसे कोई तांत्रिक का नाम है जो भूतों का दोष हटाता है। लोगों का भ्रम रूपी भूत को हटा रहे हैं तो दोनों तरफ से यह भूत दोषक शब्द इनके लिए सही ही होगा छोटू!

शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए करें मंगल गौरी व्रत

सावन मंगला गौरी का व्रत 15 जुलाई दिन मंगलवार को किया जाएगा। सावन सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है और सावन के मंगलवार को माता पार्वती की पूजा की जाती है। सावन 2025 में 4 मंगला गौरी के व्रत किए जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंगला गौरी का व्रत करने से सुख-शांति और समृद्धि आती है और जीवन में मंगल ही मंगल बना रहता है। इसे कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए तथा विवाहित स्त्रियां सौभाग्य रक्षा के लिए करती हैं। आइए जानते हैं मंगला गौरी का व्रत कैसे करें और किन नियमों का पालन करें...

मंगला गौरी व्रत 2025 तिथियां

पहला सावन मंगला गौरी व्रत – 15 जुलाई 2025
दूसरा सावन मंगला गौरी व्रत – 22 जुलाई 2025
तीसरा सावन मंगला गौरी व्रत – 29 जुलाई 2025
चौथा सावन मंगला गौरी व्रत – 5 अगस्त 2025

मंगला गौरी व्रत क्या है?- व्रत सावन माह के प्रत्येक मंगलवार को किया जाता है (प्रायः 4 मंगलवार आते हैं)। यह मां गौरी (पार्वती जी) को समर्पित होता है, जिन्होंने स्वयं कठोर व्रत कर शिवजी को पति रूप में प्राप्त किया। माता पार्वती ने हिमालय में वर्षों तक तप कर यह व्रत किया था, जिससे प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी स्वीकार किया। इसलिए यह व्रत सौभाग्य व्रत कहलाता है और अविवाहित कन्याओं को उत्तम पति तथा विवाहित स्त्रियों को अखंड सौभाग्य प्रदान करता है।

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि

– सावन माह के पहले मंगलवार को सुबह स्नान कर मां गौरी को शीघ्र विवाह के लिए व्रत करती हूं, इस भावना से संकल्प लें।
– लाल वस्त्र पहनें और मां गौरी की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।
– मां गौरी को कुमकुम, चूड़ियां, लाल पुष्प, अक्षत, मिठाई (लड्डू), सुपारी, पान, श्रृंगार सामग्री आदि सुहाग का सामान अर्पित करें।
– मंगला गौरी व्रत कथा सुनना या पढ़ना अनिवार्य माना गया है, इससे व्रत पूर्ण होता है।
– 16 श्रृंगार की वस्तुएं मां गौरी को अर्पण करने के बाद किसी सुहाग महिला को दे दें या माता के किसी मंदिर में अर्पित कर दें।
– हर मंगलवार को 11 तेल के दीपक जलाकर मां गौरी को समर्पित करें। दीपकों को कच्चे चावल पर रखकर अर्पित करें।

मंगला गौरी व्रत करते समय पालन करने योग्य प्रमुख नियम

– सावन मास में इस बार चार मंगलवार का व्रत किया जाएगा।
– एक बार प्रारंभ कर लिया जाए तो इसे पांच वर्षों तक (या श्रद्धानुसार) करना चाहिए।
– व्रत के दिन पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करें और मानसिक, वाणी और आचरण की पवित्रता बनाए रखें।
– सुबह स्नान करके लाल वस्त्र धारण करें क्योंकि लाल रंग मां गौरी को अत्यंत प्रिय है।

विवाह के लिए विशेष मंत्र

– ॐ कात्यायनि महामाये महायोगिन्यधीश्वरि।
– नन्दगोपसुतं देवि पतिं मे कुरु ते नमः॥

पूजा की शुरुआत कैसे करें?

भगवान शिव को अभिषेक प्रिय है और पूजा की शुरुआत भी अभिषेक से होती है। सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल या गंगाजल चढ़ाना चाहिए। इसके बाद दूध, दही, शहद, शक्कर, घी जैसे पंचामृत का प्रयोग करें। फिर से शुद्ध जल से लिंग को धोएं और तब पूजन सामग्री अर्पित करें, जैसे – बेलपत्र, सफेद फूल, धतूरा, भांग आदि।

बेलपत्र का महत्व और सही समय

बेलपत्र को भगवान शिव का सबसे प्रिय पत्र माना जाता है। परंतु इसका स्थान जल के बाद आता है। जल से शिवलिंग की ऊर्जा सक्रिय होती है और बेलपत्र उस ऊर्जा को स्थिर करता है। अतः पहले जल और फिर बेलपत्र चढ़ाना ही उचित होता है।

बेलपत्र चढ़ाने के नियम भी विशेष होते हैं – पत्ते टूटे या कटे नहीं होने चाहिए, उन पर चूहे या कीड़े का कोई निशान न हो और तीन पत्तों वाला पूरा समूह हो। साथ ही बेलपत्र चढ़ाते समय ॐ नमः शिवाय का जाप करना भी शुभ फलदायी माना गया है।

क्या होता है अगर नियम उलटे हों?

अगर कोई गलती से पहले बेलपत्र और बाद में जल चढ़ा दे, तो यह पूजा का अनुक्रम बदल देता है। यह ठीक वैसा है जैसे खाना खाने से पहले हाथ धोने के बजाय बाद में धोना। पूजा में क्रम का पालन भाव और नियम दोनों की दृष्टि से जरूरी होता है। इसलिए सावन में शिवलिंग पर पहले शुद्ध जल और फिर अन्य सामग्री चढ़ाना चाहिए।

सावन में घर लाएं ये चीजें, भोलेनाथ की बरसेगी कृपा

सावन मास भगवान शिव को सबसे प्रिय है। शास्त्रों के अनुसार, इस महीने भोलेनाथ अपने परिवार के साथ पृथ्वी पर विचरण करने आते हैं। इसी वजह से इस पूरे महीने भगवान शिव से जुड़ी तमाम धार्मिक यात्राएं होती हैं। लोग पूरे माह मंदिरों में शिवलिंग पर जल अर्पित कर भोलेनाथ का नाम स्मरण करते हैं। मान्यता है कि देवताओं और असुरों के बीच जो समुद्र मंथन हुआ था, वह सावन के महीने में ही किया गया था। समुद्र मंथन देवताओं और असुरों के बीच हुआ एक ऐसा मंथन है, जिसमें 14 रत्न निकले थे। इसमें माता लक्ष्मी से लेकर ऐरावत हाथी, भगवान धन्वंतरि, विष और अमृत भी शामिल हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें अगर सावन के महीने में घर लाया जाए, तो सोई हुई तकदीर को जगाया जा सकता है।

मान्यता है कि सावन में शिवलिंग की पूजा करने से मनुष्य के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस महीने भगवान शिव जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। खासतौर पर सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाने से विशेष लाभ मिलता है। साथ ही सावन माह में कुछ पवित्र चीजों को घर में लाना बेहद शुभ होता है।

अमृत कलश लेकर निकले थे भगवान धन्वंतरि आचार्य आनंद भारद्वाज ने बताया कि जब समुद्र मंथन हुआ था, तब भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर बाहर निकले थे। इस अमृत का पान करने के लिए देवताओं और असुरों के बीच लंबे समय तक खींचतान भी हुई थी। अंत में भगवान विष्णु की लीला से अमृत देवताओं को मिला था। अमृत कलश तो मिलना नामुमकिन है लेकिन इसके प्रतीक के रूप में आप अपने घर में एक कलश स्थापित कर सकते हैं। ऐसा करना बड़ा ही शुभ माना गया है। इससे भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

सनातन धर्म में माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि माता लक्ष्मी समुद्र मंथन से ही निकली थीं। इस महीने में आप मां लक्ष्मी की प्रतिमा या फिर तस्वीर घर में लाकर स्थापित कर सकते हैं। ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगेगी।

भोलेनाथ को प्रिय पारिजात का फूल

उन्होंने आगे बताया कि समुद्र मंथन से ऐरावत हाथी भी आए थे, जो देवताओं के राजा इंद्रदेव का वाहन है। अगर आप अपनी मनोकामनाएं पूरी करना चाहते हैं और आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो पत्थर या फिर क्रिस्टल का ऐरावत हाथी अपने घर में जरूर लाएं। इसे समृद्धि के प्रतीक के रूप में अपने घर में स्थापित करें। सनातन धर्म में शंख भगवान विष्णु के रूप मे देखा जाता है। मान्यता है कि शंख के पूजन-पाठ का विशेष महत्व है। 14 रत्नों में से एक पांचजन्य शंख भी है, जो भगवान विष्णु के हाथों में दिखाई देता है। सावन में आप इसे अपने घर के मंदिर में जरूर रखें। यह बहुत ही शुभ माना जाता है। शिव शंकर को वैसे तो कई फूल पसंद हैं लेकिन पारिजात का फूल विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह समुद्र मंथन के दौरान ही बाहर आया था। यह पुष्प भोलेनाथ को बहुत प्रिय है। अगर इसे महादेव को अर्पित किया जाए, तो सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। सावन के महीने में इस फूल का पौधा घर में लाना बड़ा ही शुभ होता है।

मोगरे का पौधा इस दिशा में लगाकर देखें गृह क्लेश से मिलेगी मुक्ति

मोगरे के फूल की खुशबू बेहद मनमोहक होती है और यह दिखने में भी बहुत आकर्षक लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे घर में लगाने के कई ज्योतिषी लाभ भी होते हैं। अगर आप वास्तु के अनुसार मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाते हैं तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि घर में मोगरे का पौधा लगाने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे जातक को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। लेकिन इसके लिए मोगरे का पौधा लगाते समय वास्तु के सभी नियमों का ख्याल भी अवश्य रखना चाहिए। गलत स्थान या दिशा में इस शुभ पौधे को लगाने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

मोगरे का पौधा घर में लगाना होता है बेहद शुभ

मोगरे का पौधा घर में लगाना होता है बेहद शुभ
इस पौधे के सुगंधित पुष्पों को पूजा में शामिल करने का भी खास महत्व होता है। माना जाता है कि भगवान शिव, विष्णुजी और माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान मोगरे के फूलों का इस्तेमाल करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, इससे आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है। अगर आप गुरुवार और शुक्रवार के दिन पूजा के दौरान इस फूलों का प्रयोग करते हैं, तो इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों को जीवन के कई दुखों से निजात मिल सकती है।

मोगरे का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर सभी वास्तु नियमों का ख्याल रखकर मोगरे को घर में लगाया जाए, तो इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। वास्तु के अनुसार, मोगरे का पौधा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व या उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व दिशा में भी मोगरे का पौधे लगा सकते हैं। ऐसा करने से आसपास का वातावरण शांतिपूर्ण और खुशनुमा बनता है। साथ ही, पौधे को किसी ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां उसे धूप और हवा मिलती रहे।

मोगरे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस पौधे के फूल की खुशबू मनमोहक और मन को शांति प्रदान करने वाली होती है। ऐसे में आप इसे घर के प्रवेश द्वार या खिड़की के पास भी लगा सकते हैं। वास्तु के अनुसार, मोगरे का पौधा कभी भी घर में टॉयलेट या बाथरूम के पास नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मान्यता है कि मोगरे के पौधे को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां अंधेरा न रहता हो। साथ ही, उस जगह की नियमित साफ-सफाई का भी अवश्य ख्याल रखें। अगर आपके घर में लगा मोगरे का पौधा सूख गया है तो उसे घर से तुरंत हटा दें। इस प्रकार का पौधा घर में सकारात्मकता की जगह नकारात्मकता फैला सकता है।

मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मोगरे के पौधे को सही दिशा में लगाने से मानसिक तनाव कम होता है और घर का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। यह शुभ पौधा घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने में मदद करता है। इसकी जगह यह पौधा आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। साथ ही, इससे जातक को गृह क्लेश से निजात मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर मोगरे का पौधा लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और रिश्तों में संतुलन बना रहता है।

नैऋत्य कोण में इन चीजों के होने पर घर से जाने लगेगी सुख-समृद्धि

वास्तुशास्त्र में घर की दिशाओं का बहुत खास महत्व होता है। नए भवन के निर्माण से लेकर हर स्थान पर अलग-अलग चीजों को रखने के लिए भी वास्तु में सही दिशा बताई गई है। इन नियमों का ध्यान रखने से घर और परिवार के सदस्यों के जीवन पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। माना जाता है कि वास्तु के अनुसार घर का निर्माण और उसके अंदर वस्तुएं रखने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। मान्यता है कि अगर नैऋत्य कोण में कुछ गलत चीजें रख या बनवा ली जाएं, तो इससे घर से सुख-समृद्धि जाने लगती है और वास्तु दोष भी लग सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि नैऋत्य कोण में किन-किन चीजों को रखना शुभ नहीं होता है।

नैऋत्य कोण कौन-सा है और इसका संबंध किससे है?

घर के दक्षिण और पश्चिम दिशा के बीच के स्थान यानी कोने को नैऋत्य कोण कहा जाता है। इस दिशा के बारे में वास्तु शास्त्र में कई उपाय और नियम बताए गए हैं, जिन्हें आजमाने से घर में किसी प्रकार का दोष नहीं लगता है। शास्त्रों में बताया गया है कि नैऋत्य कोण का संबंध राहु और केतु से होता है। ये दोनों ही इस दिशा के स्वामी होते हैं। ऐसे में घर की इस दिशा में कुछ भी रखने से पहले वास्तु के नियमों का ख्याल रखना चाहिए। दक्षिण-पश्चिम दिशा में सही चीजों का निर्माण कराने से घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

नैऋत्य कोण में गलती से भी बनवाएं या रखें पूजा घर

अगर आप घर का निर्माण कराते समय नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम दिशा में मंदिर बनवा रहे हैं, तो ऐसी गलती बिल्कुल न करें। इस दिशा में भूलकर भी पूजा घर नहीं बनवाना चाहिए। माना जाता है कि इस स्थान का संबंध भारी ऊर्जा से होता है। ऐसे में नैऋत्य कोण में पूजा घर बनवाने से अशुभ फल की प्राप्ति होती है। इससे पूजा में बाधा आती है और परिवार के सदस्यों का मन शांत नहीं रहता है। अगर पूजा घर दक्षिण पश्चिम दिशा में बनवाते हैं, तो इससे आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आपने नैऋत्य कोण में मंदिर रखा है, तो उसे तुरंत वहां से हटा लें।

यदि सर्वोत्तम बनना है तो आत्मा को स्पर्श करना सीखें

प्रबंधन की दुनिया में कहा जाता है कि अपने कार्य को प्रेम करें। जो काम करें, डूबकर करें तो सफलता भी मिलेगी और आप बेचैन भी नहीं होंगे। करियर में एक्स्ट्रा माइलेज लेना हो तो एक काम और करें- खुद को रिचार्ज करें। और खुद को रिचार्ज तब ही कर पाएंगे जब आप ये समझेंगे कि हम एक आत्मा हैं, अभी इस शरीर में है।

चूंकि हम शरीर से करते कुछ और हैं, दिखते कुछ और हैं, होते कुछ और हैं। लेकिन जैसे ही आत्मा पर जाएंगे, हम जो हैं वो हो जाएंगे। और ठीक ढंग से रिचार्ज होना इसी को कहते हैं। तब आप अपने काम से प्रेम कर पाएंगे, क्योंकि आप आत्मा पर टिके हुए हैं। शरीर वाले लोग तो दोहरा जीवन जीते हैं।

जो लोग सिर्फ शरीर पर टिकते हैं, वो तुलसी पर दीया तो जलाते हैं पर बुझे दिल के होते हैं। खुद थकान से भरे हैं पर उत्साह से आरती उतारते हैं। तो ऐसे में तो रिचार्ज नहीं हो पाएंगे। इसलिए यदि खूब सफल होना है, सर्वोत्तम बनना है तो आत्मा को स्पर्श करना सीखिए। जिसका सरल तरीका है योग जरूर करें, चाहे कितने भी व्यस्त हों।

भाग्यशाली लोगों के हाथ पर दिखता है ऐसा निशान

35 की उम्र के बाद पाते हैं दौलत और शोहरत

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार किसी व्यक्ति की हाथों की रेखाओं से उसके भाग्य से जुड़ी बातों को जाना जा सकता है। कई बार ये रेखाएं ऐसे राज भी खोल देती हैं, जिनके बारे में जानकर किसी व्यक्ति को बड़ी खुशी होती है। वहीं कुछ राज व्यक्ति के मन को अंशाति से भर देते हैं लेकिन आपकी रेखाओं का लिखा आपके कर्मों के साथ भी जुड़ा होता है। आपको जीवन में कुछ भी पाने के लिए थोड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है लेकिन अगर आपके हाथों में कुछ खास रेखाएं होती हैं, तो किसी चीज को पाना आसान हो जाता है।

जैसे- हाथों की कुछ रेखाएं सरकारी नौकरी या प्रशासनिक सेवाओं से जुड़ीं होती हैं। आप अगर थोड़ी भी मेहनत करते हैं, तो आसानी से आपको सरकारी नौकरी मिल सकती है। आज हम आपको बता रहे हैं, हथेली पर लिखे M के बारे में। जिन लोगों की हथेली पर M नाम अंकित होता है, उन्हें एक उम्र के बाद दौलत, शोहरत और प्यार जरूर मिलता है।

कहां होता है यह निशान

M नाम का निशान आपके दाएं या बाएं में से किसी भी हाथ पर हो सकता है। हथेली पर तीन रेखाएं जुड़कर इंग्लिश के अक्षर M जैसी नजर आती है, इसलिए इसे M निशान कहते हैं। माना जाता है कि ऐसे लोग बहुत ही भाग्यशाली होते हैं। वे जो भी काम करते हैं, उसमें उन्हें कामयाबी जरूर मिलती है।

जिन लोगों के हाथों में M नाम का निशान बना होता है। वे लोग बहुत ही अच्छे लीडर साबित होते हैं। ऐसे लोगो विपरीत परिस्थितियों में भी आसानी से काम कर लेते हैं। इनके अंदर सभी लोगों को साथ लेकर चलने का गुण होता है।

ऐसे लोग बुद्धि से बहुत ही तेज होते हैं। उनके अंदर एक कुशल राजनीतिज्ञ बनने की क्षमता होता है, अगर यह लोग मेहनत करें, तो राजनीति में ऊंचे पद पर भी आसीन हो सकते हैं।

हथेली पर M निशान वाले लोग क्रिएटिव होते हैं। ऐसे लोग अच्छे कलाकार, चित्रकार, गायक, अभिनेता, लेखक, साहित्यकार होते हैं।

कब चमकता है ऐसे लोगों का भाग्य

हथेली पर M लिखे लोगों का भाग्य शुरुआत में इतना प्रभावकारी नहीं होता लेकिन जैसे-जैसे ऐसे लोगों की उम्र बढ़ती है, उनका भाग्य चमकना शुरू हो जाता है। ऐसे लोगों का भाग्य 35 साल की उम्र के बाद चमकना शुरू होता है। इस उम्र के बाद व्यक्ति की समझदारी का स्तर भी बढ़ता है, जिस वजह से वे अपने फैसले बहुत सोच-समझकर लेता है। वहीं, हाथ में M अक्षर बनाने वाली रेखाओं के होने से उसकी सफलता कुछ आसान हो जाती है।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025

मनोज बाजपेयी, करीना कपूर और शर्मिला टैगोर को मिला नामांकन, दिखाई जाएंगी गुरु दत्त की फिल्में

मनोज बाजपेयी, मोहनलाल, करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर जैसे कलाकारों को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025 में 'बेस्ट एक्टर' के लिए नामांकन मिला है। इसके अलावा 'बेस्ट फिल्म' कटेगरी में 'होमबाउंड', 'कल्कि 2898 एडी', 'एल2: एम्पुरान', 'महाराज', 'मेयाझगन', 'स्त्री 2', और 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' को नामांकन मिला है।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अभिनेत्री के लिए मिला नामांकन

आईएफएफएम में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की दौड़ में अभिषेक बच्चन, आदर्श गौरव, ईशान खट्टर, जुनैद खान, मनोज बाजपेयी और मोहनलाल शामिल हैं। इसी तरह से सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की दौड़ में अंजलि शिवरामन, करीना कपूर खान, शामला हमजा, शर्मिला टैगोर और श्रद्धा कपूर शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए नामांकन

वहीं सर्वश्रेष्ठ निर्देशक अवॉर्ड के लिए अरण्य सहाय, लक्ष्मीप्रिया देवी, नीरज घेवन, ओनिर, रीमा कागती, रीमा दास, वर्षा भरत और विपिन राधाकृष्णन को नामांकन मिला है। इन लोगों ने अपने क्षेत्र में बेहतरीन का किया है।

सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज कि लिए नामांकन

इसी तरह से सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज के लिए ब्लैक वारंट, ग्यारह ग्यारह, खौफ, कोटा फैक्ट्री सीजन 3, मनोरथंगल, पाताल लोक सीजन 2, थलेवाट्टम और त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर को नामांकन मिला है।

वेब सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अभिनेत्री

वेब सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए अनन्या पांडे, मोनिका पंवार, शबाना आजमी, तिलोत्तमा शोम, निमिषा सजयन, पार्वती थिरुवोथु और रसिका दुग्गल को नामांकन मिला है।

वेब सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए अभिषेक कुमार, अली फजल, ममूटी, मानव कौल, जयदीप अहलावत, जितेंद्र कुमार और जहान कपूर को नामांकन मिला है।

14 से 24 अगस्त तक चलेगा फेस्टिवल

इस फेस्टिवल में गुरु दत्त की विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस मौके पर उनकी फिल्में 'प्यासा' और 'कागज के फूल' को दिखाया जाएगा।

आपको बता दें कि आईएफएफएम 2025 फेस्टिवल 14 अगस्त से 24 अगस्त तक जारी रहेगा। इस फेस्टिवल में खास जूरी सभी अवॉर्ड्स तय करेगी।

अभिनेत्री बी सरोजा देवी का निधन

पहली कन्नड़ सुपरस्टार, 161 फिल्मों में लीड हीरोइन दिलीप कुमार से लेकर एनटीआर तक के साथ काम किया

कोटा श्रीनिवास के निधन के बाद अब साउथ इंडस्ट्री को एक और बड़ा झटका लगा है। तमिल सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का आज 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 7 दशक लंबे करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

लगभग 200 से अधिक फिल्में करनी वाली बी. सरोजा देवी के निधन की खबर से दक्षिण भारतीय सिनेमा में शोक की लहर है। उन्होंने कन्नड़, तेलुगु, तमिल के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम किया। बॉलीवुड में दिलीप कुमार के अलावा जाने-माने अभिनेताओं के साथ अभिनय किया था। सरोजा देवी को कन्नड़ सिनेमा में पहली सुपरस्टार दर्जा भी मिला था। जानिए, इस उम्दा अदाकारा के अभिनय के सफर के बारे में।

अभिनय के लिए परिवार से मिला प्रोत्साहन

बी. सरोजा देवी का जन्म (7 जनवरी 1938) मैसूर राज्य (आज का बेंग्लुरु, कर्नाटक) के एक मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। पिता एक पुलिस ऑफिसर थे और मां गृहिणी। परिवार ने ही सरोजा को डांस सीखने के लिए मोटिवेट किया। फिल्मों में जाने के लिए उन्हें मनाही नहीं थी। सरोजा ने भी क्लासिकल डांसर के तौर पर ट्रेनिंग ली। जब वह 13 साल की थीं तो एक कार्यक्रम में गाना गा रही थीं, तब प्रोड्यूसर कृष्णमूर्ति की नजर उन पर पड़ी। आगे चलकर 17 साल की उम्र में उन्हें कन्नड़ फिल्म 'महाकवि कालिदास (1955)' से काम करने का मौका मिला, फिल्म में उन्होंने सपोर्टिंग रोल किया। यह फिल्म हिट हुई और सरोजा को इंडस्ट्री में पहचान मिली।

161 फिल्मों में किया लीड हीरोइन का रोल

आगे चलकर बी. सरोजा देवी ने कई हिट दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया। वह 1955 से 1984 के बीच लगभग 29 साल तक लीड हीरोइन के रोल में नजर आईं। लगभग 161 फिल्मों में लीड हीरोइन बनी थीं। वह ऐसा करने वाली अकेली हीरोइन हैं। उन्होंने साउथ के मशहूर एक्टर एनटीआर के साथ भी कई फिल्में कीं। बड़े पर्दे पर इनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साथ ही एम जी रामचंद्रन, जैमीनी गणेशन जैसे चर्चित दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के साथ भी कई फिल्में सरोजा देवी ने कीं।

हिंदी फिल्मों में जाने-माने अभिनेताओं संग किया काम

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अलावा सरोजा देवी ने हिंदी फिल्मों में भी उम्दा अभिनय से दर्शकों का दिल जीता था। वह हिंदी फिल्म 'पैगाम(1959)' में दिलीप कुमार के साथ नजर आईं। साथ ही राजेंद्र कुमार, सुनील दत्त, शम्मी कपूर जैसे अभिनेताओं के साथ सरोजा देवी ने हिट फिल्में दी थीं। राज कपूर के साथ भी काम करने का मौका फिल्म 'नजराना(1961)' में सरोजा देवी को मिला, मगर डायरेक्टर सी.वी श्रीधर के साथ विवाद के कारण फिल्म से उन्हें रिप्लेस कर दिया गया। बाद में फिल्म में सरोजा देवी जगह वैजयंतीमाला को लिया गया। शादी के बाद भी सरोजा देवी ने फिल्मों में अभिनय जारी रखा, उन्होंने श्री हर्षा से साल 1967 में शादी की, सरोजा देवी के पति पेशे से इंजीनियर थे। साल 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'नटसर्वभूमा' में कैमियो किया, सरोजा देवी के तौर पर ही फिल्म का हिस्सा बनीं।

सरोजा देवी को मिले ये सम्मान

सरोजा देवी ने सिनेमा में जो योगदान दिया, उसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। भारत सरकार द्वारा उन्हें साल 2008 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया।

साल 1992 में पद्म भूषण और 1969 पद्म श्री से सम्मानित किया गया। साल 1994 में फिल्मफेयर ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (साउथ) से सम्मानित किया।

सेल्फी लेने आए फैन पर गुस्साए राजामौली, लोगों ने बोला- 'घमंडी'

दिग्गज तेलुगु अभिनेता और राजनेता रहे कोटा श्रीनिवास राव का बीते रविवार 13 जुलाई को 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। इसके बाद उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए साउथ इंडस्ट्री के तमाम दिग्गज अभिनेता के घर पहुंचे। इस दौरान मशहूर निर्देशक-निर्माता एसएस राजामौली भी कोटा श्रीनिवास के घर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। लेकिन इस दौरान राजामौली ने कुछ ऐसा किया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

राजामौली दिखे नाराज

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में दिख रहा है कि एसएस राजामौली अपनी पत्नी रमा राजामौली के साथ कोटा श्रीनिवास राव के घर से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। तभी एक प्रशंसक ने उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश की। हालांकि, राजामौली उसे बार-बार हटाते दिखे। लेकिन प्रशंसक निर्देशक का पीछा करते हुए उनकी कार तक पहुंच गया और जैसे ही वह उनके बहुत करीब पहुंचा राजामौली अपना आपा खो बैठे। उन्होंने प्रशंसक को एक तरफ धकेल दिया और निराशा में हाथ से इशारा किया। राजामौली इस फैन पर भड़कते नजर आए।

कुछ ने किया राजामौली का समर्थन, कुछ को नहीं पसंद आया उनका व्यवहार

इस वीडियो के सामने आने के बाद कुछ यूजर्स जहां राजामौली को घमंडी बता रहे हैं, तो वहीं कुछ यूजर्स राजामौली का समर्थन कर रहे हैं। क्योंकि वो वैसा वक्त नहीं था जब आप किसी के साथ सेल्फी लें।

राजामौली अपनी इंडस्ट्री के एक दिग्गज को श्रद्धांजलि देकर वापस लौट रहे थे और कहीं न कहीं वो भावुक थे। ऐसे वक्त पर सेल्फी लेने का फैंस का इरादा हर किसी को थोड़ा अजीब लग रहा है।

'गौशाला में साड़ी पहनी, पहाड़ी से लुढक गई...' काजोल ने बताया डीडीएलजे की शूटिंग में हुईं बेतुकी चीजें

एक पूरी पीढ़ी के लिए बॉलीवुड रोमांस को नया रूप देने वाली फिल्म इस अक्टूबर में 30 साल की हो जाएगी। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' वह कल्ट

क्लासिक है जो 90 के दशक के हर बच्चे के लिए प्यार का खाका बन गई। इसने आधिकारिक तौर पर 30 साल पूरे कर लिए हैं। शाहरुख खान और काजोल की यह फिल्म लाखों लोगों के दिलों में अमिट जगह बनाए हुए है।

डीडीएलजे को भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म के रूप में भी याद किया जाता है, जिसके लीड पेयर राज और सिमरन हर किसी के दिलों में बस गए। फिल्म अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाने के लिए तैयार है, इस बीच काजोल के साथ बातचीत में पुरानी यादों में खो गईं।

स्विट्जरलैंड की शूटिंग ट्रिप जैसी

सेट पर बिताए अपने समय को याद करते हुए, खासकर स्विट्जरलैंड में आउटडोर शूटिंग के दौरान, काजोल ने कहा, 'मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। मैंने अपने दोस्तों के साथ काम किया और खूब मस्ती की। मुझे पता था कि हम एक अच्छी फिल्म बना रहे हैं क्योंकि स्क्रिप्ट बहुत अच्छी थी और हम सब खूब हंसे। हमने अच्छा खाना खाया, बस में स्विट्जरलैंड घूमे और कुल मिलाकर खूब मजा किया। यह एक लंबी वर्किंग हॉलिडे की तरह था।'

गौशाला में साड़ी पहनने की कोशिश

काजोल ने सेट पर हुए कुछ बेहद अफरा-तफरी भरे पलों को शेयर करते हुए कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'हां, कुछ हिस्से बिल्कुल बेतुके थे, जैसे गौशाला के अंदर साड़ी ओढ़ने की कोशिश करना या गलती से पहाड़ी से लुढक जाना। मतलब, कौन गलती से पहाड़ी से लुढक जाता है?

लेकिन मैं लुढक गई! यह एक दौड़ जैसा था, कपड़े बदलना, सूर्यास्त से पहले शूटिंग खत्म करने की जल्दी, कभी-कभी एक शॉट लेने के लिए सिर्फ 15 मिनट मिलते थे। वह सारा पागलपन, मुझे इसका हर पल बहुत पसंद आया।'

फिल्म में हैं ये सारे जादू

जब काजोल से पूछा गया कि 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' को इतनी सदाबहार हिट बनाने वाली क्या बात है, तो उन्होंने दिल खोलकर साफ जवाब दिया, 'असल में ये फिल्म ही है! सब कुछ- स्क्रिप्ट, शाहरुख के वो डायलॉग, रोमांस, ड्रामा, इसमें नब्बे के दशक के जादू को बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है।'

'दिल पे चलाई छुरियां' गाने में अंजलि अरोड़ा के साथ दिखे राजू कलाकार

अंजलि अरोड़ा सोनू निगम के गाने 'दिल पे चलाई छुरियां' में नजर आई हैं जो 30 साल पहले आई 'बेवफा सनम' के गाने की रीमिक्स है। इस नए वर्जन में जहां सोनू निगम की आवाज है और वहीं इसमें

सोशल मीडिया पर वायरल हुए राजू कलाकार भी हैं जिन्होंने पत्थर बजाकर ये गाना गाते हुए मशहूर हुए। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से 'दिल पे चलाई छुरियां' गाने पर वीडियो की वजह से खूब वायरल हो रहे राजू कलाकार अब कच्चा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा के साथ म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ गए हैं। आज रिलीज हुए इस गाने में राजू कलाकार, अंजलि अरोड़ा, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर राजन अरोड़ा, दीपक गर्ग और ऋषभ शुक्ला भी हैं।

लोग सोनू निगम की तारीफें करते नहीं थक रहे

इस वीडियो में अंजलि अरोड़ा के अंदाज को लोग काफी पसंद कर रहे हैं और सबने पूरी टीम को ढेर सारी बधाई दी है। लोगों ने कहा- सोनू निगम को बहुत धन्यवाद जिन्होंने कलाकार को पहचाना और इस मुकाम तक पहुंचाया। एक और ने कहा- जब भी कोई गरीब वायरल होता है तो मन बहुत ही सुकून मिलता है एक गरीब का समर्थन करने के लिए आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद। सोनू निगम सर को बहुत धन्यवाद जिन्होंने कलाकार को पहचाना और यहां तक पहुंचा है। एक और यूजर ने कहा- 90 के गानों को उजागर करने वाले राजू और सह कलाकारों को धन्यवाद गीतों के साथ यादों को उजागर करने वाला गीत ।

राजू भट्ट यानी राजू कलाकार इस गाने से चर्चा में आए

इस गाने के वर्जन में सोनू निगम ने ही अपनी आवाज़ दी है। यहां ये भी बता दें कि कुछ दिन पहले सोनू ने राजू कलाकार के साथ एक रील भी शेयर किया था। 30 साल पहले का ये गाना हाल ही में अचानक वायरल हो गया और इकी वजह राजू भट्ट यानी राजू कलाकार हैं। दरअसल राजू के दोस्त ने उनकी आवाज में ये गाना रेकॉर्ड किया और फिर सोशल मीडिया पर डाला। इसके बाद ये गाना आग की तरह सोशल मीडिया पर नजर आने लगा। यहां से रील्स बनने का भी सिलसिला शुरू हुआ औक रेमो डिसूजा जैसे कई कलाकारों ने इस गाने पर रील भी बनाए।

अब दीपिका पादुकोण और डायरेक्टर संदीप वांगा के विवाद में कूदे राम गोपाल वर्मा

राम गोपाल वर्मा अपने बयानों के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में दीपिका पादुकोण और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के बीच हुए विवाद पर राम गोपाल वर्मा ने अलग ही बात कही है। क्या बोले हैं डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा जानिए?

एक्टर कह सकता है कि सिर्फ एक घंटे काम करेगा

राम गोपाल वर्मा ने कहा, 'मैं कह सकता हूं कि 23 घंटे काम करना चाहता हूं। वहीं एक्टर कह सकता है कि वह सिर्फ एक घंटे काम करना चाहता है। यह उनका फैसला है। लेकिन एक इंसान दूसरे इंसान को किसी काम के लिए कैसे मजबूर कर सकता है? और वे एक-दूसरे के साथ काम करने या न करने पर सहमत हो सकते हैं। मगर इस बात को बाद में बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।' यह बयान राम गोपाल वर्मा ने संदीप रेड्डी वांगा और दीपिका पादुकोण के बीच हुए विवाद को लेकर दिया है।

क्या था दीपिका पादुकोण और संदीप रेड्डी वांगा का मामला

दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान 6 से 8 घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी। इसका कारण यह था कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थी तो और पूरा वक्त शूटिंग पर नहीं रहना चाहती थीं। इसके बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया, उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। संदीप रेड्डी ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी की थी, जिसमें दीपिका को भला-बुरा भी कहा था। इसके बाद ही इस विवाद से तुल पकड़ा और कई लोगों का साथ दीपिका पादुकोण को मिला।

अब इस फिल्म में नजर आएंगी दीपिका

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से बाहर होने के बाद दीपिका पादुकोण एटली के निर्देशन में एक फिल्म 'AA22xA6' कर रही हैं। इसमें लीड हीरो के रोल में अल्लू अर्जुन हैं। इस फिल्म की शूटिंग भी इन दिनों दीपिका पादुकोण कर रही हैं।

कैटरीना कैफ संग अपना 'फैनगर्ल मोमेंट' देख इमोशनल हुईं जरीन खान

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पुराने पलों को याद करते हुए काफी इमोशनल हो गई हैं। हाल ही में उन्होंने एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया जिसमें वो कैटरीना कैफ से ऑटोग्राफ लेते हुए नजर आ रही हैं। ये वीडियो फिल्म 'रेस' की प्रीमियर नाइट का है, जब जरीन इंडस्ट्री का हिस्सा भी नहीं थीं। वीडियो के साथ उन्होंने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा है जिसने उनके फैंस को भी इमोशनल कर दिया।

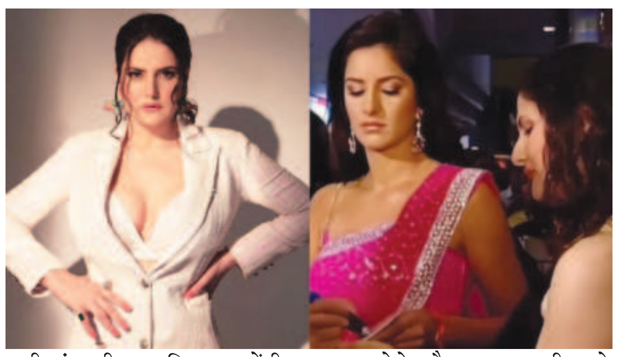

'एक आम लड़की जो बस सपना देख रही थी'

वीडियो में जरीन को कैटरीना कैफ से मिलते हुए देखा जा सकता है। वो बेहद खुश नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर एक मासूम सी मुस्कान है। पोस्ट में जरीन ने लिखा कि वो उस वक्त बस एक आम लड़की थीं, जो बॉलीवुड की चमक-दमक से प्रभावित थीं और उन्हें ये भी नहीं पता था कि एक दिन वह खुद भी इसी इंडस्ट्री का हिस्सा बनेंगी। उन्होंने लिखा कि उस समय उनके एक दोस्त की बदौलत उन्हें प्रीमियर में जाने का मौका मिला और वही लम्हा आज भी उनके दिल में बसा हुआ है।

'कैटरीना मेरी इंस्पिरेशन थीं'

जरीन ने लिखा कि उस वक्त वो कैटरीना कैफ की दीवानी थीं और उन्हें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही चमक थी। उन्होंने कहा कि उन्हें आज भी वो पल याद है जब उन्होंने पहली बार कैटरीना को सामने से देखा था – वो पल उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। ज़रीन ने अपने पोस्ट में यह भी माना कि उस समय कैटरीना को देखकर उन्हें खुद में आत्मविश्वास आया और एक सपना जन्मा।

'कैटरीना से तुलना बनी मुसीबत'

हालांकि, इंडस्ट्री में कदम रखते ही जरीन को कैटरीना से तुलना किए जाने लगी। जहां शुरुआत में ये बात उन्हें गर्व से भर देती थी, वहीं धीरे-धीरे यह उनके लिए बोझ बन गया। जरीन ने खुलकर स्वीकार किया कि उन्हें इस तुलना से काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि एक समय में वो अपने वजन और लुक्स को लेकर पहले ही असहज थीं, ऐसे में बार-बार तुलना किया जाना उन्हें अंदर से तोड़ने लगा।

बॉलीवुड में जरीन का सफर

2010 में सलमान खान के साथ 'वीर' फिल्म से डेब्यू करने वाली जरीन ने इसके बाद 'रेडी' के गाने 'कैरेक्टर ढीला' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में अपनी जगह बनाई। हालांकि उन्होंने संघर्षों का सामना भी किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 2019 में उन्होंने तेलुगू फिल्म 'चाणक्य' से साउथ इंडस्ट्री में भी कदम रखा।

फैंस बोले – 'इसीलिए आप इंस्पिरेशनल हैं'

जरीन के इस थ्रोबैक वीडियो और पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया। कई यूजर्स ने कमेंट कर लिखा कि जरीन की ये ईमानदारी और भावुकता उन्हें औरों से अलग बनाती है। किसी ने लिखा कि यह देखकर यकीन होता है कि सपने सच होते हैं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ विंबलडन पहुंची जान्हवी कपूर, कहा- 'यहां आकर रोमांचित हूं'

बॉलीवुड के कई सितारे इन दिनों विंबलडन जा रहे हैं। विराट कोहली, अनुष्का शर्मा और अवनीत कौर पहले ही यहां जा चुके हैं। जान्हवी कपूर 11 जुलाई को विंबलडन में सेमी फाइनल मैच देखने पहुंचीं। अभिनेत्री को उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ मैच का आनंद लेते हुए देखा गया। ये दोनों कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्स का मैच देखते नजर आए। यहां पहुंच कर उन्होंने एक चैनल को बताया है कि वह यहां पहली बार आई हैं।

जान्हवी कपूर ने कहा मैं यहां पहली बार आई हूं। यह बहुत अच्छी जगह है। जहां तक मैं जानती हूं यह पूरी दुनिया में सबसे पुराना टेनिस टूर्नामेंट है। मैं यहां आकर रोमांचित हूं। मैंने इसके बारे में बहुत सुना है। मैंने न सिर्फ यहां के खिलाड़ियों के बारे में सुना है बल्कि स्ट्रॉबेरी और क्रीम के बारे में सुना है। मैं इन्हें खाना चाहूंगी। यहां पहुंचकर जान्हवी ने कई पोज दिए। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने जान्हवी और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड को देखते ही उनकी तस्वीरें सोशल मीडिय पर शेयर करनी शुरू कर दीं। इस दौरान जान्हवी ने फ्रॉक जैसी ड्रेस पहनी हुई थी, जिस पर कढ़ाई थी। वहीं शिखर ने नीले रंग का सूट पहना हुआ था।

यह पहली बार नहीं है जब शिखर और जान्हवी एक साथ नजर आए हैं। इससे पहले भी वह कई बार एक साथ देखे गए हैं। हालांकि यूजर्स एक बार फिर उनके रिश्ते को लेकर अटकलें लगाने लगे हैं। हालांकि ना तो जान्हवी ने और ना ही शिखर ने अपने रिश्ते की बात कबूली है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने उनकी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है 'विंबलडन में जान्हवी और शिखर'।

जान्हवी कपूर का वर्कफ्रंट

जान्हवी कपूर इन दिनों कई फिल्मों में काम कर रही हैं। वह राम चरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है। जान्हवी कपूर बॉलीवुड की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की शूटिंग कर रही हैं। उनके साथ वरुण धवन हैं। यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होगी।

सिर्फ शराब ही नहीं, रोज की ये चीजें भी लिवर को चुपचाप कर रही हैं खराब

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए लिवर का ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक माना जाता है। लिवर शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हानिकारक पदार्थों को डिटॉक्सीफाई करने, भोजन से पोषक तत्वों को संसाधित करने, विटामिन और खनिजों का भंडारण करने, पाचन में सहायता के लिए पित्त का उत्पादन करने, रक्त शर्करा के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार की कुछ गड़बड़ आदतों के कारण इस अंग पर काफी नकारात्मक असर देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि शराब पीने की आदत इस अंग को सबसे ज्यादा प्रभावित करते हुए देखी गई है। ये न सिर्फ फैटी लिवर की दिक्कतों को बढ़ा देती है साथ ही इसके कारण लिवर कैंसर का भी जोखिम रहता है। जब भी लिवर डैमेज की बात होती है, हम में से ज्यादातर लोगों का ध्यान सीधे शराब पर जाता है। और ये सच भी है कि अधिक शराब पीना लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ और आदतें भी हैं जो शराब जितनी ही हानिकारक साबित हो सकती हैं, बल्कि कुछ मामलों में

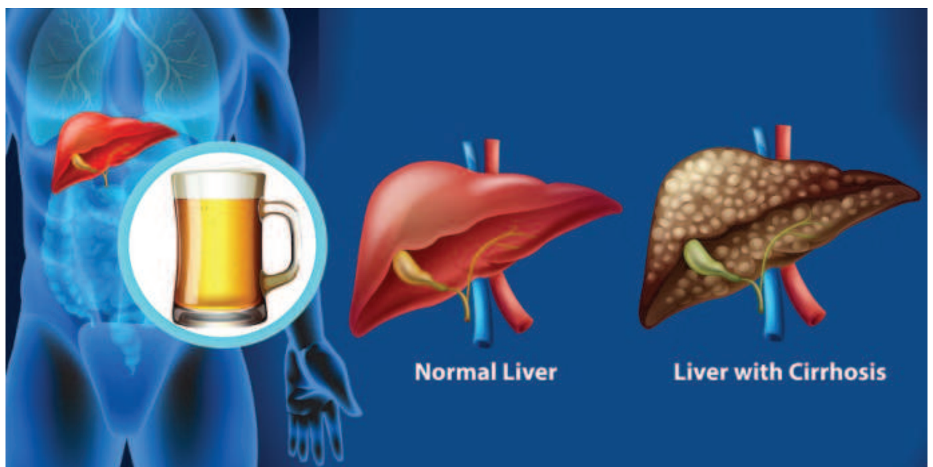

उससे भी ज्यादा खतरनाक?

लिवर की बढ़ती समस्याएं

अमेरिकन लिवर फाउंडेशन और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनियाभर में लिवर से जुड़ी बीमारियों के 25-30% मामले ऐसे लोगों में पाए जाते हैं जो शराब नहीं पीते। ऐसे लोगों में गड़बड़ खानपान, मोटापा, नींद की कमी और कुछ प्रकार दवाइयों का अत्यधिक सेवन जिम्मेदार हो सकता है।

मौजूदा समय में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है, और इसकी सबसे बड़ी वजह है हमारी गड़बड़ लाइफस्टाइल।

आइए पहले समझते हैं कि शराब हमारे लिवर को कैसे नुकसान पहुंचाती है?

अल्कोहल से लिवर को नुकसान

हर बार जब आपका लिवर अल्कोहल को फिल्टर करता है, तो ये लिवर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचाती है। लिवर लगातार नई कोशिकाओं का विकास करता रहता है, लेकिन अक्सर शराब पीने की स्थिति में कोशिकाओं का विकास प्रभावित होने लगता है। इसके परिणामस्वरूप आपके लीवर को गंभीर और स्थायी क्षति हो सकती है। शराब पीने से लिवर में वसा का निर्माण होने लगता जिसके कारण फैटी लिवर रोग हो सकता है।

शराब के अलावा भी कई चीजें लिवर की सेहत को प्रभावित करने वाली मानी जाती हैं।

मीठे पेय पदार्थ भी नुकसानदायक

कोल्ड ड्रिंक्स या फिर अधिक मात्रा में मीठे पेय में ऐडेड शुगर होती है, इससे भी लिवर की सेहत को क्षति होने का खतरा बढ़ जाता है। इन पेय के नियमित सेवन से वजन बढ़ने, मधुमेह और फैटी लीवर रोग का जोखिम हो सकता है। मीठे पेय, दीर्घकालिक तौर पर लिवर को नुकसान पहुंचाने वाले हो सकते हैं। सोडा और फलों के पैक्ड जूस में पाई जाने वाली ऐडेड शुगर की उच्च मात्रा से भी फैटी लिवर रोग हो सकता है।

तले हुए खाद्य पदार्थ

अस्वास्थ्यकर वसा वाले खाद्य पदार्थ, जैसे तली हुई चीजों का अधिक सेवन भी फैटी लीवर रोग का कारण बन सकता है। ये फैट लिवर में जमा होने लगती है जिसके कारण समय के साथ लिवर में सूजन और लिवर को क्षति होने का खतरा हो सकता है। तली हुई चीजें सिर्फ लिवर की दिक्कतें ही नहीं बढ़ाती हैं, इनसे ब्लड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का भी जोखिम रहता है।

हाई सोडियम वाले खाद्य पदार्थ

सोडियम की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ जैसे डिब्बाबंद सूप, प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड्स का अधिक सेवन भी लिवर की क्षति का कारण बन सकते हैं। अत्यधिक सोडियम के सेवन से द्रव असंतुलन भी हो सकता है। ये चीजें रक्तचाप बढ़ा देती हैं जिससे लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें।

फिर लिवर को स्वस्थ कैसे रखा जाए?

कुछ बातों का ध्यान रखकर आप लिवर को स्वस्थ रख सकते हैं। इसके लिए रोजाना 30 मिनट एक्सरसाइज करें।

शरीर को हाइड्रेट बनाए रखें (कम से कम 2.5-3 लीटर पानी)

हरी सब्जियां, फल और ओमेगा-3 रिच चीजें खाएं

शराब, प्रोसेस्ड फूड और मीठे ड्रिंक्स से दूरी बनाएं।

डॉक्टर की सलाह पर साल में 1 बार लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT) जरूर कराएं।

मानसून आते ही बढ़ जाता है डेंगू-चिकनगुनिया का खतरा अब डब्ल्यूएचओ ने लिया बड़ा फैसला

मानसून का समय आते ही दुनियाभर में अर्बोवायरल रोगों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। हर साल इन बीमारियों के कारण हजारों लोगों की मौत हो जाती है। अर्बोवायरल रोग, उन वायरल बीमारियों को कहा जाता है जो संक्रमित कीटों मुख्यतः मच्छरों और टिक्स के काटने से मनुष्यों में फैलता है। ये रोग हल्के बुखार और चकत्ते से लेकर इंसेफेलाइटिस और रक्तस्रावी बुखार जैसी गंभीर तंत्रिका संबंधी जटिलताओं तक का कारण बनते हैं।

डेंगू, पीत ज्वर (येलो फीवर) जीका और चिकनगुनिया जैसे रोग देश में सबसे आम प्रकार के अर्बोवायरल रोग हैं।

इस बीमारियों के शिकार लोगों के उपचार के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहली बार 'ग्लोबल क्लिनिकल गाइडलाइन' जारी की है। डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अर्बोवायरल रोग मुख्यरूप से एडीज मच्छरों द्वारा फैलते हैं। वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ये एक बढ़ता हुआ खतरा हैं, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और बढ़ती मानव गतिशीलता के संदर्भ में।

दुनिया भर में 5.6 बिलियन (560 करोड़) से अधिक लोगों को अर्बोवायरल संक्रमण का खतरा है, इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों के पास इन बीमारियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने और इलाज प्रदान करने को लेकर गाइडलाइंस होनी चाहिए।

मच्छर जनित रोगों का खतरा

इससे पहले कि हम डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी किए गए प्रोटोकॉल पर गौर करें, पहले ये जान लेना जरूरी है कि डेंगू-चिकनगुनिया जैसी बीमारियां स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किस प्रकार से चुनौतियां बढ़ाती जा रही हैं?

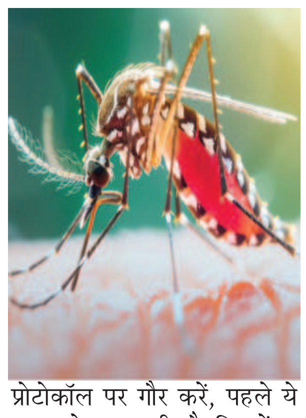

डेंगू बुखार एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य चिंता का विषय है, जिसके हर साल लाखों मामले सामने आते हैं। साल 2024 में, वैश्विक स्तर पर 1.41 करोड़ डेंगू के मामले सामने आए।

वहीं, 6.20 लाख से अधिक मामले चिकनगुनिया के रिपोर्ट किए गए। मानसून के दिनों में इन बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर हर साल अतिरिक्त दबाव भी बढ़ जाता है।

इन समस्याओं पर गौर करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अब ट्रीटमेंट गाइडलाइंस जारी की है।

संदिग्ध रोगियों और हल्के स्तर की बीमारी वालों के लिए प्रोटोकॉल

डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी किए गए प्रोटोकॉल के अनुसार संदिग्ध रोगियों और हल्के स्तर की बीमारी वालों को कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

रोगियों को निर्जलीकरण से बचाने के लिए मौखिक द्रव उपचार (ओआरएस और अन्य उपचार) का प्रयोग करें।

दर्द या बुखार के इलाज के लिए पैरासिटामोल का प्रयोग करें।

नॉन-स्टेरायडल एंटी-इफ्लेमेटरी दवाओं (एनएसएआईडी) से बचें।

हल्के स्तर के रोगियों में कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के इस्तेमाल से बचें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि ये सिफारिशें नवीनतम उपलब्ध साक्ष्यों पर आधारित हैं और नए आंकड़े सामने आने पर इन्हें अपडेट किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में अर्बोवायरल रोग बहुत कॉमन हैं वहां इलाज में मदद करने और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों की दिशा में ये सुझाव महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

अब गंभीर (अस्पताल में भर्ती) या पुष्ट अर्बोवायरल रोगियों के लिए जारी प्रोटोकॉल जानिए

गंभीर स्तर के रोगियों के इलाज के लिए इंटरवेनस हाइड्रेशन (ड्रिप्स) का इस्तेमाल करें।

गंभीर मामलों में भी कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और इम्युनोग्लोबुलिन थेरेपी से बचें।

लो प्लेटलेट काउंट वाले रोगियों में तब तक प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन से बचें, जब तक कि रक्तस्राव की स्थिति न हो।

पीत ज्वर (येलो फीवर) के कारण होने वाले लिवर फेलियर के मामलों में इंटरवेनस एन-एसिटाइलसिस्टीन का उपयोग करें।

येलो फीवर के लिए मोनोक्लोनल इम्युनोग्लोबुलिन TY014 और सोफोसबुविर जैसी प्रायोगिक चिकित्सा का उपयोग केवल अनुसंधान स्थितियों में ही करें।

डायबिटीज में घाव भरने में क्यों लगती है देरी? क्यों रुक जाता है शरीर का हीलिंग सिस्टम

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है, जिसका खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग सभी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज की समस्या रही है, उन्हें विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। डायबिटीज यानी ब्लड शुगर बढ़े रहने की स्थिति शरीर के अंगों को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। इससे समय के साथ हृदय रोग, किडनी की बीमारी, आंखों और तंत्रिकाओं की समस्या हो सकती है।

चूंकि डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों को ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है।

पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है? आइए इस बारे में जानते हैं।

डायबिटीज में घाव भरने में लगता है ज्यादा समय

जब शरीर में किसी भी तरह का कट, खरोंच या घाव होता है, तो हमारा शरीर तेजी से उस घाव को भरने और घाव को संक्रमण से बचाने में लग जाता है। लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ये काम काफी कठिन रहता है। इतना ही नहीं कई बार मामूली सा घाव भी ठीक होने में महीनों तक का समय लग सकता है और कुछ स्थितियों में ये गंभीर संक्रमण का रूप भी ले लेता है।

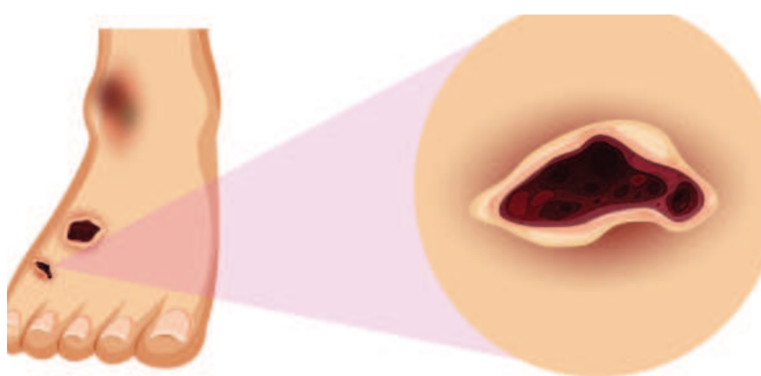

यहां यह समझना जरूरी है कि डायबिटीज में घाव भरने में इतना समय क्यों लगता है? इसके पीछे क्या कारण हैं? डॉक्टर ने इसे आसान भाषा में समझाया है।

(अध्ययन में हृदय रोगों के 'हिडेन रिस्क' का खुलासा, महिलाएं हो जाएं सावधान; जानिए महत्वपूर्ण बातें)

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

अमर उजाला से बातचीत में वरिष्ठ डायबेटोलॉजिस्ट डॉ अल्तमश शेख बताते हैं, डायबिटीज रोगियों में घाव को ठीक होने में अधिक समय लगना बहुत आम है। इसके लिए कई कारणों को जिम्मेदार माना जाता रहा है।

पहला कारण डायबिटीज की स्थिति में खून में ग्लूकोज की मात्रा काफी बढ़ जाती है। हाई ब्लड शुगर, घाव भरने की प्राकृतिक प्रक्रिया को कई तरह से प्रभावित कर सकती है।

यह सफेद रक्त कोशिकाओं (WBCs) की कार्यक्षमता को कमजोर कर देती है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है और संक्रमण के कारण घाव जल्दी नहीं ठीक हो पाते।

डायबिटीज के कारण शरीर पर होने वाला असर

डॉ शेख बताते हैं, घावों को ठीक होने में अधिक समय लगने और संक्रमण बढ़ने का एक कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने को माना जाता है। कमजोर इम्युनिटी के कारण घावों पर बैक्टीरिया और फंगस को पनपने का मौका मिल जाता है, जिसके कारण कट पर संक्रमण होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

इसके अलावा डायबिटीज की स्थिति शरीर की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है। इससे उस हिस्से तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है जहां घाव है। इससे घाव की जगह नई कोशिकाओं का निर्माण धीमा हो जाता है, जिसके कारण घावों को ठीक होने में सामान्य से अधिक समय लग सकता है। चूंकि घाव ठीक होने में अधिक समय लग रहा होता है, इसलिए वहां पर संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

डायबिटीज के कारण सफेद रक्त कोशिकाओं की घट जाती है क्षमता

डायबिटीज और इसके कारण होने वाली समस्याओं के बारे में जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन (2019) के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों में सफेद रक्त कोशिकाओं की प्रभाविकता 40-50% तक घट जाती है, संक्रमण बढ़ने का ये प्रमुख कारण माना जाता रहा है।

डायबिटीज के मरीजों में डायबिटिक फुट नामक समस्या का खतरा अधिक रहता है। ये स्थिति में पैरों में अल्सर बनने लगता है जिसकी गंभीर स्थिति में लगभग 15% मामलों में पैर काटने तक की नौबत आ सकती है।

डॉ अल्तमश शेख कहते हैं, डायबिटीज में इस तरह के जोखिमों से बचे रहने के लिए सबसे जरूरी है कि आप ब्लड शुगर को नियंत्रित रखें। नियमित रूप से पैरों और त्वचा की जांच करते रहें। किसी भी चोट या छोटा घाव होने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

पर्याप्त नींद लेने के बाद भी शरीर में बनी रहती है सुस्ती, हो सकता है इन बीमारियों का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान या सुस्ती महसूस करना आम बात है, यह एक ऐसी समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि अगर आपने पर्याप्त नींद नहीं ली है, तो थकान या सुस्ती बनी रहती है। लेकिन क्या हो जब भरपूर नींद लेने के बाद भी आप दिनभर अत्यधिक नींद और आलस महसूस करें? यह सिर्फ सामान्य सुस्ती नहीं, बल्कि एक गंभीर स्थिति हो सकती है जिसे हाइपरसोमनिया कहते हैं। यह ऐसी अवस्था है जहां व्यक्ति को पर्याप्त आराम मिलने के बावजूद, दिन के समय लगातार सुस्ती और थकान बनी रहती है।

हाइपरसोमनिया से जूझ रहे लोग अक्सर दिन में बार-बार झपकी लेते हैं, चाहे वे काम कर रहे हों, पढ़ रहे हों या ड्राइव कर रहे हों। यह उनकी दैनिक गतिविधियों, कार्यक्षमता और

सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह स्थिति केवल नींद की समस्या नहीं, बल्कि मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ी किसी गंभीर अंतर्निहित समस्या का संकेत भी हो सकती है। इसलिए, इसके लक्षणों को समझना और समय पर सही उपचार के लिए किसी चिकित्सक से परामर्श लेना बेहद जरूरी है, ताकि जीवन की गुणवत्ता को सुधारा जा सके।

हाइपरसोमनिया के प्रमुख लक्षण

हाइपरसोमनिया के लक्षणों में दिन में अत्यधिक नींद आना, लंबे समय तक सोने के बाद भी ताजगी न महसूस करना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और चिड़चिड़ापन शामिल हैं। कुछ लोग सुबह जागने में परेशानी या नींद में अचानक गिरने जैसी स्थिति का अनुभव करते हैं। यह स्थिति सामान्य नींद की कमी से अलग है, क्योंकि यह तब भी होती है जब व्यक्ति रात में 8-10 घंटे की नींद लेता है। इन लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

हाइपरसोमनिया के संभावित कारण

हाइपरसोमनिया के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें नींद की बीमारियां जैसे स्लीप एपनिया या नार्कोलेप्सी शामिल हैं। स्लीप एपनिया में रात में सांस रुकने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे दिन में सुस्ती रहती है।

इसके अलावा, थायरॉइड की समस्या, डिप्रेशन, चिंता, मधुमेह या आयरन की कमी भी हाइपरसोमनिया का कारण बन सकती हैं। कुछ दवाएं, जैसे एंटी-डिप्रेसेन्ट्स या एंटीहिस्टामिन्स, भी अत्यधिक नींद का कारण बन सकती हैं। अनियमित जीवनशैली और तनाव भी इस स्थिति को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

बचाव के उपाय

हाइपरसोमनिया का उपचार इसके कारणों और मरीज के मेडिकल हिस्ट्री पर निर्भर करता है। स्लीप एपनिया के लिए CPAP मशीन, जबकि नार्कोलेप्सी के लिए दवाएं दी जा सकती हैं। इस समस्या से बचाव का सबसे सरल और प्रभावी उपाय यही है कि, हर दिन 7-8 घंटे की पूरी नींद लें।इसके अलावा, नियमित नींद का समय, तनाव प्रबंधन और संतुलित आहार हाइपरसोमनिया को कम करने में मदद करते हैं। कैफीन और शराब का सेवन सीमित करें। योग, मेडिटेशन और हल्का व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। यदि लक्षण लगातार बने रहें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

बाल झडने की आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्नः मेरी उम्र 28 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है ।

- गंगाधर राव,सिद्दीपेट

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से , बहुत अधिक मानसिक चिंता से , रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

अर्नवेद हर्बल सत शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है । फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती हैं । इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है । प्लेनेट का नरसिंहघृतम सप्तावर्ती कैप्सूल व शर्मायु केश योग कैप्सूल का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- शेषागिरी वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में गठिया रोग कहते हैं । इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर यदि रहता है तो यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द होने लगता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकल पाना है । कई तरह के पदार्थ जैसेः सभी प्रकार की दालें , डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम ,मटर बीन्स आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इन से दूर रहें। जैतून तेल, ईसबगोल, ओट्स ,टमाटर ,अंगूर, चेरी ,मेवे, कद्दू, तुरई , घीया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदूरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है। ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशौर गुग्गुलु, ऊंझा संशमनी वटी ,ऊंझा अमृतारिष्ट आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय - तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन के पहले संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है पिछले दो माह से पैर के तलवों में बहुत जलन होती हैं । पाउडर लगाने या पैर को ठंडे पानी से धोने से भी आराम नहीं मिल रहा। क्या है कोई रोग का लक्षण है? कृपा कर बताएं।

- राघवेंद्र नायडू, मुलुगू

उत्तर : पैर के तलवों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं। मधुमेह ,ऊपरी तंत्रिकाशोथ (पेरीफेरल न्यूराइटिस),मदात्ययता, जीवनीय तत्वों का अभाव, पैर में पहनने वाले जूते चप्पलों का टाइट होना, लेड विषाक्तता आदि कारण इसमें प्रमुख हैं । एक अच्छा वैद्य रोगी का पूरा परीक्षण कर विभेदक निदान के माध्यम से सही निदान करता है। प्रमेह या मधुमेहजन्य उपद्रवों का आसानी से रक्त परीक्षण से पता चल जाता है। यदि कारण मधुमेह हैं तब रक्त शर्करा का नियमन आवश्यक है। ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो , ऊंझा चंद्रप्रभा वटी दो-दो गोली के संग यदि ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस दिया जाए तो कुछ ही दिनों में पैर की जलन शांत हो जाती है। जलन के शांत होते ही नित्य व्यायाम की आदत डालें। हर रोज टहले। सक्रिय जीवन शैली ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

चीन ने दिया 'धोखा' तो भारत को मिला इस देश का साथ

5 साल तक का हो गया इंतजाम, किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के लिए एक अच्छी खबर है। इंडियन फर्टिलाइजर कंपनी, कृभको और सीआईएल ने सऊदी अरब की मादेन कंपनी के साथ एक समझौता किया है। यह समझौता डीएपी खाद की सप्लाई को लेकर है।

समझौते के अनुसार, मादेन कंपनी अगले पांच वर्षों तक हर साल 3.1 मिलियन टन डीएपी खाद भारत को देगी। यह समझौता इस वित्तीय वर्ष से शुरू हो गया है। दोनों कंपनियां आपसी सहमति से इस समझौते को पांच साल के लिए और बढ़ा सकती हैं। यह समझौता उस समय हुआ है, जब रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनकी मौजूदगी में ही इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

चीन ने लगाई थी रोक

भारत में डीएपी खाद की कमी हो रही है। यूरिया के बाद डीएपी दूसरा सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला खाद है। चीन ने फॉस्फेट के निर्यात पर रोक लगा दी है। फॉस्फेट डीएपी खाद बनाने के लिए बहुत जरूरी होता है। इस वजह से भारत में डीएपी का उत्पादन कम हो गया है। चीन ने 26 जून से विशेष खाद का शिपमेंट भी रोक दिया है। विशेष खाद का इस्तेमाल फल, सब्जियां और दूसरी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस समझौते से भारतीय किसानों को डीएपी खाद आसानी से मिल सकेगी। अभी खरीफ की फसल का सीजन चल रहा है। अगर शुरुआत में ही डीएपी की कमी हो जाती तो फसल का उत्पादन प्रभावित हो सकता था। डीएपी खाद बुवाई के तुरंत बाद

इस्तेमाल किया जाता है। अपनी यात्रा के दौरान जेपी नड्डा ने सऊदी अरब के उद्योग और खनिज संसाधन मंत्री बंदर बिन इब्राहिम अल खोरायेफ के साथ भी बातचीत की। उन्होंने आपसी निवेश को बढ़ावा देने पर चर्चा की। खासकर, भारतीय सरकारी कंपनियों के लिए सऊदी अरब के उर्वरक क्षेत्र में निवेश करने के अवसरों पर बात हुई। साथ ही सऊदी अरब भी भारत में निवेश कर सकता है। दोनों देशों ने डीएपी के साथ-साथ यूरिया जैसे दूसरे जरूरी खाद को भी शामिल करके द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने पर सहमति जताई है। इससे भारत की खाद सुरक्षा और मजबूत होगी। जेपी नड्डा ने कहा कि यह समझौता भारत के किसानों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। इससे उन्हें समय पर खाद मिल सकेगी और फसल का उत्पादन भी अच्छा होगा। वित्तीय वर्ष 2025 में भारत ने सऊदी अरब से 1.905 मिलियन टन डीएपी का आयात किया। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में आयात किए गए 1.629 मिलियन टन से लगभग 17% ज्यादा है।

वंदे भारत एक्सप्रेस के डिब्बे बनाने वाली कंपनी के शेयर आज क्यों उछले, राज्य सरकार से हुआ है समझौता

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो रेल के डिब्बे बनानी वाली कोलकाता की एक कंपनी है टीटागढ़ रेल सिस्टम्स सोमवार को इसके शेयरों पर सबकी निगाहें थी। दरअसल, कंपनी ने पश्चिम बंगाल सरकार से लगभग 40 एकड़ जमीन 99 साल की लीज पर ली है। यह जमीन 126 करोड़ रुपये में ली गई है।

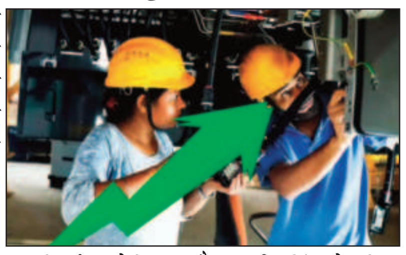

क्या रही शेयर की चाल

आज सुबह बीएसई सेंसेक्स करीब साढ़े तीन सौ अंक डाउन था। तब भी यह पांच रुपये चढ़ कर खुला। बीते शुक्रवार को बीएसई में टीटागढ़ रेल सिस्टम्स का शेयर 929.60 रुपये पर बंद हुआ था। आज सुबह यह 934.80 रुपये पर खुला जो बीते दिन के मुकाबले 5.20 रुपये ज्यादा है। कारोबार के दौरान यह शेयर ऊंचे में 937.05 रुपये पर और नीचे में 923.30 रुपये तक गया।

बढ़ेगा रेल डिब्बों का उत्पादन

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के एक अधिकारी ने बताया कि इस जमीन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच और मेट्रो रेल के डिब्बों का उत्पादन बढ़ाया जाएगा। यह प्रोडक्शन सेंटर कोलकाता के पास हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में होगा। इसी जमीन के पास कंपनी का मौजूदा 34 एकड़ का प्लांट ऑपरेशनल है। इसलिए यह कंपनी के विस्तार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

हो गया है समझौता

शेयर बाजार को शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार इस जमीन को 99 साल की लीज पर लेने का समझौता राज्य सरकार के साथ 12 जुलाई, 2025 को हुआ था। इसके लिए 126.63 करोड़ रुपये दिए गए हैं। कंपनी ने बताया, अतिरिक्त जमीन से हमें मेट्रो कोच और वंदे भारत ट्रेन सेट के निर्माण, टेस्टिंग और कमीशनिंग के लिए ज्यादा जगह मिलेगी। इसका मतलब है कि कंपनी को और ज्यादा उत्पादन करने में मदद मिलेगी।

टेस्ट टैक बनाने की भी योजना

कंपनी एक टेस्ट ट्रैक भी बनाने की योजना बना रही है। इससे डिलीवरी से पहले परफॉर्मेंस और सुरक्षा की जांच हो सकेगी। टेस्ट ट्रैक का मतलब है, एक ऐसा ट्रैक जिस पर ट्रेनों को चलाकर देखा जाता है। इस विस्तार से टीटागढ़ को एफवाई28 तक अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी अभी 300 डिब्बे या कोच बनाती है। अब कंपनी हर साल लगभग 850 कारें बना पाएगी। एफवाई28 का मतलब है, 2027-28 का वित्तीय वर्ष। इसके अलावा, कंपनी प्रमोटर ग्रुप के सदस्यों को वारंट जारी करके 200 करोड़ रुपये जुटाएगी। वारंट एक तरह का वित्तीय उपकरण होता है। 31 मार्च, 2025 तक टीटागढ़ के पास 11,200 करोड़ रुपये के ऑर्डर थे। इसमें से 62% पैसेंजर कोच के ऑर्डर थे और 38% वैगन या मालगाड़ी के डिब्बों के ऑर्डर थे। कंपनी के जॉइंट वेंचर के पास 13,326 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऑर्डर हैं। इसमें रामकृष्णा फोर्जिंग्स के साथ व्हीलसेट और बीएचईएल के साथ वंदे भारत कोच के ऑर्डर शामिल हैं।

गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 247 अंक लुढ़का, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी पूंजी निकासी के बीच बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 247.01 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 82,253.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 490.09 अंक या 0.59 प्रतिशत गिरकर 82,010.38 पर आ गया था, लेकिन कारोबार समाप्ति तक इसने कुछ हद तक अपनी भरपाई कर ली। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.55 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 25,082.30 पर बंद हुआ। 9 जुलाई से अब तक चार दिनों की गिरावट में सेंसेक्स में लगभग 1,460 अंक या 1.75 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं निफ्टी में 440 अंक या 1.73 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, व्यापक सूचकांकों ने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.71 प्रतिशत से 1.04 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स में सबसे ज़्यादा 1.58 प्रतिशत की गिरावट आई। टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा मोटर्स के शेयर भी गिरावट में रहे। हालांकि, इटर्नल, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईटीसी लाभ में रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में मुनाफावसूली और सतर्कता का माहौल बना हुआ है। टैरिफ से जुड़ी खबरें और कमजोर तिमाही नतीजों की शुरुआत निवेशकों को संवेदनशील बना रही है। साथ ही, शेयरों के मूल्य भी पिछले 3 वर्षों के उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, कुछ खास सेक्टर्स में अभी भी तेजी देखी जा रही है। हेल्थकेयर, रियल एस्टेट, कंज्यूमर और डिस्क्रीशनरी सेक्टर में निवेशकों की रुचि बनी हुई है। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर कमजोर बना हुआ है क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में इसके मुनाफे में गिरावट आने का जोखिम है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) 19 महीने के अंतराल के बाद नकारात्मक हो गई।

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां निवेश करना चाहती हैं

यूपी–बिहार में अपार अवसर ; निर्यात में यूएस पहली पसंद

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ताइवान और वियतनाम की कंपनियां भारत के गैर-चमड़ा फुटवियर क्षेत्र में निवेश करना चाहती हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के चेयरमैन आरके जालान ने बताया, इन देशों की कंपनियों के निवेश को सुगम बनाने के लिए सरकारी समर्थन बेहद जरूरी है, ताकि वे अपनी विनिर्माण सुविधाओं के लिए इन वस्तुओं का देश में आसानी से आयात कर सकें। उन्होंने कहा, ये दोनों देश वैश्विक फुटवियर क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी हैं। वियतनाम फुटवियर के निर्माण और निर्यात का एक प्रमुख वैश्विक केंद्र है। ताइवान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के लिए फुटवियर के डिजाइन, विकास और उत्पादन में अहम भूमिका निभाता है। उत्पादकता-निर्यात बढ़ाने के लिए केंद्रित योजना शुरू करे सरकार जालान ने कहा, सरकार को उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात बढ़ाने के लिए बजट में घोषित फुटवियर एवं चमड़ा क्षेत्रों के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू

करनी चाहिए। इस योजना से गैर-चमड़े के गुणवत्ता वाले फुटवियर के उत्पादन के लिए आवश्यक डिजाइन क्षमता, कलपुर्जा विनिर्माण और मशीनरी को समर्थन मिलेगी।

यूपी और बिहार में निवेश के अपार अवसर

कानपुर की कंपनी ग्रोमोर इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक यादवेंद्र सिंह सचान ने कहा, ताइवानी कंपनियां पहले ही तमिलनाडु की इकाइयों में निवेश कर चुकी हैं। उनके पास फुटवियर बनाने की सर्वोत्तम तकनीक हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में निवेश के अपार अवसर हैं, क्योंकि इन राज्यों में किफायती श्रम उपलब्ध है। अमेरिका भारतीय निर्यातकों के लिए शीर्ष गंतव्य जालान ने कहा, देश का निर्यात अच्छी दर से बढ़ रहा है और परिषद 2025-26 में सात अरब डॉलर मूल्य के निर्यात का लक्ष्य लेकर चल रही है। 2024-25 में निर्यात 5.75 अरब डॉलर रहा था। 95.7 करोड़ डॉलर (20 फीसदी हिस्सेदारी) मूल्य के निर्यात के साथ अमेरिका भारतीय निर्यातकों के लिए शीर्ष गंतव्य रहा। इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी का स्थान है। उन्होंने कहा, इस वर्ष निर्यात में करीब 18 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है।

निर्यात में इस साल 18 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

जालान ने कहा, देश का निर्यात अच्छी दर से बढ़ रहा है और परिषद 2025-26 में सात अरब डॉलर मूल्य के निर्यात का लक्ष्य लेकर चल रही है। 2024-25 में निर्यात 5.75 अरब डॉलर रहा था। 95.7 करोड़ डॉलर (20 फीसदी हिस्सेदारी) मूल्य के निर्यात के साथ अमेरिका भारतीय निर्यातकों के लिए शीर्ष गंतव्य रहा। इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी का स्थान है। उन्होंने कहा, इस वर्ष निर्यात में करीब 18 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है।

खुशखबरी : जून में घटी महंगाई दर खाने-पीने की चीजें हुईं सस्ती !

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। देश के लिए महंगाई के मोर्चे से अच्छी खबर सामने आ रही है. भारत में थोक महंगाई ने जून 2025 में 20 महीने का सबसे निचला स्तर छू लिया. सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर सालाना आधार पर 0.13% रही, जो अक्टूबर 2023 के बाद सबसे कम है. मई में ये दर 0.39% थी, यानी महंगाई का ग्राफ तेजी से नीचे आया. सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों ने ये साफ कर दिया कि खाने-पीने की चीजों और ईंधन के दाम गिरने से महंगाई पर लगाम लगी है. रॉयटर्स के अर्थशास्त्रियों के सर्वे ने अनुमान लगाया था कि जून में महंगाई 0.52% तक बढ़ सकती है, लेकिन ये उससे भी कम रही.

रसोई की कीमतों में राहत

खाने-पीने की चीजों की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने थोक महंगाई को नीचे लाने में बड़ी भूमिका निभाई. जून में सब्जियों की महंगाई दर 22.65% रही, जो मई के 21.62% से थोड़ी कम थी. प्याज की महंगाई 33.49% रही, जो मई में 14.41% थी. आलू के दाम में 32.67% की भारी गिरावट दर्ज की गई, जबकि मई में ये 29.42% कम थी. दालों के दाम 22.65% गिरे, जो मई में 10.41% कम थे. अनाज की महंगाई भी 3.75% रही, जो मई में 2.56% थी. कुल मिलाकर, रसोई का सामान सस्ता होने से आम आदमी को राहत मिली है. ईंधन और बिजली के दाम में कमी ने भी महंगाई को काबू में रखा. जून में इस सेगमेंट की महंगाई 2.65% रही, जो मई में 22.27% थी. यानी ईंधन और बिजली की कीमतों में भारी कमी आई है. वहीं, मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स, जो डब्ल्यूपीआई बास्केट का 60% से ज्यादा हिस्सा हैं, उनकी महंगाई दर 1.97% रही. प्राथमिक वस्तुओं (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई जून में 3.38% घटी, जबकि मई में ये 2.02% कम थी.थोक महंगाई के साथ-साथ रिटेल महंगाई भी मई 2025 में छह साल के निचले स्तर 2.82% पर आ गई. अप्रैल की तुलना में इसमें 34 बेसिस पॉइंट की कमी आई है. ये फरवरी 2019 के बाद सबसे कम रिटेल महंगाई दर है. सस्ते खाने-पीने की चीजों ने इसमें बड़ा योगदान दिया.

आरबीआई का महंगाई अनुमान

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने अप्रैल की बैठक में कहा था कि खाने-पीने की चीजों के दाम नरम होने से महंगाई में कमी आ रही है. आरबीआई ने एफवाई26 के लिए महंगाई का अनुमान 4.2% से घटाकर 4% कर दिया. तिमाही अनुमान के मुताबिक, पहली तिमाही में महंगाई 3.6%, दूसरी में 3.9%, तीसरी में 3.8% और आखिरी तिमाही में 4.4% रहने की उम्मीद है. आरबीआई का मानना है कि महंगाई के जोखिम अभी संतुलित हैं.

चांदी 1,13,773 के ऑल टाइम हाई पर : आज 3,483 का उछाल, इस साल 28,000 बढ़े दाम, सोना भी 586 महंगा हुआ

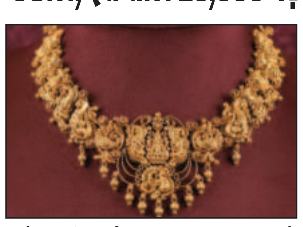

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चांदी की कीमत लगातार दूसरे दिन ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोमवार, 14 जुलाई को एक किलो चांदी की कीमत 3,483 रुपए बढ़कर 1,13,773 रुपए पर पहुंच गई है। शुक्रवार (11 जुलाई) को यह 1,10,290 रुपए प्रति किलो पर थी। जो इसका ऑल टाइम हाई था। वहीं, 24 कैरेट सोने के दाम में भी आज तेजी है। ये 586 रुपए महंगा होकर 98,097 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार (11 जुलाई) को सोने का दाम 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इससे पहले 18 जून को सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,030 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,700

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,880 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,880 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,880 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550

सिगरेट की तरह अब समोसा-जलेबी भी 'रेड लिस्ट' में

सरकार ने जारी की एडवाइजरी ; क्यों लिया गया ये फैसला?

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। खान-पान में गड़बड़ी सेहत पर भारी पड़ सकती है, ये बात हम सभी ने सुनी है, पर क्या हम इसे गंभीरता से लेते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हम रोजाना जो कुछ भी खाते-पीते हैं उसका सेहत पर सीधा असर होता है, यही कारण है कि कम उम्र से ही आहार को लेकर विचार करना और पौष्टिक चीजों की ही भोजन में शामिल करना आवश्यक हो जाता है। जिन चीजों को स्वास्थ्य के लिए अध्ययनों में सबसे हानिकारक माना जाता रहा है, धूम्रपान यानी सिगरेट-बीड़ी उनमें से एक है। पर अब ये लिस्ट थोड़ी लंबी होने वाली है। जल्द ही सिगरेट की ही तरह आपके पसंदीदा समोसा, जलेबी और डीप फ्राई चीजों के साथ भी कैंटीनों में चेतावनी संदेश का बोर्ड देखने को मिलने वाला है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एम्स नागपुर सहित देशभर के सभी केंद्रीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे

'ऑयल और शुगर बोर्ड' लगाएं, जिन पर आपके नाश्ते में छिपे हुए फैट और शुगर की मात्रा साफ-साफ लिखी हो। जंक और फास्ट फूड्स से होने वाले सेहत को नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने और इनसे दूरी बनाने की दिशा में ये बड़ा कदम माना जा रहा है। गौरतलब है कि गड़बड़ आहार और इसके सेहत पर होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर किए गए तमाम अध्ययन लगातार इस बात को लेकर चिंता जताते रहे हैं कि दुनियाभर में जंक फूड्स का सेवन पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। ये मोटापा तो बढ़ाता ही है साथ ही इसके कारण लोग तेजी से हाई शुगर, ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों का भी शिकार होते जा रहे हैं। जंक फूड्स के कारण बच्चों में बढ़ते मोटापे के खतरे को लेकर समय-समय पर अलर्ट जारी किया जाता रहा है। अब इस बारे में लोगों को जागरूक करने और इस तरह के अस्वास्थ्यकर खान-पान को कम करने को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय अलर्ट मोड पर आ गया है। इस नई शुरुआत के तहत जंक फूड्स और अस्वास्थ्यकर भारतीय स्नैक्स, पकौड़े-लड्डू से लेकर वड़ा पाव और गुलाब जामुन तक में छिपी वसा और चीनी की मात्रा के बारे में लोगों को बताया जाएगा। सरकार के इस कदम की स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सराहना करते हुए कहा कि यह एक शांत लेकिन क्रांतिकारी बदलाव है। जंक फूड हमारी सेहक लिए तंबाकू-सिगरेट जितने ही खतरनाक हैं। इसपर धीमी आवाज में चर्चा तो होती रहती है पर कोई व्यापक दृष्टिकोण अब तक नहीं देखा गया।

अमेरिकी डेयरी आयात से छोटे किसानों की आजीविका पर आएगा संकट, 1.03 लाख करोड़ के नुकसान की आशंका

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी आयात के लिए खोलने से देश के डेयरी किसानों को हर साल 1.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार इस कदम का सबसे बड़ा असर छोटे डेयरी किसानों की आजीविका पर पड़ेगा क्योंकि अमेरिकी डेयरी क्षेत्र को भारी सब्सिडी का समर्थन प्राप्त है। एसबीआई ने कहा कि अगर डेयरी क्षेत्र को खोल दिया जाता है, तो भारत में दूध की कीमत कम से कम 15

प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसमें कहा गया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में कृषि और डेयरी प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं। इसमें कहा गया है कि अगर डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिए खोल दिया गया तो भारतीय किसानों की आजीविका को खतरा हो सकता है। इससे भारत का दूध आयात लगभग 2.5 करोड़ टन सालाना बढ़ सकता है। भारत में डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह राष्ट्रीय सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) में लगभग 2.5 से 3 प्रतिशत का योगदान देता है, जो लगभग 7.5 से 9 लाख करोड़ रुपये है। यह लगभग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी प्रदान करता है। इसका मतलब जीवीए में योगदान किए गए प्रत्येक 1 लाख रुपये पर एक नौकरी मिलती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूध की कीमतों में में गिरावट से न केवल किसानों की आय कम होगी, बल्कि अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र का समग्र योगदान भी कमजोर होगा। चारा, ईंधन, परिवहन और अवैतनिक पारिवारिक श्रम जैसे इनपुट की लागत को शामिल करने के बाद,अनुमानित जीवीए हानि लगभग 0.51 लाख करोड़ रुपये होगी। हालाँकि, रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि अगर भारत और अमेरिका अन्य क्षेत्रों में व्यापार संबंधों को मजबूत करते हैं तो इससे संभावित लाभ हो सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

बुध ४, शुक्र २, गुरु सूर्य 3, मंगल केतु ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११ राहु, १२ शनि, २

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-53, सूर्यास्त 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	03-44 बजे
चंद्र-	कुंभ में	कर्क...	05-57 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	08-08 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	10-15 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	12-22 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	14-30 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	16-44 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	18-54 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	20-41 बजे
		मीन...	22-19 बजे
		मेष...	23-55 बजे
		वृष...	02-28 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 22-39 तक उपरान्त षष्ठी
मास - श्रावण कृष्ण , मंगलवार 15 July
नक्षत्र - शतभिषा 06-26 तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - सोभाग्य 14-12 तक उप शोभन
करण- कौलव 11-21 तक उप तैतिल
विशेष-
व्रत -त्योहार - नागपंचमी मरुस्थली

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:38 से 17:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:51 - 07:29	अशुभ	काल	18:53 - 20:15	अशुभ
उत्पात	07:29 - 09:07	अशुभ	लाभ	20:15 - 21:38	शुभ
चंचल	09:07 - 10:44	शुभ	उत्पात	21:38 - 22:59	अशुभ
लाभ	10:44 - 12:22	शुभ	शुभ	22:59 - 00:22	शुभ
अमृत	12:22 - 13:59	शुभ	अमृत	00:22 - 01:45	शुभ
काल	13:59 - 15:38	अशुभ	चंचल	01:45 - 03:07	शुभ
शुभ	15:38 - 17:15	शुभ	रोग	03:07 - 04:29	अशुभ
रोग	17:15-18:53	अशुभ	काल	04:29 - 05:52	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज का दिन आपके लिए एक विवादास्पद दिन हो सकता है! आप का किसी के लिए बुदबुदाना या क्रोधित होना व किसी दूसरे के माध्यम से उन्हें पता चलने पर आपका पेशेवर जीवन बर्बाद हो सकता है । इसके अलावा, आप किसी से किसी और का रहस्य खोल सकते है जो की सही नहीं होगा इसलिए आसपास के ऐसे लोगो से उचित दुरी बना कर रखे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज इस बात के जबरदस्त संकेत है की आप अपने कार्य क्षेत्र का परिवर्तन कर सकते है या आप के कार्य क्षेत्र से जुडी दिशा का बदलाव हो सकता है । अभी तक आप जिस चीज़ को शौकिया तौर पर लेते थे वही चीज़ आपके लिए धन उपार्जन का रास्ता बन सकती है यहाँ तक की आप अपनी नौकरी भी इस काम के लिए छोड़ सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यो में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भूपेश बोले- 1300 का डीएपी 2100 में मिल रहा

खाद-बीज की कमी से किसान त्रस्त, आरआईओडब्ल्यू भर्ती परीक्षा गड़बड़ी पर हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून सत्र के पहले दिन खाद की कमी और राजस्व निरीक्षक 2024 भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी के मुद्दे पर विपक्ष हमलावर रहा। डीएपी (खाद) की कमी पर स्थगन प्रस्ताव लाया। भूपेश बघेल के कहा कि 1300 रुपए का डीएपी बाजार में 21 सौ में मिल रहा।

बघेल ने कहा कि धान उत्पादन कम करने सरकार खाद रोक रही है। बाजारों में अमानक बीज मिल रहे हैं। वहीं इस पर बहस के बाद सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। वहीं प्रश्नकाल में के दौरान 2024 में हुई राजस्व निरीक्षक भर्ती गड़बड़ी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ।

राजेश मूणत ने सदन में मामला उठाकर गड़बड़ी पिछली सरकार में होने की बात कही तो विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

उन्होंने परीक्षा मौजूदा सरकार में होने की बात कही। भूपेश बघेल ने मामले की सीबीआई जांच मांगी है। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचारियों को बचाने का काम कर रही है।

हालांकि राजस्व मंत्री ने भर्ती परीक्षा में अनियमितता को स्वीकारा और कहा कि पांच सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी हुई। उच्च स्तरीय जांच के लिए ईओडब्ल्यू से 40 बिंदुओं में जांच कराई जा रही है। मंत्री टंकराम वर्मा ने आगामी विधानसभा से पहले कार्रवाई का ऐलान किया है।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने ईओडब्ल्यू जांच के आदेश किसके द्वारा दिए जाने का सवाल उठाया तो जवाब में मंत्री टंकराम वर्मा ने विभाग द्वारा ईओडब्ल्यू से जांच कराने के निर्णय की जानकारी दी।

नीमडीह न्यू कॉलोनी में देर रात फायरिंग

युवक को घर के बाहर बुलाया सिर में मारी गोली, परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया, गंभीर

चाईबासा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा स्थित बड़ा नीमडीह न्यू कॉलोनी में रविवार रात एक चौंकाने वाली घटना हुई। रात करीब 10:50 बजे अज्ञात अपराधियों ने सुमित यादव को उसके घर से बाहर बुलाकर सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनते ही पूरे मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। लोग घरों से बाहर निकलने लगे और सड़क पर खून से लथपथ सुमित यादव को देखकर दहशत में आ गए। घायल सुमित यादव को स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से फौरन चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ बहामन टूटी और थाना प्रभारी तरुण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

हटकेश्वर नाथ का गणेश स्वरूप में श्रृंगार

सावन के पहले सोमवार भूतेश्वरनाथ में भक्तों की कतार ज्वालेश्वर महादेव में बेलपत्र, दूध और जल से रुद्राभिषेक

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सावन महीने के पहले सोमवार को सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, जल, दूध चढ़ाकर भगवान की पूजा-अर्चना की। रायपुर-बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया। वहीं रायपुर में बाबा हटकेश्वर नाथ का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया है।

कबीरधाम जिले में भोरमदेव पदयात्रा निकाली गई। हर-हर महादेव और बोल बम की गूंज से शहर में शिवभक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस यात्रा में प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा और क्षेत्रीय विधायक भी शामिल हुए। उन्होंने पंचमुखी बूढ़ा महादेव में पूजा-अर्चना की।

गरियाबंद जिले में स्थित स्वयंभू शिवलिंग भगवान भूतेश्वरनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बता दें कि भूतेश्वरनाथ की ऊंचाई हर वर्ष बढ़ती ही जा रही है। इसकी

ऊंचाई 80 फीट और गोलाई 210 फीट है।

भक्तों ने लंबी कतारों में खड़े होकर भगवान भूतेश्वरनाथ महादेव को जल चढ़ाया और मनोकामनाएं मांगी। पूरा वातावरण हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा, पवित्र सावन माह भगवान शिव की भक्ति और आराधना का खास महीना माना जाता है।

राजिम में विश्व प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में सावन माह के पहले सोमवार को सुबह 4 बजे से ही भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ा हुआ है। यह मंदिर त्रिवेणी संगम पैरी, सोंढूर और महानदी में स्थित है। मान्यता है कि वन वास काल के समय माता सीता ने अपने हाथों से शिवलिंग का निर्माण किया था।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने अमरकंटक स्थित नर्मदा उदगम से जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कांवड़िए नर्मदा उद्गम से जल भरकर 8 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर ज्वालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां स्वयंभू शिवलिंग पर नर्मदा जल के साथ बेलपत्र, दूध और दही से अभिषेक किया गया।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल से आए श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त से ही पूजा-अर्चना शुरू कर दी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले और छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की पुलिस को तैनात किया गया है।

रायगढ़ के महादेव मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, कोमसनारा बाबा धाम में भी सुबह से भीड़ उमड़ी है। मंदिरों में ओम नमः शिवाय के जाप गूंज रहे हैं। श्रद्धालु बेलपत्र और जल चढ़ा कर पूरे विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

मोबाइल चोर गिरोह का पर्दाफाश

10 लाख के चोरी के मोबाइल और लैपटॉप बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने मोबाइल चोरों के एक सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ कर लिया है। पुलिस ने 62 चोरी के मोबाइल फोन, एक टैबलेट और दो लैपटॉप बरामद किए हैं। बरामद सामान की कीमत लगभग 10 लाख रुपए है। पुलिस ने आमदा ओपी क्षेत्र के बड़ा आमदा गांव के मोदी मोहल्ला निवासी हिमांशु मोदी उर्फ रचित को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ समीर सवैया ने बताया कि 13 जुलाई को एसपी को गुप्त सूचना मिली थी। बताया गया था कि बड़ा आमदा गांव में एक युवक मोबाइल चोरी कर उन्हें अवैध रूप से बेच रहा है। सूचना के आधार पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

एसडीपीओ समीर सवैया के नेतृत्व में टीम ने मोदी टोला, बड़ा आमदा में छापेमारी की। पुलिस ने हिमांशु मोदी को चोरी के मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ पकड़ा।

देवघर में पहली सोमवारी पर लगी कांवरियों की कतार

मुख्य और बाह्य द्वार में लगे अरघे से जलार्पण, एआई तकनीक से निगरानी, शिवमय हुआ शहर

देवघर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सावन की पहली सोमवारी पर लगी कांवरियों की कतार। देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में कांवरियों की लंबी कतार रविवार की देर रात से ही लगी हुई है। सुबह 3 बजे सरकारी पूजा होने के बाद से कांवरियों के जल चढ़ाने का क्रम जारी है। दुम्मा स्थित बिहार-झारखंड बॉर्डर गेट पर हेड काउंटिंग मशीन लगी हुई है।

वहीं मंदिर में मुख्य और बाह्य द्वार पर लगे अरघा से जलार्पण कराया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पहली सोमवारी को जल चढ़ाने की आस लगाए कांवरियों की कतार देर रात ही नंदन पहाड़ पार कर चुका था। अभी भी लोगों के आने का क्रम जारी है। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि पहली सोमवारी को कांवरियों की संख्या 2 लाख पार कर सकती है।

शिवमय हुआ शहर, एआई कैमरे और ड्रोन से निगरानी

शहर में एआई कैमरे लगाए

गए है। यह कैमरा हेवी क्राउड वाले एरिया को तुरंत डिटेक्ट करता है। जिसके बाद ड्यूटी पर लगे पुलिस वाले और ट्रैफिक पुलिस उस एरिया में क्राउड मैनेज करती है।

जो श्रद्धालु जल चढ़ा लेते है, वो लोग मेले से बाहर निकलते रहे, इसको लेकर भी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। देवघर शहर के बाहर कई टेंट सिटी बनाए गए है, जहां श्रद्धालु ठहर सकते है। इसके अलावा शहर के बाहर ही पार्किंग बनाया गया है।

सुरक्षा के लिए ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। डीसी नमन प्रियेश लकड़ा के मुताबिक पूरे मेले की व्यवस्था को मैनेज करने के लिए बिहार और झारखंड के बॉर्डर के जिला प्रशासन के साथ समन्वय बना कर हम कांवरियों को काउंट कर रहे हैं। इसके अलावा देवघर शहर में भी टोकन से कांवरियों की काउंटिंग की जा रही है। बस और ट्रेन से आने वाले श्रद्धालुओं का भी हेड काउंट एआई कैमरे की मदद से किया जा रहा है।

एक महीने तक वीआईपी दर्शन बंद

जिला कलेक्ट्रेट नमन प्रियेश लकड़ा ने सोमवार की तैयारी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि इस बार मेले की तैयारी बाकी साल की तुलना में बेहतर की गई है। एक महीने तक मेले में वीआईपी पूजा बंद है। इसके अलावा शीघ्र दर्शन की व्यवस्था भी रविवार और सोमवार को बंद रहेगी, ताकि आम श्रद्धालु भी दर्शन कर सके और जल चढ़ा सके।

कांवरियों की सुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन ने इस बार बड़ा बदलाव किया है। बाबा मंदिर के पास ही अब सीधे बासुकी नाथ जाने के लिए बसें मिल रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को स्टेशन या बस स्टैंड नहीं जाना पड़ेगा। खास बात यह है कि केवल प्रशासन द्वारा अनुमति प्राप्त बसों को ही भेजा जा रहा है।

झारखंड में आकाशीय बिजली से 12 लोगों की मौत, 7 घायल

आज 4 जिलों में हैवी रेन की चेतावनी, अबतक 61 फीसदी ज्यादा बारिश

रांची, 14 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में बारिश थम नहीं रही है। रविवार को भी कई जिलों में बारिश हुई। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई। सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सबसे ज्यादा तीन-तीन मौतें गिरिडीह और दुमका जिले में हुई है। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 82.6 एमएम बारिश गढ़वा में हुई। वहीं डालटनगंज में 67.2 एमएम, खूंटी में 48 एमएम, पश्चिम सिंहभूम में 46.2 एमएम, पलामू में 42.1 एमएम और गिरिडीह में 33 एमएम बारिश हुई।

मौसम विभाग ने आज सोमवार को प. सिंहभूम, सिमडेगा, खूंटी व गुमला में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं रांची, लोहरदगा, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा व देवघर में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 16 जुलाई तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा से सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल व ओडिशा के तटीय इलाकों में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके असर से बारिश होगी।

एक जून से 13 जुलाई तक राज्य में 510 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से करीब 61 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में आमतौर पर 316.7 एमएम बारिश होनी चाहिए। इसका असर खेती पर पड़ा रहा है। ज्यादा बारिश के कारण धान का 25 फीसदी से ज्यादा बिचड़े सड़ गए। ऐसे में अब धनरोपनी में संकट मंडराने लगा है। अगर ऐसे ही हालात रहे तो धान के उत्पादन पर असर पड़ना तय है। आकाशीय बिजली गिरने से प्रदेश में 12 लोगों की मौत हो गई। सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चतरा के लेम गांव में आकाशीय बिजली गिरने से गीता देवी की जान चली गई। वहीं लोवागडा की अनिता देवी की मौत हो गई और सविता देवी झुलस गईं। दोनों खेत में काम कर रही थीं।

उधर, गिरिडीह के सरिया के माधवाडीह गांव में खेत में आकाशीय बिजली गिरने से 18 साल के दस्तगीर आलम की मौत हो गई। गांडेय के गोराडीह में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 50 साल के झरी यादव की मौत हो गई। वहीं गिरिडीह के बेंगाबाद के बिजलीबथान में ठनके से अशोक महतो और उनकी पत्नी प्रमिला देवी झुलस गईं।

कोरोना में गई नौकरी, अब हर माह कमा रहे 1 लाख

शिमला मिर्च की खेती से दो दोस्तों ने संवारी जिंदगी, मिल रहे अच्छे भाव

जमशेदपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कोरोना महामारी ने देशभर में लाखों नौकरियां छीनीं, लेकिन कुछ लोगों ने इस चुनौती को अवसर में बदला। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है घाटशिला के गोहला गांव के दो दोस्त दिनेश शर्मा और अनु कुमार दास ने। दोनों ने शिमला मिर्च की खेती शुरू की और अब हर महीने 70 हजार से 1 लाख रुपए तक की कमाई कर रहे हैं।

दिनेश आईटी इंजीनियर थे, अनु भी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। कोरोना के समय दोनों की नौकरी चली गई। इसके बाद दोनों गांव आ गए। फिर दोनों ने खेती करने की ठानी और इंटरनेट से खेती की जानकारी ली। पता चला कि इलाके में शिमला मिर्च की खेती नहीं होती है, लेकिन इसकी अच्छी मांग है। हालांकि इलाके का

तापमान 40 से 45 डिग्री तक पहुंच जाता है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और खेती का फैसला लिया। दोनों दस्तों के खेती शुरू किए अभी केवल तीन महीने हुए थे कि उन्हें बेहतर परिणाम मिला। इससे वे बेहद उत्साहित हुए। इसके बाद दोनों खेती में पूरी तरह से रम गए। चूंकि पूर्वी सिंहभूम में शिमला मिर्च की खेती नहीं होती, इसलिए उन्हें बाजार में बेहतर दाम मिल रहे हैं। अनुकुमार दास ने बताया कि उन्हें पहले खेती का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन नियमित निगरानी और मेहनत ने आज उन्हें आत्मनिर्भर बना दिया है। हर डेढ़ से दो महीने में फसल तैयार हो जाती है। गोहला गांव के गुनुमय मिश्रा ने दोनों युवकों को खेती के लिए जमीन दी। उन्होंने बताया कि जब दोनों मेरे पास आए और बोले कि नौकरी छूट गई है, अब खेती करना चाहते हैं, तो मैंने जमीन दे दी। आज जब उनकी सफलता देखता हूं, तो गर्व होता है कि मेरे खेत में नया सपना पनप रहा है।

दिनेश ने बताया - नौकरी के दौरान कुछ पैसे बचाए थे। उसी से खेती शुरू की। सबसे पहले खेत में बोरिंग करवाई। पानी की व्यवस्था की।

गांव में ग्राउंडवाटर लेवल अच्छा है। तेज धूप और गर्मी से फसल को बचाने के लिए यह जरूरी था, इसलिए 900 स्क्वायर फीट में नेट हाउस बनाया।

चांदी की मूर्ति, कीमती सिक्के और 40 हजार कैश की चोरी

सूरजपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में चोरी का मामला सामने आया है। यह चोरी विश्रामपुर थाना क्षेत्र के 2ए कालोनी में की गई है। चोरों ने एक सुनें मकान को निशाना बनाया है, शुरुआती जानकारी के अनुसार यह मकान सीएम विष्णु देव साय के ओएसडी रवि मिश्रा का है। यहां उनके माता-पिता रहते हैं। दोनों दो दिन पहले अपने बेटे के पास रायपुर आए थे। इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दिया है।

चोरी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि चोरी की शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चोरों ने चांदी के लक्ष्मी गणेश की मूर्ति और 11 चांदी के सिक्कों सहित 40 हजार रुपये नकद चोरी करके ले गए हैं। पुलिस ने बताया कि सूने मकान में चोरी की वारदात हुई है। जिसमें हर एंगल से जांच पड़ताल की जा रही है और डाग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है।

एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैकरा ने चोरी के वारदात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला जा रहा है। वहीं, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस इलाके में चोरों के हौसले बुलंद हैं। यहां आए दिन छोटी से बड़ी चोरी की वारदात सामने आती हैं।

पुलिस की टीम के द्वारा कार्यवाही की जाती है लेकिन चोरी के वारदात कम नहीं हो रहें है।

छत्तीसगढ़ के प्रेम राजन रौतिया ने इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण पदक

सीएम साय से की मुलाकात

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एसबीकेएफ इंटरनेशनल गेम्स 2024 में स्वर्ण पदक विजेता पावरलिफ्टर प्रेम राजन रौतिया ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री साय ने उन्हें इस विशिष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

प्रेम राजन रौतिया महासमुंद जिले के पिथौरा के निवासी हैं। उन्होंने 31 अगस्त से 4 सितंबर 2024 तक नेपाल के पोखरा में

आयोजित एसबीकेएफ इंटरनेशनल गेम्स में अंडर-30 कैटेगरी में भाग लेते हुए 735 किलोग्राम भार उठाकर शानदार प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

उनकी इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और मजबूत उपस्थिति दिलाई है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, खेमराज बाकरे सहित मेहर रविदास समाज के अनेक प्रतिनिधिगण उपस्थित थे, जिन्होंने रौतिया को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कन्वेंशन हॉल के बड़े हिस्से का सीलिंग गिरने का मामला गरमाया

कोरबा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा में हाल ही में लोकार्पित किए गए देवी अहिल्याबाई होलकर कन्वेंशन भवन की सीलिंग भरभराकर गिर गई है, जिससे लगभग 17 करोड़ की लागत से निर्मित इस भवन की गुणवत्ता और निर्माण कार्य में हुए कथित भ्रष्टाचार पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

यह घटना लोकार्पण के मात्र एक महीने के भीतर हुई है। इस मामले में कलेक्टर अजीत वसन्त ने जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इस मामले में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल ने कोरबा में निर्मित "पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर" कन्वेंशनल हॉल में फॉल्स सीलिंग गिरने के मामले में दो अभियंताओं को निलंबित कर दिया है।

इस मामले में मण्डल के अपर आयुक्त ने जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें यह पाया गया कि भवन का निर्माण 23 अप्रैल 2024 को पूर्ण किया गया था और 8 जुलाई 2025 को अल्प समय में फाल्स सीलिंग का गिरना गंभीर तकनीकी खामी एवं गुणवत्ता में कमी को प्रमाणित करता है।इस मामले में सहायक अभियंता कांशी प्रकाश पैकरा और कार्यपालन अभियंता आर. के. दंदेलिया को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

बीजेपी विधायक खुशवंत साहेब पर हमले को लेकर सियासत

दीपक बैज ने कहा- कानून व्यवस्था जर्जर हो गई

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब के वाहन पर पथराव को लेकर सियासत तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने इस मामले में प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ गई है। दीपक बैज ने कहा खुशवंत साहेब की गाड़ी पर हमला हुआ। दो दिन पहले केंद्रीय मंत्री तोखन साहू का काफिला जनता ने रोक कर आक्रोश प्रकट किया, नारेबाजी किया।

उन्होंने कहा कि उसके तीन दिन पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के काफिले को जनता ने घंटों रोक रखा। यह घटनाये बताती है कि सरकार जनता में पूरी तरह अलोकप्रिय हो चुकी है। जनता

सरकार खिलाफ सड़को पर उतर रही है। यह घटना यह भी बताती है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था कितनी जर्जर हो चुकी है कि विधायक मंत्री भी सुरक्षित नहीं हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि हमने इस बात का प्रमाण प्रस्तुत किया था कि पूरे प्रदेश में डीएपी, यूरिया, एनपीके आदि की कमी है। सरकार का 11 तारीख को नैनो डीएपी खरीदने का विज्ञापन भी हमने सार्वजनिक किया था। बेहद दुखद है कि सरकार की तरफ से एक बार फिर झूठ बोला जा रहा कि पूरे प्रदेश में डीएपी एवं अन्य उर्वरक उपलब्ध है। जबकि हकीकत यह है कि आज भी किसान खाद के लिये परेशान है। सोसायटियों में खाद नहीं है। खाद की कालाबाजारी हो रही। हमारी मांग है कि सरकार के कृषि मंत्री खाद की उपलब्धता के आंकड़े सार्वजनिक करें।

दीपक बैज ने कहा कि सरकार के संरक्षण में पूरे प्रदेश में शिवा सट्टा ऐप का जाल प्रदेश के कोने-कोने में फैला हुआ है। अकेले खैरागढ़ में 20 करोड़ के लेन देने का खुलासा हुआ है। डबल इंजन की सरकार इस पर रोक क्यों नहीं लगा रही है? इस सट्टा एप का कमीशन किसके खाते में जा रहा है? इसके साथ ही डबल इंजन की सरकार बताये कि महादेव एप का सरगना सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल भारत कब लाया जायेगा?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश हर जिले में नकली शराब बिक रही। नकली होलाग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से शराब बेची जा रही है।

रायपुर, राजनांदगांव, डोगरगढ़, में नकली होलोग्राम लगाकर शराब बेचने की शिकायतें मिली थी। एक बार फिर अभनपुर में नकली शराब बेचने का मामला सामने आया है।

जब पूरे प्रदेश में शराब दुकानें सरकारी है। तब बिना सरकार के संरक्षण के यह संभव नहीं की नकली शराब बिके।

1000 करोड़ के जमीन घोटाले में अब किसकी फंसेगी गर्दन?

अगला नंबर किसका, कई अफसरों में खौफ

धनबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में धनबाद बोकारो सीमा से सटे वन भूमि घोटाला अभी और कई को लपेटे में लेगा। यही वजह है कि कई अधिकारियों के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगी है। चर्चा तेज है कि अगला नंबर किसका? 1000 करोड़ के इस भूमि घोटाले की जांच फिलहाल सीआईडी कर रही है। सीआईडी की टीम ने इस घोटाले से जुड़े दो कथित 'किंगपिन' को अरेस्ट भी किया है। इनसे पूछताछ की जा रही । इन दिनों की गिरफ्तारी के बाद इस घोटाले से जुड़े लोगों में इस बात का खौफ है कि कही सीआईडी के सामने उनका नाम न खुल जाए। अब यह चर्चा तेज है कि आगे अब क्या होगा? बोकारो के तेतुलिया में 100 एकड़ से अधिक वन भूमि को कथित फर्जी दस्तावेज बनाकर बेच दिया गया है। आरोप है कि भू - माफिया, अंचल कर्मी और बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों की मिलीभगत से यह सब किया गया है। इस जमीन को उपयोग में नहीं आने पर बोकारो स्टील प्लांट को वन विभाग को लौटाना था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जब मामले की चर्चा रांची तक पहुंची, तो डीजीपी ने जमीन घोटाले मामले की जांच सीआईडी को सौंप दिए। सीआईडी ने बोकारो सेक्टर -12 थाने में दर्ज केस को टेकओवर कर अपनी जांच शुरू की।

ट्रम्प बोले-पुतिन दिन में मीठी बातें, रात में बमबारी करते हैं

यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल भेजने का ऐलान, नाटो चीफ से जल्द मुलाकात करेंगे

वॉशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर नाराजगी जताई है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि पुतिन दिन में मीठा बोलते हैं और रात में सब पर बम बरसाते हैं। हमें यह पसंद नहीं। ट्रम्प ने ऐलान किया कि अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम देगा। इसके लिए ट्रम्प इस सप्ताह नाटो महासचिव मार्क रुटे से मुलाकात करेंगे।

ट्रम्प ने रविवार रात कहा, मैं नाटो महासचिव से मुलाकात कर रहा हूं। हम उन्हें उन्नत हथियार देंगे, और वे इसके लिए हमें 100% भुगतान करेंगे।

ट्रम्प के करीबी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कहना है कि युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर है। ट्रम्प यूक्रेन को रूस के खिलाफ सैन्य समर्थन देने के पक्ष में आ गए हैं। ग्राहम के मुताबिक, आने वाले दिनों में यूक्रेन को

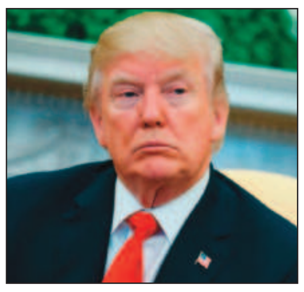

रिकॉर्ड स्तर पर हथियारों की आपूर्ति शुरू होगी।

उन्होंने कहा, "पुतिन की सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने ट्रम्प को हल्के में लिया। अब देखिएगा, कुछ ही हफ्तों में पुतिन पर भारी दबाव बनाया जाएगा।" पिछले हफ्ते ट्रम्प ने सोमवार को रूस को लेकर एक बड़ा ऐलान करने की बात कही थी। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "कल क्या होगा, यह कल ही देखेंगे।"

ट्रम्प ने गुरुवार को बताया था कि नाटो सहयोगियों और यूक्रेन के बीच अमेरिका से हथियारों की आपूर्ति को लेकर एक नया समझौता हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका 300 मिलियन डॉलर (2.5 हजार करोड़ रुपए) का पैकेज यूक्रेन को भेजने की तैयारी कर रहा है। इसमें पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और मीडियम रेंज के रॉकेट शामिल होंगे।

इसके साथ ट्रम्प ने कहा कि वे सोमवार को रूस को लेकर बड़ा बयान दे सकते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ये पहली बार होगा जब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल ड्रॉडाउन अथॉरिटी के तहत यूक्रेन को हथियार भेजने की अनुमति देंगे।

यह एक कानूनी तरीका है जो राष्ट्रपति को बुरे समय में अमेरिकी भंडार से सीधे हथियार भेजने की अनुमति देता है। इससे पहले ट्रम्प सरकार ने केवल पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा मंजूर किए गए हथियार ही यूक्रेन को भेजे थे।

यह हथियारों का नया समझौता अमेरिका, नाटो और यूक्रेन के बीच है। पहले अमेरिका सीधे यूक्रेन को हथियार भेजता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया नाटो के जरिए होगी। ट्रम्प ने कहा, हम नाटो को हथियार भेजेंगे, और नाटो इनका पूरा पैसा देगा। फिर नाटो इन्हें यूक्रेन को देगा।

यूक्रेन को 90 हजार करोड़ की मदद की वादा

इटली की राजधानी रोम में को यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए एक सम्मेलन हुआ था। इस सम्मेलन में यूक्रेन को 10 अरब यूरो (90 हजार करोड़ रुपए) की मदद का वादा किया गया।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इसकी जानकारी दी। यूरोपीय आयोग ने 2.3 अरब यूरो (लगभग 2.7 अरब डॉलर) की सहायता की घोषणा की।

जेलेंस्की ने इस सम्मेलन में कहा कि रूस की संपत्तियों का इस्तेमाल यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति बढ़ाने, संयुक्त रक्षा उत्पादन और निवेश की भी मांग की।

बांग्लादेश ने पीएम मोदी को 1000 किलो आम भेजे

यूनुस ने बरकरार रखी मैंगो डिप्लोमेसी, ममता को भी हरिभंगा आम गिफ्ट किए

ढाका, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 'हरिभंगा' किस्म के 1,000 किलोग्राम आम भारत भेजे हैं। इन्हें पीएम मोदी, भारत के राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को उपहार में दिए जाएंगे।

भारत के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश के तहत बांग्लादेश की इस पहल को 'मैंगो डिप्लोमेसी' कहा जा रहा है। इसके तहत अंतरिम सरकार ने न सिर्फ केंद्र सरकार को, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी हरिभंगा आम भेजे हैं। ये 300 किलोग्राम आम 60 डिब्बों में पैक करके गुरुवार शाम करीब 5:15 बजे अखौरा लैंड पोर्ट के जरिए भेजे गए।

बांग्लादेश में 'हरिभंगा' प्रीमियम आम माना जाता है। इनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है। भारत में इसे काफी पसंद किया जाता है। बांग्लादेशी अखबार डेली सन की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश उच्चायोग के

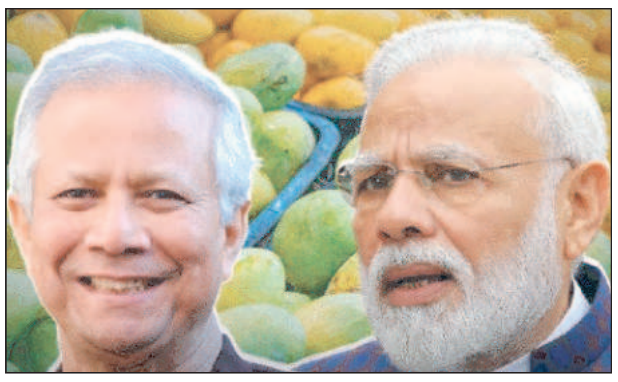

एक अधिकारी ने बताया कि ये आम सद्भावना के प्रतीक के तौर पर भेजे गए हैं और सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं। बांग्लादेश से भारत में आम भेजने की यह परंपरा नई नहीं है। पहले की सरकारें भी भारत को आम भेजती रही हैं। इस बार यह कदम खास इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। उनके हटने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में थोड़ी दूरी आ गई थी, क्योंकि हसीना भारत की करीबी मानी जाती थीं। ऐसे में सवाल उठ रहे थे कि क्या इस परंपरा को जारी रखा जाएगा या फिर यह बंद हो जाएगी।

हिल्सा मछली की सप्लाई पर लगी थी रोक

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पिछले साल सितंबर में भारत को हिल्सा मछली का निर्यात रोक दिया था। इसका मकसद घरेलू बाजार में हिल्सा मछली की आपूर्ति सुनिश्चित करना था। दुर्गा पूजा से पहले हर साल भारत आने वाली यह मछली न केवल स्वाद की वजह से मशहूर है, बल्कि भारत-बांग्लादेश रिश्तों की एक खास पहचान बन चुकी थी, जिसे 'हिल्सा डिप्लोमैसी' कहा जाता है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यह पहला मौका था, जब हिलसा निर्यात पर पूरी तरह रोक लगा दी गई।

बांग्लादेश हर साल दुर्गा पूजा से पहले 1,500 से 2,000 टन तक हिलसा मछली भारत भेजता रहा है। शेख हसीना सरकार के दौरान यह परंपरा शुरू हुई थी। यूनुस सरकार की इस पर रोक लगाने को भारत-बांग्लादेश के बीच आई कड़वाहट माना जा रहा था।

हालांकि, 21 सितंबर को बांग्लादेश ने इस रोक को हटा दिया था और 3000 टन हिल्सा मछली भारत भेजने की मंजूरी दी थी।

मैंगो डिप्लोमेसी का मतलब है- राजनीतिक या कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए आम जैसे फलों का इस्तेमाल 'उपहार' के तौर पर करना।

अमेरिका के लेक्सिंग्टन में चर्च में फायरिंग, दो महिलाओं की मौत

2 घायल, हमलावर भी मारा गया, एयरपोर्ट पर पुलिस अफसर को गोली मारकर भागा था

केंटकी, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के केंटकी राज्य के लेक्सिंग्टन में रविवार को एक चर्च में फायरिंग में दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों महिलाओं की उम्र 72 साल और 32 साल बताई जा रही है। इसके अलावा दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि दूसरे की हालत स्थिर है।

पुलिस ने बताया कि हमलावर को घटनास्थल पर ही मार गिराया गया। उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि अभी उसके परिवार को सूचना दी जानी बाकी है। हमलावर लेक्सिंग्टन के ब्लू ग्रास एयरपोर्ट पर एक पुलिस अधिकारी को गोली मारकर भागा था। इसमें पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। एयरपोर्ट पर फायरिंग से यात्रियों में भी दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि घायल पुलिस कर्मी ने सुबह 11:30 बजे ब्लू ग्रास एयरपोर्ट के पास चेकिंग के लिए एक कार रोकी थी। तभी कार सवार संदिग्ध ने उन्हें गोली मार दी। इसके बाद संदिग्ध वहां से भाग गया। उसने एयरपोर्ट से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक कार लूटी। वहां से लेक्सिंग्टन के रिचमंड रोड बैपटिस्ट चर्च भाग गया और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस चोरी की कार का लोकेशन ट्रैक करते हुए चर्च तक पहुंची और हमलावर को मार गिराया। अभी संदिग्ध का नाम औप उसकी उम्र पता नहीं चली है।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने फायरिंग क्यों की, यह अभी पता नहीं चल पाया है। लेकिन इस बात के शक है कि वह चर्च में मौजूद कुछ लोगों को पहले से जानता था। लेक्सिंग्टन पुलिस विभागीय नीतियों के अनुसार गोलीबारी की आंतरिक जांच होगी।

अमेरिका के मिनेसोटा में 14 जून को दो डेमोक्रेटिक सांसदों को उनके घरों में गोली मार दी गई थी। पहली घटना में डेमोक्रेटिक स्टेट रिप्रेजेंटेटिव मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति मार्क की मौत हो गई। वहीं, डेमोक्रेटिक स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी येवेट को कई गोलियां मारी गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गई थे। पुलिस ने बताया था कि हमलावर बंदूकधारी पुलिस अधिकारी का हुलिया बनाकर आया था। उसकी वर्दी असली पुलिस की तरह थी। पुलिस ने उसकी कार जब्त की थी।

भारत के बिना 'नया सार्क' मंजूर नहीं

नेपाल ने निभाई दोस्ती, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की नापाक चाल को बड़ा झटका

काठमांडू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को किनारे करके नया दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन यानि सार्क बनाने की चाल चल रहे पाकिस्तान, चीन और मोहम्मद युनूस के बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। नेपाल ने साफ कह दिया है कि वह नए सार्क को बनाए जाने के पक्ष में नहीं है। नेपाल इस समय सार्क का अध्यक्ष है और चाहता है कि सार्क को ही फिर से प्रासंगिक बनाया जाए और सदस्य भारत की पूरी भागीदारी हो। नेपाल में ही वर्तमान सार्क का सचिवालय है। इससे पहले पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की एक चीनी शहर में बैठक हुई थी। इसके बाद भारत को घेरने के लिए 'नए सार्क' के प्लान का खुलासा हुआ था। हालांकि बाद में पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसका नया सार्क बनाने का कोई इरादा नहीं है।

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने अभी तक नेपाल को इस नए सार्क में शामिल करने के लिए नहीं कहा है। इस पूरे मामले से जुड़े नेपाली सूत्रों का कहना है कि काठमांडू की चीन और पाकिस्तान के प्लान में शामिल होने की कोई इच्छा नहीं है। इससे पहले आखिरी सार्क शिखर सम्मेलन काठमांडू में 2014 में हुआ था। 19वां सार्क शिखर सम्मेलन साल 2016 में इस्लामाबाद में होना था। भारत को इसमें शामिल होना था लेकिन पाकिस्तानी आतंकियों के उरी हमले के बाद इस फैसले को स्थगित कर दिया गया।

चीन और पाकिस्तान दोनों मिलकर दक्षिण एशिया के अपने समर्थक देशों के साथ मिलकर एक नया ग्रुप बनाना चाहते हैं जिसमें भारत शामिल नहीं होगा। भूटान भारत का करीबी देश है तो उसके शामिल होने की संभावना नहीं के बराबर है। यह भी संभव है कि चीन और पाकिस्तान भूटान को न्योता नहीं दें।

लंदन के साउथेंड एयरपोर्ट पर टेकऑफ के बाद प्लेन क्रैश

जलते विमान का वीडियो वायरल, नीदरलैंड जा रहा था, सभी उड़ानें रद्द और एयरपोर्ट बंद

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लंदन के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित साउथेंड एयरपोर्ट पर रविवार को एक छोटा विमान टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्लेन जमीन से टकराते ही आग का गोला बन गया। हादसे के तुरंत बाद एयरपोर्ट को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है और सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक हादसा स्थानीय समयानुसार शाम करीब 4 बजे हुआ। हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या अब तक बताई नहीं गई है।

हादसे के कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर धधकती आग और काले धुएं की तस्वीरें वायरल हो गईं। वीडियो में देखा गया कि विमान जल रहा था और बचाव टीमें घटनास्थल की ओर भाग रही थीं।

प्रत्यक्षदर्शियों में शामिल 40

वर्षीय जॉन जॉनसन ने बीबीसी से बात करते हुए बताया कि टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद बाईं ओर झुका विमान, फिर पलटा और जमीन से टकरा गया।

उन्होंने कहा, हमने पायलट को मुस्कुराते देखा। प्लेन टेकऑफ की तैयारी में रनवे पर दौड़ता हुआ हमारे पास से गुजरा और कुछ ही सेकंड में उड़ गया। लेकिन तुरंत ही वह बाईं ओर झुकने लगा। मैंने पत्नी से कहा- ये सामान्य नहीं है। फिर अचानक प्लेन उल्टा होकर जमीन से जा टकराया। एक जबरदस्त धमाका हुआ और आग का एक बड़ा गोला बन गया।

डच एविएशन कंपनी ज्यूश एविएशन ने पुष्टि की है कि उसका विमान एसयूजड1 इस हादसे में शामिल था।

कंपनी ने बताया कि यह फ्लाइट ग्रीस की राजधानी एथेंस से क्रोएशिया के पुला शहर होते हुए साउथेंड पहुंचा था और वहां से नीदरलैंड के लेलीस्टाड एयरपोर्ट लौटने वाला था।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की पत्थरों से पीट-पीट कर हत्या

कपड़े उतारे, शरीर पर कूदे-नाचे, पांच हमलावर गिरफ्तार

ढाका, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। जहां, एक हिंदू कबाड़ व्यापारी की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। हमलावरों ने 9 जुलाई को मिटफोर्ड अस्पताल के पास कारोबारी लाल चंद सोहाग (39) को पहले ईंटों और पत्थरों से पीटा फिर सिर और शरीर बुरी तरह कुचल दिया।

भीड़ ने कारोबारी के कपड़े तक उतार दिए और कुछ हमलावर उनके शरीर पर कूदते-नाचते हुए देखे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा की वजह जबरन वसूली और कारोबारी विवाद को बताया जा रहा है। हालांकि, अभी घटना के पीछे का असल मकसद सामने नहीं आया है। घटना के बाद पूरे देश में भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। हत्या की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी के गठन की मांग को लेकर

वकील यूनुस अली अकंद ने रविवार को हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की।

मामले में 19 आरोपियों को नामजद किया गया है, और 15-20 अज्ञात भी शामिल हैं। पुलिस ने अब तक पांच लोगो को गिरफ्तार किया है। मामले की सुनवाई सोमवार को होगी।

घटना को लेकर लाल चंद की बहन मंजुआरा बेगम (42) ने गुरुवार को पुलिस थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई।

मामले में पुलिस ने महमूदुल हसन मोहिन, तारेक रहमान रॉबिन, आलमगीर, मोनिर और एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

घटना के बाद हत्या के दोषियों के लिए कठोर सजा की मांग को लेकर बीती रात कई विश्वविद्यालयों और कुछ जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए। रैलियों में स्टूडेंट ने बीएनपी पर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

छात्र फेडरेशन के अध्यक्ष सैकत आरिफ ने कहा, हसीना के सत्ता से हटने के बाद, बीएनपी नेता नियंत्रण के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जिसके कारण हत्याएं हो रही हैं। बीएनपी को लगता है कि निष्कासन ही काफी है, लेकिन हम मांग करते हैं कि दोषियों पर मुकदमा चलाया जाए।

बांग्लादेश में 19 अप्रैल, 2025 को अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भावेश चंद्र रॉय (58) को उनके घर से किडनैप किया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया था।

ईरान के विदेश मंत्री बोले- नेतन्याहू क्या फूंक रहे हैं

इजराइली पीएम ने कहा था- ईरान को लंबी दूरी की मिसाइलें नहीं बनानी चाहिए

तेहरान, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इजराइल प्रधानमंत्री का मजाक बनाया है। उन्होंने नेतन्याहू के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि नेतन्याहू क्या फूंक रहे हैं। (यानी किस चीज का नशा कर रहे हैं।)

दरअसल नेतन्याहू ने हाल में कहा था कि ईरान को 480 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली मिसाइलें नहीं बनानी चाहिए।

इसे लेकर अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर नेतन्याहू की आलोचना की और गाजा युद्ध से लेकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम तक इजराइल की नीतियों को विफल बताया।

अराघची ने नेतन्याहू के पुराने बयानों को याद दिलाते हुए लिखा, नेतन्याहू ने करीब दो साल पहले गाजा में जीत का दावा किया था। लेकिन नतीजा क्या निकला? युद्ध अपराधों के लिए गिरफ्तारी का वारंट और 2 लाख नए हमास लड़ाके।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इजराइल ने भले ही जंग में ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना मारा है, लेकिन उनकी 100 काबिल लोग तैयार हैं।

अराघची ने लिखा कि "नेतन्याहू ने सोचा था कि वह ईरान की 40 साल की परमाणु उपलब्धियों को मिटा देंगे। उन्होंने हमारे दर्जनों वैज्ञानिकों को मरवाया, लेकिन हर एक वैज्ञानिक ने 100 से ज्यादा काबिल शिष्य तैयार किए हैं। अब वही उन्हें जवाब देंगे।"

अराघची ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू अब अपनी सैन्य विफलताओं को छुपाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दौड़ लगा रहे हैं।

यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने 29 जून को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। उन्होंने कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है।

ग्रॉसी ने कहा- ईरान के पास 60% प्योर यूरेनियम का भंडार है, जो एटम बम बनाने के लिए काफी है। इस भंडार को अमेरिकी हमले से पहले हटा दिया गया था या फिर ये तबाह हो गया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। हमलों के बाद ईरान ने आईएईए को फोर्डो न्यूक्लियर साइट की जांच करने से रोक दिया था।

चीन का 'गुलाम' बना रूस का सरकारी मीडिया

बीजिंग, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का दोस्त रूस अब चीन और पाकिस्तान की भाषा बोलने लगा है। रूस उन शब्दों का इस्तेमाल करने लगा है, जिन शब्दों का इस्तेमाल भारत के ये दोनों 'दुश्मन' करते हैं। ताजा मामला भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के चीन के दौरे को लेकर है, जहां उन्होंने चीन के उप-राष्ट्रपति हान झेंग की मुलाकात की है। लेकिन इसके मीडिया कवरेज में रूसी मीडिया 'स्पुतनिक इंडिया' ने अपनी रिपोर्ट में अरूणाचल प्रदेश को लेकर नाकाबिल-ए-माफी शब्दों का इस्तेमाल किया है। 'स्पुतनिक इंडिया' के लेख में यानि 'भारत प्रशासित नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट ऑफ अरूणाचल प्रदेश' लिखा गया है। ऐसी भाषा का इस्तेमाल पाकिस्तान की मीडिया कश्मीर को लेकर करता है और 'भारत प्रशासित कश्मीर' लिखता है, लेकिन रूस से ऐसी उम्मीद नहीं थी।

ऑस्ट्रेलिया ने ट्रंप के धोखेबाजी का लिया बदला

अमेरिका-चीन युद्ध में सेना भेजने पर नहीं दिया भरोसा, क्वॉड- ऑकस खत्म होगा?

मेलबर्न, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया को परमाणु पनडुब्बी देने में आनाकानी कर रहे अमेरिका को ताइवान के मुद्दे पर बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया ने ताइवान को लेकर अगर कोई युद्ध चीन और अमेरिका में होता है तो इसमें वॉशिंगटन की मदद के लिए सेना भेजने से इंकार कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षामंत्री पैट कोनरोय ने कहा है कि वह अग्रिम में कोई वादा नहीं करेंगे। चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच परमाणु सबमरीन को लेकर ऑकस डील हुई थी। इस डील में लगातार देरी हो रही है और अमेरिका न्यूक्लियर सबमरीन देने में हीलाहवाली कर रहा है। चीन के दौरे पर पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज ने अमेरिका के सेना भेजने के किसी अनुरोध पर भरोसा देने से किनारा कर लिया है।

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही क्वॉड के सदस्य हैं जिसे चीन के खिलाफ बनाया गया है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने अमेरिका के दुविधा पर ही उल्टा निशाना साध दिया जसिमें कहा जा रहा है कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो अमेरिका अपनी सेना को भेजेगा या नहीं। एंथनी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया चाहता है कि इस इलाके में 'शांति और सुरक्षा' बनी रहे।

शारजाह में अनुष्ठान के दौरान घर में लगी आग

शाहजाह, 14 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में घर में आग लगने से एक भारतीय मूल की महिला की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, महिला गुरुवार की रात अपने अपार्टमेंट में कोई विशेष अनुष्ठान कर रही थी, इसी दौरान आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर महिला की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना शारजाह के अल मजाज इलाके की है, जब एक 11 मंजिला इमारत के आठवें तल पर स्थित अपार्टमेंट में भारतीय मूल की महिला कोई अनुष्ठान कर रही थी। इसी दौरान गलती से घर में आग लग गई। आग की चपेट में आकर महिला की मौत हो गई। महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। वहीं एक अन्य घटना में शारजाह में ही अल नाहदा इलाके में भारतीय मूल की महिला और उसकी नवजात बच्ची अपने घर में मृत पाए गए हैं। महिला केरल के कोल्लम से ताल्लुक रखती थी और दो साल पहले ही संयुक्त अरब अमीरात गई थी। महिला अपने पति के साथ यूएई गई थी, लेकिन पति से झगड़े के चलते बीते कुछ महीनों से अलग रह रही थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि नवजात बच्ची की दम घुटने से मौत हुई। ऐसे में माना जा रहा है कि महिला ने पहले बच्ची की तकिये से दम घोंटकर हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

अपहरण, लूट के बाद छिड़ी दो गुटों में जंग

सीरिया में एक छोटे से टकराव ने ली 30 की जान, सेना तैनात

दमिश्क, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक की मिलिशिया और सुन्नी बेदुइन कबीलों के बीच हुई हिंसक झड़पों ने एक बार फिर देश में अस्थिरता को उजागर कर दिया है।

इन झड़पों में अब तक 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 100 लोग घायल हुए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने सेना और आंतरिक मंत्रालय की टीमें मौके पर भेजी हैं।

यूके स्थित वॉर मॉनिटर 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' के मुताबिक, झड़पों की शुरुआत तब हुई जब एक ड्रूज सब्जी विक्रेता को एक बेदुइन कबीले ने अपहरण कर लूट लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच एक के बाद एक अपहरण और जवाबी हमले शुरू हो गए। यही हिंसा अब बड़े संघर्ष में बदल गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इन झड़पों में कम से कम 37 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। झड़पों में कई लोग घायल भी हुए हैं और स्थानीय अस्पतालों में इलाज जारी है। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए सेना की टुकड़ियों को सुरक्षा चौकियों पर तैनात किया गया है।

स्थिति नियंत्रण से बाहर- सरकार ने माना

सीरिया के गृह मंत्रालय ने इस हिंसा को 'खतरनाक स्थिति' बताया है। मंत्रालय ने कहा कि स्थानीय प्रशासन की अनुपस्थिति के कारण हालात बिगड़े हैं और आम लोग इसे नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। सरकार अब स्थिति को शांत करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

ड्रूज समुदाय सीरिया में एक धार्मिक अल्पसंख्यक है जिसकी जड़ें 10वीं सदी के इस्माइली शाखा से जुड़ी हैं। ये समुदाय मुख्य रूप से स्वैदा प्रांत और दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में रहता है। बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद से ड्रूज गुटों ने अपने हथियारबंद समूह बनाए और नई सरकार को लेकर अब भी उनमें गहरा संशय है।

कब होंगे निकाय-पंचायत और छात्रसंघ चुनाव?

सीएम स्तर पर चल रहा मंथन

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। शहरी और ग्रामीण सरकार संग छात्रसंघ चुनावों को लेकर सियासत तेज होती जा रही है। विपक्ष इन तीनों चुनाव को लेकर जुबानी हमले बोल रहा है तो सत्ता पक्ष भी पलटवार कर रहा है। उधर, छात्र नेता छात्रसंघ चुनाव को लेकर सड़कों पर उतर चुके हैं। लोकतंत्र की मजबूती में इन तीनों की भूमिका है।

राज्य सरकार प्रदेश में पंचायत और निकायों के चुनाव एक साथ कराने का एलान कर चुकी है। इससे चुनावी प्रक्रिया अटक गई है। चुनाव से पहले पंचायत और निकाय पुनर्गठन का काम धीमा चल रहा है। देरी पर मुख्यमंत्री स्तर पर भी मंथन चल रहा है। इस बीच जिन निकाय-पंचायतों के कार्यकाल खत्म हो चुके हैं, वहां प्रशासक लगाए जा चुके हैं। इसको लेकर पक्ष-विपक्ष के नेताओं के जुबानी हमले तेज हैं तो मामला हाइकोर्ट में भी पहुंच गया है।

पंचायत चुनाव

पंचायतराज संस्थाओं के पुनर्गठन व नवसृजन प्रस्तावों का प्रकाशन 4 जून को होना था, लेकिन जिला कलक्टरों की ओर से भेजे गए प्रस्तावों को लेकर कई जगहों से एतराज आए। जनप्रतिनिधियों ने जयपुर पहुंचकर प्रस्तावों पर आपत्तियां दर्ज कराई।

हाईकोर्ट पहुंचा मामला

हाईकोर्ट ने दायर याचिकाओं की सुनवाई में सरकार को निर्देश दिए थे कि पुनर्गठन प्रस्तावों की अन्तिम रिपोर्ट लागू करने से पहले न्यायालय के समक्ष रखी जाए। हाइकोर्ट ने 7 जुलाई की तारीख दी थी, लेकिन प्रस्तावों को अन्तिम रूप नहीं दिया जा सका। सरकार ने हाईकोर्ट से और समय मांगा। हाईकोर्ट ने 22 जुलाई तक अंतिम रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

बैठकों का दौर

पंचायतों के प्रस्तावों को लेकर विधायकों के एतराज आए। मामला उच्च स्तरीय समिति के साथ सीएम की निगरानी में चला गया। उच्च स्तरीय समिति की मुख्यमंत्री के साथ बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ।

वार्ड पुनर्गठन, सीमांकन अधूरा

नगरीय निकायों के वार्ड पुनर्गठन और परिसीमन का काम 15 मई तक पूरा किया जाना था, लेकिन 100 निकायों के कई वार्डों में सीमांकन अटका हुआ है। सरकार अब जुलाई अंत तक सीमांकन प्रक्रिया पूरी कर अधिसूचना जारी करने की योजना बनाने और अगस्त से मतदाता सूची का काम शुरू करने का दावा कर रही है।

यहां फंसा पेच

नवंबर 2023 में निर्धारित जनसंख्या के आधार पर वार्डों की संख्या तय की थी, लेकिन भौगोलिक परिस्थितियां जैसे पहाड़, नदी, सड़क आदि के कारण वार्डों में जनसंख्या असंतुलन सामने आया। वार्डों में आबादी तय मानकों से 15 से 26 प्रतिशत तक मिली। इससे सीमांकन में जटिलता आ गई।

111 निकाय में प्रशासक नियुक्त

सरकार ने प्रदेश के 111 नगरीय निकायों (नगर निगम, परिषद, पालिका) में बोर्ड का कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव कराने की बजाय प्रशासक नियुक्त किए हैं। प्रदेश में 140 नगरीय निकाय ऐसे हैं जिनका कार्यकाल दिसम्बर और जनवरी में खत्म होगा।

बोर्ड भंग किए बिना चुनाव की तैयारी

सभी निकायों में चुनाव एक साथ इसी वर्ष नवम्बर-दिसम्बर में कराने की तैयारी है। इसमें बड़ी बाधा 91 निकाय हैं जिनका कार्यकाल जनवरी व फरवरी 2026 में पूरा होगा। इन निकायों का बोर्ड भंग करना आसान नहीं है। विचार चल रहा है कि बोर्ड भंग किए बिना चुनाव करा लिए जाएं और कार्यकाल पूरा होने के बाद नए बोर्ड का गठन करें।

प्रदेश में छात्रसंघ चुनावों पर कांग्रेस-भाजपा दोनों ही सरकारों में रोक लगती रही है। अभी चुनाव पर 2023 से रोक लगी हुई है। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार ने छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा दी। इसके बाद सत्ता में भाजपा आ गई और चुनाव पर रोक अब तक जारी है।

2003 से 9 बार लग चुकी रोक

वर्ष 2003 के बाद अभी तक 9 बार छात्रसंघ चुनाव पर रोक लग चुकी। 2004 में छात्रसंघ चुनाव के बाद सबसे अधिक पांच साल तक रोक रही। इसके बाद 2010 में छात्रसंघ चुनाव शुरू हुए। 2018 तक लगातार चुनाव हुए, लेकिन इसके बाद दो साल फिर चुनाव बंद रहे। 2022 में कांग्रेस सरकार ने फिर छात्रसंघ चुनाव कराए।

जयपुर के प्रोजेक्ट मैनेजर का माली में अपहरण

पत्नी बोलीं– मोदीजी मेरा सुहाग वापस ला दीजिए

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के वैशाली नगर निवासी 61 वर्षीय प्रकाशचंद जोशी का पश्चिम अफ्रीकी देश माली में आतंकियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है। घटना को लेकर जोशी का परिवार बेहद आहत और भयभीत है। पत्नी सुमन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भावुक अपील करते हुए कहा कि वापस ले आओ मेरा सुहाग मोदी जी। इस हादसे से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और अब उन्हें बस भगवान और पीएम मोदी से ही उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार प्रकाश जोशी एक वरिष्ठ प्रोजेक्ट मैनेजर हैं और देश-विदेश की नामी सीमेंट कंपनियों के लिए काम कर चुके हैं। हाल ही में एक कंपनी द्वारा माली में शुरू किए गए सीमेंट प्लांट में उन्हें नियुक्त किया गया था। 30 मई को वह तीन महीने की ड्यूटी के लिए माली रवाना हुए थे और 5 जून को उन्होंने प्लांट में कार्यभार संभाला था।

1 जुलाई की शाम करीब 7 बजे सौ से ज्यादा हथियारबंद आतंकियों ने प्लांट पर हमला कर दिया और लूटपाट, आगजनी और तोड़फोड़ करते हुए पूरे प्लांट को तहस-नहस कर प्रकाश जोशी सहित दो अन्य भारतीयों को अगवा करके जंगलों की तरफ ले गए। हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन ने ली है। प्रकाश जोशी की परिवार से आखिरी बार बातचीत 30 जून को हुई थी। इसके बाद 2 जुलाई को कंपनी की ओर से उनके अगवा होने की सूचना दी गई। तब से ही परिवार में कोहराम मचा हुआ है। कुछ दिनों बाद तीनों बंधकों की एक फोटो जारी की गई, जिसमें वे जंगली इलाके में नजर आए। परिवार का कहना है कि 14 दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक कोई ठोस मदद नहीं मिल सकी है। हालांकि भारतीय दूतावास और कंपनी द्वारा आश्वासन दिया जा रहा है कि जल्द स्थिति संभलेगी लेकिन विदेश मंत्रालय की ओर से न तो कोई जवाब आया है और न ही कोई प्रतिक्रिया। अगवा किए गए प्रकाश जोशी की पत्नी सुमन जोशी और बड़ी बेटी चित्रा जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि हमें भरोसा है कि पीएम मोदी हमारे परिवार की आवाज जरूर सुनेंगे। उन्होंने पहले भी विदेशों में फंसे भारतीयों को बचाया है, आज हम भी उन्हीं से उम्मीद लगाए बैठे हैं। मेरी बस यही प्रार्थना है कि मोदी जी, मेरा सुहाग सुरक्षित वापस ले आइए। चित्रा जोशी, जो मुंबई में काम करती हैं, अपनी बीमार मां को संभालने के लिए जयपुर आ गई हैं। उनका कहना है कि दिन-रात डर का साया परिवार पर मंडरा रहा है। हर पल उन्हें अनहोनी की आशंका सता रही है। जयपुर के चित्रकूट रोड स्थित उनके घर में अब हर आहट पर नजरें दरवाजे की ओर जाती हैं। परिवार को पूरी आशा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में खुद हस्तक्षेप करेंगे और तीनों बंधकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करवाएंगे।

गंगाशहर बाइपास पर दर्दनाक हादसा

कार की टक्कर से 3 छात्रों की मौत

बीकानेर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर के गंगाशहर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में दो नर्सिंग स्टूडेंट्स सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा जोधपुर-जयपुर बाइपास पर सांगाणा टोल रोड के पास रात करीब एक बजे हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार और एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में खुमाराम (21) पुत्र रेवंतराम, निवासी शैतान सिंह नगर, लोहावट (फलोदी) और इंद्र कुमार (21) पुत्र अशोक कुमार, निवासी वार्ड तीन, श्रीकरणपुर (श्रीगंगानगर) शामिल हैं, जो दोनों पीबीएम अस्पताल के पास सरकारी नर्सिंग कॉलेज के चौथे वर्ष के छात्र थे। तीसरा मृतक अरविंद कुमार पुत्र हेतराम, निवासी घड़साना (श्रीगंगानगर) एक राहगीर था, जो हादसे की चपेट में आ गया।

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

जानकारी के मुताबिक खुमाराम और इंद्र कुमार रात को भोजन करने के बाद अपने किराए के कमरे पर बाइक से लौट रहे थे। तभी जोधपुर-जयपुर बाइपास पर सांगाणा टोल रोड के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कार के अगले हिस्से से जा टकराई, जिससे दोनों छात्र उछलकर सड़क पर गिर गए।

हादसे में राहगीर अरविंद कुमार भी कार की चपेट में आ गया। सड़क पर खून फैल गया और मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत तीनों घायलों को पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में अरविंद कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि खुमाराम और इंद्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी।

परिजनों के आने के बाद होगा पोस्टमॉर्टम

पुलिस ने बताया कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और उसका एयरबैग भी खुल गया था। नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल घनश्याम जांगिड़ ने बताया कि दोनों छात्र कॉलेज के बाहर किराए के कमरे में रहते थे और पढ़ाई में अच्छे थे। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को सूचित किया गया है। उनके बीकानेर पहुंचने पर शवों का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

आईएएस टीना-रिया डाबी की मां ने भी क्रैक किया था यूपीएससी एग्जाम!

कौन हैं एनआईटी टॉपर हिमाली डाबी?

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आज पूरे भारत में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की AIR 1 टॉपर रहीं आईएएस टीना डाबी और उनकी बहन आईएएस रिया डाबी का नाम किसी पहचान का मोहताज नहीं है। उन्होंने साल 2016 में UPSC परीक्षा में टॉप करके इतिहास रच दिया था और तब से वे लाखों युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन चुकी हैं। लेकिन इस सफलता की चमक के पीछे एक ऐसी शख्सियत खड़ी है, जिन्होंने अपनी बेटी के सपनों को अपनी प्राथमिकता बना लिया और वो हैं टीना की मां हिमाली डाबी। यहां जानिए उनकी सक्सेस स्टोरी।

हिमाली डाबी खुद भी एक यूपीएससी क्रैक करने वाली महिला हैं। वे आईईएस (इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज) की अफसर थीं और उन्होंने भोपाल के मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और वह अपने कॉलेज की टॉपर स्टूडेंट रही हैं। अपने समय में वे हमेशा टॉपर रहीं, और सरकारी सेवा में उनका करियर शानदार था।

जब उनकी बेटी टीना ने यूपीएससी की तैयारी करने का फैसला किया, तो हिमाली ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसके बारे में आम तौर पर कोई सोच भी नहीं सकता। उन्होंने सिर्फ अपनी बेटी की तैयारी में उसका साथ देने के लिए अपनी सफल नौकरी छोड़ दी। हिमाली डाबी ने अपनी बेटी टीना की हर जरूरत को समझा, उसे मानसिक और भावनात्मक सहारा दिया, और हर कदम पर उसे रास्ता दिखाया। वह जानती थीं कि एक छात्र को कितने उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है, क्योंकि वह खुद उसी रास्ते से गुजर चुकी थीं।

टीना डाबी राजस्थान के जैसलमेर जिले की जिलाधिकारी और मजिस्ट्रेट हैं। उनकी यह यात्रा केवल उनकी मेहनत की नहीं, बल्कि उस मां के त्याग की भी कहानी है, जिसने अपनी बेटी के सपने को अपना सपना बना लिया। हिमाली डाबी निस्वार्थ प्रेम और मां की ताकत का प्रतीक हैं।

टीना के बाद हिमाली डाबी की दूसरी बेटी रिया ने भी आईएएस परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की। रिया डाबी ने साल 2020 में 15वीं रैंक के साथ यूपीएससी परीक्षा पास करके 2021 से बतौर सिविल सर्वेंट अपने करियर की शुरुआत की।

यह कहानी सिर्फ एक टॉपर की नहीं है, बल्कि यह उस अदृश्य शक्ति की है जो हर सफल इंसान के पीछे होती है - 'परिवार'। यह हमें सिखाती है कि जब मां-बाप अपने बच्चों पर विश्वास करते हैं, तो वे किसी भी ऊंचाई को छू सकते हैं।

ऐसे में अगर आप भी UPSC या किसी बड़ी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो मेहनत के साथ-साथ अपने परिवार के समर्थन को भी साथ रखें।

'बिजली काट के दिखाओ' हनुमान बेनीवाल की चुनौती के बाद ऊर्जा मंत्री की बढ़ेंगी मुश्किलें!

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार की नाक में दम करने वाले नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल लगातार हमलावर बने हुए हैं। बीते दिनों उनके घर का बिजली कनेक्शन काट दिया गया। इसको लेकर काफी बवाल भी हुआ। इधर, बेनीवाल को ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को घेरने का सॉलिड मौका मिल गया है। इसको लेकर बेनीवाल ने ऊर्जा मंत्री के 217418 रुपये का बिल बकाया होने का दावा किया। साथ ही घेरते हुए पूछ लिया 'क्या अब सरकार इतना बिल होने के बाद ऊर्जा मंत्री का कनेक्शन काटेगी?' बेनीवाल ने ऊर्जा मंत्री को 'ठेका मंत्री' कहकर कई गंभीर आरोप भी लगाए। इधर, बेनीवाल के बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच गई है।

बता दें कि बीते 2 जुलाई को नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल के आवास का बिजली कनेक्शन काट दिया गया। उन पर करीब 11 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया चल रहा था। इधर, बेनीवाल ने ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के बकाया बिजली बिलों को लेकर उनको जमकर घेरा है। बेनीवाल ने कहा कि ऊर्जा मंत्री के 217428 रुपये का बिल बाकी है, इस बिल की प्रति बेनीवाल ने मीडिया को भी दिखाई। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री के ज्योति नगर स्थित विधायकों के फ्लैट में बी-2 में 401 और 402 नंबर में दो फ्लैट ले रखे हैं। अस्पताल रोड पर भी उन्हें चार नंबर बंगला मिला हुआ है। जिसमें वह दो करोड़ रुपये का काम करवा रहे हैं। क्या सरकार अब उनके बकाया बिजली बिलों को लेकर कनेक्शन काटेगी?

ऊर्जा मंत्री को बताया 'ठेका मंत्री'

अपने तीखे बयानों के कारण सुर्खियों में रहने वाले बेनीवाल ने ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने यहां तक कि उन्हें ठेका मंत्री कह दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि स्मार्ट मीटर के नाम पर बड़ा कमीशन ऊर्जा मंत्री और अन्य लोगों को दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऊर्जा मंत्री ने दो फ्लैट का बकाया बिल सरकारी खाते से जमा करवाए है, लेकिन जब चार नंबर के सरकारी बंगले का बिल भी उन्होंने सरकारी खजाने से करवाना चाहा, तो कोषागार ने इससे इनकार कर दिया है।

भरतपुर संभाग में मूसलाधार बारिश, जनजीवन अस्त-व्यस्त

भरतपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर संभाग में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संभाग के अधिकांश नदी नालों एवं बांधों के लबालब होने के बाद की जा रही जलनिकासी से ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह जलभराव होने से बाढ़ जैसे हालात हैं। तेज बारिश और बांधों से जलनिकासी की वजह से खेत जलमग्न हो गये हैं, इससे हाल ही में बोयी गयी बाजरे की फसलें खराब हो गयी।

भरतपुर जिले के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात

भरतपुर में बारैठा बांध में पानी की आवक चेतावनी स्तर पर पहुंचने के बाद देर रात उसके तीन द्वार खोल दिए गए। इससे भरतपुर जिले के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों के अवरुद्ध हो जाने से लोग घरों में कैद हैं। करौली स्थित सबसे बड़े पाँचना बांध के दो द्वार खोलकर जलनिकासी की जा रही है। साथ ही करौली के अन्य कई बांध भी छलकने लगे हैं। धौलपुर के सैपऊ में पार्वती नदी उफान पर है।

फार्म हाउस में चल रही थी नशे और जुए की महफिल

पुलिस ने छापा मारकर 50 रईसजादों को गिरफ्तार किया

जोधपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने शनिवार देर रात बोरानाडा थाना क्षेत्र के गंगाना रोड स्थित एक फार्म हाउस पर छापा मारकर अवैध कैसीनो और अय्याशी के अड्डे का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से 50 युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अधिकतर उच्चवर्गीय परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। बताया जा रहा है कि फार्म हाउस में अवैध रूप से कैसीनो चलाकर जुआ और नशे का सामान उपलब्ध कराया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 5.69 लाख रुपये नकद, 5 लाख रुपये मूल्य के कैसीनो कॉइन, 91 ग्राम अफीम, 63 मोबाइल फोन, 23 लग्जरी गाड़ियां, 4 हुक्का बार, 20 हुक्का फ्लेवर पैकेट, बीयर की बोतलें और अन्य नशीली सामग्री बरामद की।

यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर राजेन्द्र सिंह के निर्देश पर की गई। एसीपी आनंद राजपुरोहित, एडीसीपी निशांत भारद्वाज और विवेक विहार थानाधिकारी दिलीप खदाव टीम का नेतृत्व कर रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फार्म हाउस पर बड़े पैमाने पर जुआ खेला जा रहा है। अचानक पड़े छापे के दौरान अफरा-तफरी मच गई। कई युवक छत और दीवारों पर चढ़कर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने उन्हें चेताया कि ऊंचाई से गिरकर वे घायल हो सकते हैं। इसके बाद सभी को सुरक्षित नीचे उतारा गया।

पूछताछ में सामने आया है कि इससे पहले ऐसी पार्टी आगरा में आयोजित की गई थी और इस बार आयोजन जोधपुर में किया गया। फार्म हाउस को किराए पर लेकर पार्टी का आयोजन संतोष लोहिया नामक युवक द्वारा किया गया था, इसमें विभिन्न राज्यों से युवक शामिल हुए थे। गिरफ्तार युवकों में बड़ी संख्या में जोधपुर के स्थानीय युवक शामिल थे। जैसे ही खबर फैली, थाने के बाहर परिजनों और परिचितों की भीड़ लग गई। कई युवक मीडिया को देख चेहरे छुपाने लगे, जबकि बाहर से आए युवक अफसरों से विनती करने लगे कि उन्हें जल्द छोड़ा जाए क्योंकि उन्हें विदेश यात्रा पर जाना है।

गलवा नदी की रपट पर बही ट्रैक्टर-ट्रॉली

20 मीटर दूर मिला चालक का शव

सवाई माधोपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चौथकाबरवाड़ा तहसील क्षेत्र के जगमोदा-शेरसिंहपुरा मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया। यहां गलवा नदी की रपट पार करते समय एक ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई। साथ में चालक भी तेज बहाव में बह गया। रातभर चले सर्च ऑपरेशन के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। एसडीआरएफ टीम ने युवक का शव रपट से करीब 20 मीटर दूर से बरामद किया। मृतक की पहचान रिंकेश उर्फ गोलू मीणा (18) पुत्र गुलकेश मीणा निवासी कुस्तला के रूप में हुई है। थाना प्रभारी हीरालाल मीणा ने बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे रिंकेश उर्फ गोलू ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर जगमोदा से शेरसिंहपुरा की ओर जा रहा था। इस दौरान गलवा नदी की रपट पर पानी का बहाव तेज था। रपट पार करते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली पानी में बह गई।

'उधार में सामान नहीं मिलेगा' दुकानदार को बस इतना कहना पड़ गया भारी

भरतपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में एक दुकानदार को उधार में सामान देने से मना करना महंगा पड़ गया। इसके कारण उसे अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। दरअसल, परचून की दुकान पर कुछ लोग उधार में सामान लेने की बात पर अड़ गए। इस पर जब दुकानदार ने मना किया, तो आरोपियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इधर, घटना के बाद भरतपुर के फुलवारा गांव में सनसनी फैल गई। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को भी डिटेन कर लिया है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। हैरान कर देने वाली यह घटना भरतपुर के चिकसाना थाना क्षेत्र के फुलवारा गांव से सामने आई। जानकारी के अनुसार चार-पांच लोग दुकान पर आए। उन्होंने दुकान से सामान उठाया। इस पर परचून दुकान मालिक अशोक ने पैसे देने के लिए कहा तो वह सब भड़क गए। विवाद बढ़ने पर उनमें से एक आरोपी ने अशोक पर फायर कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान फायरिंग की घटना के बाद लोगों में दहशत फैल गई। इधर, पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंच गई। इधर, घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने घायल अशोक (45) को तत्काल आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान अशोक ने दम तोड़ दिया। इधर, मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर चिकसाना थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों में आपसी विवाद हुआ था। शराब के नशे में कहासुनी एवं मारपीट हुई। पुलिस ने घटना में लिप्त सभी चार आरोपियों की पहचान कर ली गई है। इनमें एक मुख्य आरोपी को डीएसटी टीम ने डिटेन कर लिया है। शेष तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

तेज बहाव में बहे लड़का-लड़की

डेढ़ घंटे तक पकड़े रहे पेड़ की डाल, तब बची जान

भीलवाड़ा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के बिजोलिया कस्बे में रात से ही शुरू हुआ बरसात का दौर दोपहर तक जारी रहा। इसके चलते विंध्यवासिनी मंदिर में 4 फीट पानी भर गया। पानी के भराव के चलते मंदिर में माता की प्रतिमा की मात्र आंखें ही नजर आ रही थी। वहीं दिगंबर जैन पारसनाथ तीर्थ क्षेत्र में भी पानी भर गया। उधर बिजोलिया कस्बे के भीलवाड़ा मार्ग पर स्थित दाई बाईं नदी में पानी का बहाव बढ़ गया। पानी वहां नदी पुलिया के ऊपर से तेज बहाव से बहने लगा। इस दौरान उधर से गुजरते एक लड़का-लड़की पानी में बहने लगे। आगे जाकर उन्होंने वहां एक पेड़ की डाल को पकड़ लिया जिससे उनकी जान बच सकी। लगभग डेढ़ घंटे तक वे वहीं पेड़ की डाल को पकड़े रहे।

2047 का विजन दस्तावेज फिल्म उद्योग के विकास में क्रांति लाएगा : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार तेलंगाना के समग्र विकास पर केंद्रित 2047 के लिए एक विज़न दस्तावेज़ तैयार कर रही है, जिसमें फिल्म उद्योग पर केंद्रित एक समर्पित अध्याय होगा।

सोमवार को रामोजी फिल्म सिटी में लघु फिल्म परियोजना 'श्रीमद्भागवतम् भाग-1' के उद्घाटन के दौरान, रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार की 2047 तक अर्थव्यवस्था को 3 ट्रिलियन तक बढ़ाने की योजना पर टिप्पणी की, जिसका लक्ष्य 2035 तक 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था तक पहुंचना है। उन्होंने कहा, इस प्रयास के तहत, हम 2047 के विज़न दस्तावेज़ की योजनाएं तैयार कर रहे हैं, जिसमें फिल्म उद्योग का विकास भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवतम् पर आधारित फिल्म बनाने की पहल के लिए फिल्म टीम की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, चालीस साल पहले, रामायण श्रृंखला ने इस महाकाव्य को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया था। कोविड महामारी के दौरान रामायण के हालिया पुनः प्रसारण ने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया। मुझे उम्मीद है कि फिल्म श्रीमद्भागवतम् भाग-1 भी इसी तरह की सफलता हासिल करेगी।

संगारेड्डी में लिफ्ट गिरने से 14 महिला कर्मचारी घायल

संगारेड्डी, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आर.सी.पुरम मंडल के बीरमगुडा कमान में सोमवार दोपहर केबल तार टूटने से क्षमता से अधिक लोगों से भरी एक लिफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में 14 महिलाएं घायल हो गईं, जबकि 10 को गंभीर चोटें आईं। पीड़ितों के अनुसार, ये महिलाएं एक कपड़े के शोरूम में काम करने के लिए आई थीं, जिसका उद्घाटन होने वाला था। तीसरी मंजिल से केबल का तार टूटकर भूतल पर गिर गया। कई महिलाओं के पैर फ्रैक्चर हो गए। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस बीच, पीड़ितों के परिजनों ने दुकान मालिक पर कार्यस्थल पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने न्याय की मांग की है।

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट 22 रन से जीता

193 रन नहीं बना सका भारत, सीरीज में 1-2 से पिछड़ा, आर्चर-स्टोक्स को 3-3 विकेट

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट में भारत को 22 रन से हरा दिया। सोमवार को मैच के 5वें दिन भारत को 135 रन बनाने थे, 6 विकेट बाकी थे। टीम ने 112 रन बनाने में ही सभी विकेट गंवा दिए। इसी के साथ इंग्लैंड ने 5 टेस्ट की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त बना ली। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा।

गुरुवार, 10 जुलाई को लंदन में इंग्लैंड ने बैटिंग चुनी। दोनों टीमें पहली पारी में 387-387 रन ही बना सकीं। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 192 रन बनाए। 193 रन के टारगेट के सामने भारत से केएल राहुल (39 रन) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 61 रन) ही फाइट दिखा सके। बाकी कोई भी बैटर 15 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका। इंग्लैंड से बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर ने 3-3 विकेट लिए। बेन स्टोक्स प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

छात्र नशे पर नियंत्रण में अहम भूमिका निभाएं : एसपी

आसिफाबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नशे पर नियंत्रण के तहत जिला पुलिस विभाग के तत्वावधान में केरामेरी मंडल स्थित मोदी आश्रम स्कूल में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा- नशा व्यक्तिगत जीवन, परिवार और भविष्य को नष्ट कर देता है। छात्रों और युवाओं को इस खतरनाक जाल में न फंसने के प्रति सावधान रहना चाहिए। छात्रों को अपने लक्ष्य स्पष्ट रखने चाहिए और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। केवल अच्छी आदतें और अच्छा अनुशासन ही हमारे जीवन को सकारात्मक रूप से बदल सकता है। साथ ही, छात्रों को नशे के सेवन, उसके प्रभावों और शारीरिक व मानसिक नुकसान के बारे में व्यापक जागरूकता प्रदान की जा रही है। एसपी ने बताया कि पुलिस विभाग विद्यार्थियों के प्रति सदैव समर्पित है और आवश्यक सलाह व सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी रैगिंग, छेड़छाड़ या साइबर अपराध का शिकार होते हैं, तो उन्हें तुरंत पुलिस से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी या उनके अभिभावक नशे के बारे में कुछ भी जानते हैं, तो उन्हें तुरंत सूचित करना चाहिए। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। बाद में, एसपी ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर स्कूल परिसर में अमरूद का पौधा लगाया। इस कार्यक्रम में एमईओ प्रकाश, वानकीडी सीआई सत्यनारायण, केरीमेरी एसआई मधुकर, पटेल आत्राम लक्ष्मण, स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रेमदास, स्कूल के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने रेल संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की और दक्षिण मध्य रेलवे पर किए जा रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की स्थिति की जांच की। नीरज अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों, अर्थात् सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 119 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र के 119 स्टेशनों पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। 6744 करोड़ (जिनमें से 3 स्टेशनों बेगमपेट, वारंगल और करीमनगर पर कार्य पूरे हो चुके हैं और हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा उनका उद्घाटन किया गया है)। मुख्यालय और छह मंडलों के संबंधित अधिकारियों ने अपने मंडल से संबंधित पुनर्विकास के लिए चिन्हित स्टेशनों, परियोजना लागत, पूरा होने की लक्षित तिथि और कार्य की वर्तमान स्थिति पर एक विस्तृत पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। महाप्रबंधक ने पूरे मंडल में बड़े उन्नयन के लिए किए जा रहे स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कार्यों की समान गति बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों और कार्यों की गुणवत्ता का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यात्रियों को किसी भी असुविधा के बिना, प्रत्येक कार्यस्थल पर उचित सावधानियां बरती जानी चाहिए। बैठक के दौरान, संजय कुमार ने मंडल भर के समपार फाटकों पर अपनाई जा रही सुरक्षा सावधानियों की समीक्षा की। उन्होंने चिन्हित संवेदनशील समपार फाटकों पर

विशेष जोर दिया और अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, कर्मचारियों को परामर्श देने और सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने पटरियों की सुरक्षा, उपकरणों की उपलब्धता आदि से संबंधित क्षेत्र द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने अग्नि सुरक्षा उपायों, ट्रैक सुरक्षा, विद्युत और सिग्नलिंग, यांत्रिक उपकरणों और मानसून संबंधी सावधानियों की भी समीक्षा की।

मैनेजमेंट और मनी पावर बढ़ाएं : श्री चन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि सफलता पाने के चार आधार स्तंभ हैं- मेन पावर, मैनेजमेंट पावर, मनी पावर और मोरल पावर। अगर हमें जीवन की बाजी जीतनी है तो दूसरों से जुडना और दूसरों को जोडना सीखना होगा। अगर हमारा किसी से रिश्ता टूटा हुआ है तो आज से ही उसे साध लें। याद रखें, भले ही गंदा पानी पीने के काम नहीं आता, पर आग लग जाए तो उसे बुझाने के काम जरूर आता है। मेवों में जो महत्त्व पिस्ते का होता है जीवन में वही महत्व रिश्ते का होता है।

वे सोमवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित 53 दिवसीय प्रवचनमाला में आठवें दिन पावरफुल बनने के सीक्रेट विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर हम अपना काम 10 लोगों में बांटकर करते हैं तो हमारी ताकत 100 गुना बढ़ जाएगी। आज सबसे पहले धर्म और समाज के क्षेत्र में मैनेजमेंट लागू करने की जरूरत है। हम लोग 5 करोड़ की लागत से धर्मशाला तो बनवा देते हैं, पर उसकी साफ-सफाई के लिए 5000 का खर्चा भी नहीं कर पाते हैं परिणाम 5 करोड़ बेकार हो जाते हैं।

संतप्रवर ने कहा कि समाज का हर भाई अमीर बने। गरीबों को

कोई नहीं पूछता। घर की महिलाएं केवल घर के कामकाज तक सीमित न रहें वरन कुछ घंटे व्यापार करें। नौकरी की बजाय व्यापार करें। याद रखें, जिन्हें अपने काम पर विश्वास होता है वे जॉब करते हैं जिन्हें अपने आप पर विश्वास होता है वे व्यापार करते हैं। जॉब करने वाला जीवन भर नौकर रहता है, पर व्यापार करने वाला सैकड़ों लोगों को नौकरियाँ देता है।

हम नैतिक तरीके से धन कमाएं। शोषण कर कमाया गया पैसा पाप है। अनीति का पैसा हमारे घर में नहीं आना चाहिए। गलत काम करके आप पत्नी को तो हीरे की चूड़ी पहना दोगे लेकिन जिस दिन आपके हाथ में लोहे की हथकड़ी आ जाएगी तो उस दिन क्या करोगे। सबसे बड़ा धर्म है- नैतिक जीवन जीने का संकल्प लेना। भलाई हमेशा सफेद धन से करना ताकि आपको वापस शुद्ध धन ही सौ गुना होकर के प्राप्त हो सके। प्रवचन से प्रभावित होकर सैकड़ों सगे भाई और देवरानी जेठानी ने मंच पर आकर एक दूसरे को गले लगाया, जिसे देखकर पूरा पंडाल हुआ आनंद विभोर हो गया।

इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय जी ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई। गुरु भक्ति पर शेखर बैद द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया।

सोमवार को 12 दिवसीय सामूहिक तप और आराधना के दूसरे दिन 375 आराधक श्रद्धालु अरिहंत पद की आराधना और साधना करते हुए एकासना किया। इसके अंतर्गत राष्ट्रसंतों के द्वारा सामूहिक देव वंदन, चैत्य वंदन, अरिहंत पद का जाप, मेडिटेशन, गुणों की आराधना करवाई गई। शाम को 7 बजे पंडाल के बाहर कॉलेज भवन में गुरुजनों के द्वारा प्रतिक्रमण की आराधना करवाई गई।

कार्यक्रम में संघ संरक्षक विमल नाहर, अध्यक्ष मोतीलाल भलघट, उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराना, कार्य अध्यक्ष अमित मुनोत, पवन पांडया, नवरतन मल गुंदेचा, अशोक नाहर, मानक चंद्र पोखरणा, विमल चंद मूथा, रोमिल गोलेछा, महावीर भलगट विशेष रूप से उपस्थित थे।

तेलंगाना के सरकारी स्कूलों को ताला लगाने की धमकी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। छोटे बजट के ठेकेदारों ने धमकी दी है कि यदि राज्य सरकार 'माना ऊरू-माना बड़ी' कार्यों से संबंधित उनके लंबित बिलों का भुगतान करने में विफल रहती है तो वे सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों को ताला लगा देंगे। सोमवार को राज्य भर से बड़ी संख्या में ठेकेदारों ने हैदराबाद स्थित स्कूल शिक्षा निदेशालय पर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और बिलों के भुगतान के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम जारी किया। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, सरकार 'अम्मा आदर्श पाठशालाओं' के बिल तो चुका रही है, लेकिन 'माना ऊरू-माना बड़ी' के बिल पिछले कई महीनों से लंबित रखे हुए है। उन्होंने बताया कि 1,000 करोड़ रुपये के काम पूरे हो चुके हैं, लेकिन 300 करोड़ रुपये के बिल पहले ही बन चुके हैं।

कथित पक्षपात की आलोचना करते हुए, ठेकेदारों ने अफसोस जताया कि सरकार के पास बड़े ठेकेदारों के लिए आसानी से धन उपलब्ध है, जैसे कि बड़ी परियोजनाएं संभालने वाले ठेकेदारों के लिए, लेकिन स्कूल के बुनियादी ढांचे के काम करने वाले छोटे ठेकेदारों को भुगतान करने में विफल रही। वारंगल के एक ठेकेदार, अजमेरा जवाहरलाल ने कहा कि अगर राज्य सरकार 15 दिनों में बिलों का भुगतान नहीं करती है, तो अगले दिन हम उन स्कूलों में तालाबंदी कर देंगे जहां बिल बकाया हैं। हम शिक्षकों और छात्रों को स्कूल में प्रवेश नहीं देंगे। हम अपने परिवार के सदस्यों के साथ स्कूलों में विरोध प्रदर्शन करेंगे। हमने स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. नवीन निकोलस को एक ज्ञापन दिया है। पिछली बीआरएस सरकार ने तेलंगाना के 9,000 सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में 'माना ऊरू-माना बड़ी' कार्यक्रम शुरू किया था। 1,000 से ज़्यादा छोटे बजट के ठेकेदारों ने इन स्कूलों में विकास कार्य किए।

सरकारों के बीच संक्रमण काल में कुछ परियोजनाएं पूरी तो हुईं, लेकिन कई अधूरी ही रहीं। कांग्रेस सरकार आने के बाद भी, कई ठेकेदारों ने इस उम्मीद में लंबित काम पूरे किए कि नई सरकार उनके बिलों का भुगतान कर देगी। लेकिन पिछले कई महीनों से बिल लंबित होने के कारण वे अधर में लटके हुए हैं।

हरीश राव ने गुरुकुलों में खतरनाक संकट के लिए कांग्रेस सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने तेलंगाना भर के गुरुकुल आवासीय कल्याण विद्यालयों की बिगड़ती स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया है। कई छात्रों की मौत, आत्महत्या और फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाओं का हवाला देते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा, कांग्रेस के 20 महीने के शासनकाल में 93 छात्रों की मौत दुखद है और प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने और तेलंगाना की गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की कभी प्रशंसित प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

एक बयान में, हरीश राव ने हाल की कई घटनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें हनमकोंडा में महात्मा ज्योतिबा फुले बॉयज गुरुकुल स्कूल में एक छात्र की आत्महत्या, यादाद्री-भुवनगिरी जिले में तूप्रानपेट बीसी गर्ल्स गुरुकुल स्कूल में एक और आत्महत्या और नलगोंडा में देवरकोंडा एसटी गर्ल्स गुरुकुल स्कूल में भोजन विषाक्तता का मामला शामिल है, जहां 15 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेडचल जिले के शमीरपेट स्थित बीसी गुरुकुल स्कूल में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उन्हें कीड़ेयुक्त चावल परोसा जा रहा है।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि इस संकट के लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और उन पर गुरुकुलों की निगरानी करने तथा गुणवत्तापूर्ण भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मेस शुल्क के समय पर भुगतान के लिए किए गए वादे को पूरा न करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने पूछा, छात्रों को अधपका चावल, पानी जैसा सूप और घटिया भोजन परोसा जा रहा है। क्या सरकार अपने छात्रों को खाना खिलाने में असमर्थ है? उन्होंने आगे कहा, लाखों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के बच्चों का भविष्य अब खतरे में है।

अनिश्चित सिंचाई जल आपूर्ति के कारण तेलंगाना में बुवाई का काम धीमा

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कम बारिश और सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति की अनिश्चितता के कारण तेलंगाना में चालू वानाकालम (खरीफ) सीज़न में बुवाई का काम धीमा पड़ गया है। अभी तक सामान्य फसल क्षेत्र के केवल 42.48 प्रतिशत हिस्से में ही खेती हो पाई है, जिससे किसान समुदाय में चिंताएं बढ़ गई हैं। अपेक्षित 132.44 लाख एकड़ में से, केवल 56.26 लाख एकड़ में ही फसल बोई गई है, जो पिछले साल इसी अवधि के 56.19 लाख एकड़ से थोड़ा अधिक है।

इस कमी का मुख्य कारण विलंबित और कम वर्षा है, राज्य में पिछले वर्ष की 218.9 मिमी वर्षा की तुलना में इस वर्ष 165.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई और औसत वर्षा 186.4 मिमी रही, जो -11 प्रतिशत का विचलन दर्शाती है। ऊपरी तटवर्ती राज्यों से भारी जल प्रवाह के बावजूद, विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से जल उठाने में कांग्रेस सरकार की उदासीनता ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है।

आसमान मानसून ने ज़्यादातर खेती बोरवेल और तालाबों वाले इलाकों तक सीमित कर दी है, जिससे वर्षा आधारित बुवाई कपास, मक्का, मिर्च, सोयाबीन, मटर और ज्वार तक सीमित रह गई है। हालांकि जून के अंत और जुलाई की शुरूआत में हुई बारिश से फसलों की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन कृषि विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर आने वाले दो हफ्ते में राज्य में अच्छी बारिश नहीं हुई, तो कपास, मिर्च और ज्वार जैसी पहले से बोई जा चुकी फसलों को भारी नुकसान हो सकता है।

राज्य भर में धान की खेती नर्सरी से रोपाई के चरण में है, दलहन की बुवाई प्रगति पर है और कपास जैसी फसलें वनस्पति अवस्था में हैं। प्रमुख फसलों में, कपास की बुवाई 36.30 लाख एकड़ में हुई है, जो पिछले वर्ष के 35.71 लाख एकड़ से थोड़ा अधिक है। मक्का की बुवाई 2.45 लाख एकड़ से बढ़कर 5.34 लाख एकड़ हो गई है। पिछले वर्ष की तुलना में सुधार के बावजूद, धान की बुवाई अभी भी 62.47 लाख एकड़ के सामान्य क्षेत्रफल की तुलना में केवल 5.01 लाख एकड़ पर ही सीमित है।

आईएमडी ने 16 जुलाई तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है, लेकिन किसान संशय में हैं और मौसम को बचाने की उम्मीद में बूंदाबांदी के पहले संकेत पर ही बीज बो रहे हैं।

कृषि वैज्ञानिकों ने यह भी चेतावनी दी है कि अनियमित मानसून ने बुवाई के लिए उपयुक्त समय को सीमित कर दिया है, जिससे किसानों के पास उबरने के लिए बहुत कम समय बचा है।

एनएसपी आयाकट के अंतर्गत आने वाली भूमि के लिए पलेयर जलाशय से छोड़ा गया पानी

खम्मम, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार कृष्णा नदी के जल के प्रभावी उपयोग के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ सोमवार को जिले के कुसुमांची मंडल के पलेयर में खरीफ की खेती के लिए नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) की बायीं नहर के माध्यम से पलेयर जलाशय से पानी छोड़ा। विक्रमार्क ने कहा कि एनएसपी जोन-2 आयाकट के लिए सिंचाई जल छोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार कृष्णा नदी पर लंबित परियोजनाओं जैसे कलवाकुर्ती, नेट्टेमपाडु, भीमा, कोइल सागर, पलामुरु-रंगारेड्डी, एसएलबीसी को पूरा करेगी और कृष्णा नदी के जल का अधिकतम उपयोग करने के लिए नई नारायणपेट-कोडंगल परियोजना का निर्माण भी करेगी।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष आई भारी बाढ़ के कारण पलेयर में एनएसपी की बाईं मुख्य नहर की सुरंग क्षतिग्रस्त हो गई थी। 14.20 करोड़ रुपये की लागत से युद्धस्तर पर इसकी मरम्मत और जीर्णोद्धार किया गया। मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि पलेयर जलाशय के अंतर्गत एनएसपी आयाकट के 2.53 लाख एकड़ क्षेत्र में पानी छोड़ा जा चुका है। वर्तमान में 400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है और अगले पांच दिनों में इसे पूरी क्षमता से नियमित रूप से छोड़ा जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

शिवसेना निशान विवाद ...

उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट को इन चिह्नों का इस्तेमाल करने से रोका जाए, क्योंकि ये असली शिवसेना की पहचान हैं और जनता इन्हें भावनात्मक रूप से जोड़कर देखती है।

साल 2022 में एकनाथ शिंदे के गुट ने शिवसेना से बगावत की थी। इसके बाद फरवरी 2023 में चुनाव आयोग ने 'शिवसेना' नाम और उसका चिह्न 'धनुष-बाण' शिंदे गुट को दे दिया था। उद्धव ठाकरे ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और मामला अब तक चल रहा है।

स्थानीय चुनाव नजदीक हैं, तो उद्धव गुट चाहता है कि कोर्ट कोई अस्थायी (इंटरिम) फैसला दे, ताकि चुनावों में उनका नुकसान न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि जैसे एनसीपी विवाद में कोर्ट ने अजित पवार गुट को चिह्न इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी, वैसे ही यहां भी किया जा सकता है।

शिंदे गुट के वकील ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव पहले ही इसी नाम और चिह्न से हो चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट पहले ठाकरे की ऐसी ही मांग को मना कर चुका है। इससे पहले कोर्ट ने महाराष्ट्र में लंबे समय से रुके हुए स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया था, जिन्हें अब 4 महीने के भीतर पूरा करना है।

अशीम घोष हरियाणा ...

प्रो. अशीम कुमार घोष एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद हैं। वे पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। 1944 में हावड़ा में जन्मे घोष ने कोलकाता के विद्यासागर कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में वे कई वर्षों तक राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रहे। प्रो. घोष 1991 में भाजपा में शामिल हुए। वे 1999 से 2002 तक पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बंगाल में पार्टी की जमीनी स्तर पर उपस्थिति बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें 2003 से 2005 तक त्रिपुरा के लिए भाजपा का पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया।

कविंदर गुप्ता :

कविंदर गुप्ता जम्मू-कश्मीर से आने वाले एक प्रमुख भाजपा नेता हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के भी लंबे समय से सदस्य हैं। वे लगातार तीन बार (2005-2010) जम्मू के मेयर चुने गए। यह शहर में एक रिकॉर्ड है। उन्होंने महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

सिद्धारमैया के दावों ...

इस उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के अलावा केंद्रीय मंत्री प्रलहाद जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा और अन्य नेता शामिल हुए। हालांकि सीएम सिद्धारमैया या उनकी कैबिनेट का कोई सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुआ। सिद्धारमैया ने कहा है कि उन्होंने विरोध स्वरूप ऐसा किया।

सीएम ने कार्यक्रम टालने की अपील की थी :

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में सिद्धारमैया ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से अपील की थी कि वे सिंगदूर पुल के उद्घाटन का कार्यक्रम टाल दें क्योंकि 14 जुलाई को वे विजयपुरा जिले के दौरे पर रहेंगे, जहां उन्हें कई अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन करना है। सीएम ने ये भी दावा किया कि उन्हें पूर्व में कार्यक्रम के बारे में सूचना नहीं दी गई। सीएम ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से इस संबंध में मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की थी।

सोमवार को सीएम सिद्धारमैया ने दावा किया कि उन्हें सिंगदूर पुल के उद्घाटन कार्यक्रम में बुलाया ही नहीं गया। हालांकि सीएम के दावे पर नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि सीएम को 11 जुलाई को ही कार्यक्रम के बारे में सूचना दे दी गई थी और उन्हें आमंत्रित किया गया था। गडकरी ने 12 जुलाई को सीएम को भेजे गए कथित पत्र की प्रति भी सोशल मीडिया पर साझा की। हालांकि सीएम नहीं बुलाए जाने का दावा कर रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सिराज का बेन डकेट को टक्कर मारने की मिली बड़ी सजा

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टक्कर मारने की सजा मिली है. सिराज से ये गलती लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन के खेल में हुई थी, जिसके लिए उनकी मैच फीस में 15 फीसदी की कटौती की गई है. सिराज ने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान बेन डकेट का विकेट लेने के बाद उन्हें धक्का मारा था. सिराज के उस बर्ताव को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट की धारा 2.5 के तहत दोषी पाया गया है.

बेन डकेट को सिराज ने मारी थी टक्कर

इंग्लैंड की दूसरी पारी में उनका पहला विकेट बेन डकेट के तौर पर गिरा था. सिराज ने चौथे दिन पहले सेशन में उन्हें बुमराह के हाथों कैच कराया था. डकेट को आउट करने के बाद सिराज विकेट का जश्न मनाते हुए थोड़े एग्रेसिव हो गए. उसी दौरान उन्होंने बेन डकेट को टक्कर भी मारी.

सिराज पर इस गलती के लिए जुर्माना तो लगा ही, उसके अलावा एक डिमेरिट अंक भी उनके खाते में जोड़े गए, जिसके बाद उनके अब कुल 2 डिमेरिट पॉइंट हो गए हैं. सिराज की बीते 24 महीने में ये दूसरी गलती थी.

सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट में लिए 4 विकेट

सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट में 116 रन देकर 4 विकेट चटकाए हैं. इसमें पहली पारी में उन्होंने 85 रन देकर 2 विकेट झटके जबकि बाकी 2 विकेट दूसरी पारी में 31 रन खर्च कर लिए. जहां तक लॉर्ड्स टेस्ट की बात है अभी मामला फिफ्टी-फिफ्टी पर अटका है. इंग्लैडं को जीत के लिए 6 विकेट की तलाश है जबकि भारत को 135 रन और बनाने हैं.

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 387 रन बनाए थे. जवाब में भारत ने भी पहली पारी में 387 रन बनाए. इसके बाद इंग्लैंड की दूसरी पारी 192 रन पर सिमट गई और इस तरह भारत को जीत के लिए 193 रन बनाने का लक्ष्य मिला. टीम इंडिया ने इस लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 4 विकेट पर 58 रन बना लिए थे.

बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल पति से अलग हुई

बोलीं- बहुत सोचने के बाद हम दोनों ने फैसला लिया; 7 साल पहले लव मैरिज की थी

हैदराबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल और उनके पति पारुपल्ली कश्यप ने आपसी सहमति से अलग होने के फैसले की घोषणा की है। साइना ने इंस्टाग्राम पर एक बयान के जरिए तलाक लेने की आखिकारिक घोषणा की। साइना और पारुपल्ली लगभग 7 साल की शादी के बाद अलग होने वाले हैं। हरियाणा की रहने वाली साइना ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन स्टार हैं। इंस्टाग्राम पर साइना ने एक निजी अपडेट शेयर किया जिसने खेल जगत को हैरान कर दिया है।

साइना ने ओलिंपिक कांस्य पदक और विश्व में नंबर 1 रैंकिंग के साथ एक वैश्विक हस्ती बन गईं। वहीं, कश्यप ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और

अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के साथ अपनी अलग पहचान बनाई।

राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की चैंपियन साइना ने लिखा, जिंदगी हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाती है। बहुत सोच-विचार के बाद कश्यप पारुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और इलाज का विकल्प चुन रहे हैं।

उन्होंने लिखा, मैं उन यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। इस दौरान हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद। बता दें कि साइना और पूर्व शटलर कश्यप ने दिसंबर 2018 में शादी की थी।

साइना बैडमिंटन स्टार तब बनीं जब वह 2008 बीजिंग ओलिंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। चार साल बाद उन्होंने लंदन 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलिंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। 2015 में उन्होंने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनकर एक और उपलब्धि हासिल की।

कश्यप ने भी कई उपलब्धियां हासिल कीं। 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने के बाद वह लंदन 2012 में ओलिंपिक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बने। 2014 में उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल जीतकर 32 साल का इंतजार खत्म किया।

एमआई न्यूयॉर्क ने जीता मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट

वॉशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराया, रुशिल उगारकर ने आखिरी ओवर में 12 रन डिफेंड किए

खेल डेस्क, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट 2025 का खिताब एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने जीत लिया है। फाइनल मुकाबला वॉशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया।

इस मैच में एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। इसके जवाब में वॉशिंगटन फ्रीडम की टीम 5 विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी। इस तरह एमएसली का खिताब एमआई न्यूयॉर्क ने 5 रन के करीबी अंतर से जीत लिया।

दरअसल, एमएलसी 2025 फाइनल मैच एमआई यूर्याक ने जीत लिया है। एमआई यूर्याक ने दूसरी बार ये खिताब अपने नाम किया। इससे पहले साल 2023 में एमआई न्यूयॉर्क ने एमएलसी का पहला सीजन का खिताब जीता था। 2024 में वॉशिंगटन फ्रीडन की टीम चैंपियन बनी थी और

अब डिफेंडिंग चैंपियन से एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने ताज ले लिया।

पहले बैटिंग करते हुए एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 180 रन बनाए। टीम की तरफ से विकेटकीपर बैटर क्विंटन डी कॉक ने सबसे ज्यादा 77 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा कोई बैटर ज्यादा रन नहीं बना सका।

इसके जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम 5 विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी। ग्लेन फिलिप्स ने अपनी टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में रुशिल उगरकर ने 12 रनों का बचाव करते हुए एमआई को चैंपियन बना दिया। रुशिल उगरकर ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। वहीं, ट्रेंट बोल्ट ने भी 32 रन देकर 2 विकेट लिए।

हार से शुरुआत, चैंपियन बनकर अंत

एमआई यूर्याक की टीम के लिए एमएलसी 2025 की शुरुआत बेहद ही निराशाजनक रही थी, लेकिन कहते है ना कि अगर आपने कुछ पाने की ठान ली तो फिर कितनी भी मुश्किलें आए एक दिन कामयाबी मिलती हैं। ऐसा ही नए कप्तान निकोलस पूरन की टीम ने किया।

हिम्मत रखते हुए पूरन की टीम एमएलसी के मैच खेलती रही। जहां शुरुआती 7 में 6 मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार दो मैच जीते और एलिमिनेटर मैच भी अपने नाम किया। फिर चैलेंजर मैच जीतने के बाद उन्होंने फाइनल में एंट्री की और अब फाइनल मैच में प्वाइंट्स टेबल की टॉप की टीम वॉशिंगटन फ्रीडम को एमआई यूर्याक ने मात दी।

अंडर-19 टेस्ट- रॉकी फ्लिंटॉफ शतक से चूके

दूसरे दिन इंग्लैंड का स्कोर- 230/5 भारत ने पहली पारी में 540 रन बनाए

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम ने इंडिया अंडर 19 क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में खेल के दूसरे दिन 5 विकेट पर 230 रन बनाए। इंडिया अब भी पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 310 रन आगे है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक थॉमस रीव 3 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहली पारी में इंग्लैंड की तरफ से कप्तान हमजा शेख और एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने शानदार पारी खेली, लेकिन दोनों शतक से चूक गए तो वहीं माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन ओपन करने आए, लेकिन वो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। इससे पहले इंडिया ने पहली पारी में 540 रन बनाए थे।

भारत के खिलाफ पहली पारी में रॉकी ने एक छक्के और 14 चौकों

की मदद से 93 रन की शानदार पारी खेली और अपने शतक से सिर्फ 7 रन से चूक गए जबकि इस टीम के कप्तान हमजा शेख ने भी शानदार बल्लेबाजी की और उन्होंने एक छक्का और 10 चौकों के साथ 84 रन बनाए। आर्ची वॉन ने पहली पारी में सिर्फ 2 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया। इंग्लैंड के लिए पहली पारी में इंडिया के खिलाफ जेडन डेनली ने 27 रन बनाए जबकि बेन मेयस ने 11 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। पहले दिन इंडिया के लिए हेनिल पटेल ने 2 विकेट लिए जबकि दीपेश देवेंद्रन, वैभव सूर्यवंशी और विहान मलहोत्रा ने एक-एक विकेट लिए।

इससे पहले इंडिया ने पहली पारी में पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी की और 540 रन बनाए। इंडिया को इस मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में टीम के कप्तान आयुष महात्रे की शतकीय पारी के साथ-साथ विहान मलहोत्रा, अभिज्ञान कुंडू, राहुल कुमार और आरएस अंबरीश की अर्धशतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा।

सूर्यकुमार यादव जल्दी ही पिता बनने वाले हैं? पत्नी ने कहा- यही सही समय

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। क्या सूर्यकुमार यादव जल्दी ही पिता बनने वाले हैं? ऐसा हम नहीं पूछ रहे बल्कि इस बारे में उनके हाल ही में दिए एक इंटरव्यू से संकेत मिले हैं. सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविशा के साथ पिछले दिनों 'हूज़ द बॉस' नाम के टॉक शो में पहुंचे थे, जिसे पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और उनकी पत्नी गीता बसरा होस्ट करती हैं. उस शो में सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी से भज्जी और गीता बसरा ने तरह-तरह के सवाल पूछे. उन्हीं सवालों में से एक सवाल उन दोनों के माता-पिता बनने से भी जुड़ा रहा.

हरभजन की पत्नी गीता बसरा ने शो में सूर्यकुमार यादव और

उनकी पत्नी देविशा से सवाल किया कि उनका आगे का प्लान क्या है? कोई फैमिली प्रेशर वगैरह है या नहीं? गीता बसरा का ये सवाल खत्म होने से पहले ही सूर्यकुमार यादव ने उसका जवाब देना शुरू कर दिया. सूर्या ने पत्नी की तरफ देखते हुए कहा कि फैमिली प्रेशर तो नहीं है. उससे ज्यादा हम लोग ही एक दूसरे पर प्रेशर डालते हैं. सूर्या की इस बात पर पत्नी देविशा पहले हंसती हैं और फिर कहती हैं कि नहीं, ये सही समय है.

सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने आगे कहा कि वो पहले अपनी लाइफ को सेटल कर लेना चाहते थे. सूर्या ने कहा कि वो आने वाले बच्चे के लिए भी थोड़ी चीजें सेटल करना चाहते थे. और अब जब सब हो चुका है तो लगता है कि ये परफेक्ट समय है.

सूर्यकुमार यादव, टीम इंडिया के टी20 कप्तान हैं. फिलहाल भारतीय टीम रेड बॉल क्रिकेट खेलने में व्यस्त है तो सूर्यकुमार यादव को अपनी फैमिली के साथ वक्त बिताने और घूमने-फिरने का मौका मिल गया.

इस बीच सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी में अपनी सर्जरी भी कराई, जिससे फिलहाल वो रिकवरी मोड पर है. उम्मीद है कि भारत की अगली व्हाइट बॉल सीरीज तक वो पूरी तरह से फिट हो चुके होंगे.

लॉर्ड्स में वाशिंगटन सुंदर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

दिग्गजों की लिस्ट में हुए शामिल

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। इस मैच को जीतने के लिए अब टीम इंडिया को पांचवें दिन 135 रन बनाने होंगे, जो उतना आसान भी होने वाला नहीं है क्योंकि चौथे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने 58 रन के अंदर ही अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। जिसमें कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर और आकाश दीप शामिल रहे। वहीं चौथे दिन गेंदबाजी में टीम इंडिया की तरफ से स्पिन गेंदबाज वाशिंगटन सुंदर कमाल का प्रदर्शन किया। लॉर्ड्स के मैदान पर किसी भारतीय स्पिन गेंदबाज ने 51 साल के बाद 4 विकेट लेने का कारनामा करके

दिखाया है।

लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन वाशिंगटन सुंदर टीम इंडिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे, उन्होंने गेंदबाजी करते हुए 12.1 ओवर में महज 22 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ वाशिंगटन सुंदर लॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चौथे भारतीय स्पिनर बन गए हैं। आखिरी बार लॉर्ड्स के मैदान पर किसी भारतीय का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 1974 में देखने को मिला था, जब पूर्व दिग्गज बिशन सिंह बेदी ने 6 विकेट चटकाए थे। अब 51 साल के बाद वाशिंगटन सुंदर ने ये खास उपलब्धि हासिल की है।

लॉर्ड्स में बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन करने वाले वाशिंगटन चौथे भारतीय स्पिनर बन गए हैं। चौथे दिन वाशिंगटन ने इंग्लैंड के 4 बल्लेबाजों को क्लिन बोल्ड किया था। जिसमें जो रूट, बेन स्टोक्स, जेमी स्मिथ और शोएब बशीर शामिल रहे।

चेल्सी ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीतकर रचा इतिहास

11 अरब रुपये मिली इनामी राशि

वाशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चेल्सी ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। खिताब जीतने वाली टीम को ट्रॉफी के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 11 अरब भारतीय रुपये) की इनामी राशि भी मिली, जो कि क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप से छह गुना से भी अधिक है। कोल पाल्मर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने सोमवार को पेरिस सेंट-जर्मेन पर 3-0 की शानदार जीत के साथ फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। खिताब जीतने वाली टीम को ट्रॉफी के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 11 अरब भारतीय रुपये) की इनामी राशि भी मिली, जो कि क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप से छह गुना से भी अधिक है। चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस धमाकेदार फाइनल में पाल्मर ने शुरुआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए। मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा। इसके बाद 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। जोआओ पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया।

'मानसून सत्र में पेश होगा राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक'

खेल मंत्री मनसुख मांडविया का बयान

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा, जो 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। मांडविया ने यह जानकारी उस समय दी, जब वह नशा मुक्ति के खिलाफ युवा कार्य विभाग के एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने यह भी दोहराया कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भारत में बहुपक्षीय खेल आयोजनों में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा। उन्होंने कहा, विधेयक को आगामी सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। मैं कुछ दिनों में और जानकारी दूंगा। यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। इसके तहत एक नियामक बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसे राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और उन्हें फंडिंग प्रदान करने का अधिकार होगा। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि वह सुशासन से जुड़ी शर्तों का कितना पालन करते हैं। यह बोर्ड यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेल महासंघ उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों का पालन करें। इसके अलावा, इस विधेयक के मसौदे में आचार संहिता आयोग और विवाद निवारण आयोग की स्थापना का भी प्रस्ताव है, ताकि खेलों के संचालन में पारदर्शिता बनी रहे। इस विधेयक पर लंबे समय से बहस चल रही है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इसका विरोध भी किया है, क्योंकि उसका मानना है कि एक नियामक बोर्ड की स्थापना से उसकी राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रमुख निकाय के रूप में स्थिति कमजोर हो सकती है।

हैदराबाद में ब्लैक बेल्ट ताइक्वांडो परीक्षा आयोजित

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ताइक्वांडो एसोसिएशन ने रविवार को शिव साईं गार्डन, ईसीआईएल, हैदराबाद में एक प्रतिष्ठित ब्लैक बेल्ट परीक्षा आयोजित की, जो राज्य के ताइक्वांडो समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी। यह परीक्षा ग्रैंड मास्टर प्रवीण कुमार (छठी डैन ब्लैक बेल्ट) और मुख्य परीक्षक मास्टर ए . किशोर कुमार, तेलंगाना ताइक्वांडो एसोसिएशन के उपाध्यक्ष की देखरेख में आयोजित की गई । यह गहन सत्र 11 घंटे से भी ज़्यादा समय तक चला, जिसमें प्रतिभागियों के तकनीकी कौशल, स्पैरिंग, आत्मरक्षा तकनीक, शारीरिक फिटनेस और पाठ्यक्रम-आधारित प्रदर्शन का परीक्षण किया गया।

पावर हाउस ताइक्वांडो अकादमी के समर्थ नंद्याला और लिखित कुमार जैसे उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों में शामिल थे। एक कठिन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, उन्हें प्रतिष्ठित ब्लैक बेल्ट से सम्मानित किया गया, जिसे कोरिया स्थित विश्व ताइक्वांडो मुख्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया गया। अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए , पावर हाउस अकादमी के संस्थापक मास्टर सुरेश बोया और मास्टर अरविंद नंद्याला ने कहा, 'यह न केवल हमारे लिए गर्व का क्षण है, बल्कि युवा पीढ़ी को ताइक्वांडो के माध्यम से फिटनेस और आत्मरक्षा को अपनाने के लिए प्रेरित करने का अवसर भी है।' इस आयोजन ने तेलंगाना में मार्शल आर्ट के प्रति बढ़ती रुचि तथा अनुशासित और कुशल एथलीटों को तैयार करने के लिए स्थानीय प्रशिक्षकों और संघों की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

नई महामारी की भविष्यवाणी

उज्जैनी महाकाली में रंगम अनुष्ठान

दैवज्ञ ने की तेलंगाना में अच्छी बारिश की भविष्यवाणी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उज्जैनी महाकाली मंदिर की भविष्यवक्ता स्वर्णलता ने सोमवार को वार्षिक 'रंगम' अनुष्ठान के दौरान तेलंगाना में इस वर्ष भरपूर बारिश होने की भविष्यवाणी की। सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में दो दिवसीय लश्कर बोनालु उत्सव के समापन दिवस पर, दैवज्ञ स्वर्णलता ने देवी के सामने एक हरे मिट्टी के बर्तन के ऊपर खड़े होकर सैकड़ों भक्तों को अपनी 'भविष्यवाणी' सुनाई। उन्होंने एक और महामारी की संभावना की भविष्यवाणी की, जो तेलंगाना सरकार और लोगों के लिए एक चेतावनी है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संभावित स्वास्थ्य संकट के लिए तैयार रहें। स्वर्णलता ने

यह भी बताया कि इस वर्ष आग लगने की दुर्घटनाएं भी हुईं।

उज्जैनी महाकाली मंदिर के मुख्य पुजारी वेणुगोपाल शर्मा ने स्वर्णलता से बोनालु के दौरान हर साल भक्तों द्वारा की जाने वाली प्रार्थनाओं के बारे में कई प्रश्न पूछे। उन्होंने जवाब दिया, 'मैंने भक्तों द्वारा की गई प्रार्थनाएं स्वीकार कर लीं, लेकिन मैं इस बात से दुखी हूं कि हर साल आप मेरे लिए बाधाएं उत्पन्न करते हैं और मेरी परवाह नहीं करते।' दैवज्ञ ने भक्तों को इस वर्ष पाँच सप्ताह तक प्रार्थना करने की सलाह दी। भक्त देवी द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के लिए कृतज्ञ थे और उन्होंने उनके निर्देशों का पूरी लगन से पालन करने का संकल्प लिया। 'भविष्यवाणी' 15 मिनट तक जारी रही और हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर सहित अन्य लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

मल्लना का गनमैन श्रीनिवास पुलिस मुख्यालय से संबद्ध

भीड़ को तितर बितर करने के लिए की थी हवाई फायरिंग

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने सोमवार को एमएलसी चौधरी नवीन कुमार के गनमैन श्रीनिवास को राचकोंडा पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया। बंदूकधारी श्रीनिवास ने रविवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कथित तौर पर हवा में गोलियां चलाई थीं। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व तेलंगाना जागृति के सदस्य होने का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था, जो नवीन कुमार उर्फ तीनमार मल्लन्ना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। समूह ने बीआरएस एमएलसी के कविता पर उनकी अपमानजनक टिप्पणी की निंदा करने के लिए उनके यूट्यूब चैनल कार्यालय पर धावा बोल दिया। स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब महिलाओं समेत कई प्रदर्शनकारी जबरन परिसर में घुस आए। मल्लन्ना के बंदूकधारियों ने उन्हें बाहर धकेलने की कोशिश की, जिसके बाद हाथापाई शुरू हो गई। इस दौरान कार्यालय के अंदर हवा में कई राउंड गोलियां चलाई गईं। मेडिपल्ली पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ जवाबी मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

तीनमार मल्लन्ना

नवीन ने कविता की एमएलसी सदस्यता रद्द करने की मांग की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी चिंतापंडु नवीन कुमार ने सोमवार को तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी से मुलाकात की और एमएलसी कविता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए उन्हें परिषद से तुरंत हटाने की मांग की। कविता के बारे में मल्लन्ना की अपमानजनक टिप्पणियों के जवाब में, जागृति के कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यालय में तोड़फोड़ की, जो उनके टीवी चैनल, क्यू न्यूज का भी मुख्यालय है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान खिड़कियां तोड़ दीं और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया। मल्लन्ना के एक सुरक्षा गार्ड ने प्रदर्शनकारी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में गोलियां भी चलाईं। अपनी शिकायत में, एमएलसी मल्लन्ना ने जागृति के कार्यकर्ताओं पर उन्हें मारने का प्रयास करने और उनके कार्यालय में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कविता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और उनकी एमएलसी सदस्यता रद्द करने का अनुरोध किया। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, मल्लन्ना ने कहा कि उन्होंने कविता के बारे में आचार समिति से औपचारिक रूप से शिकायत की है और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। मैंने परिषद के अध्यक्ष से सुरक्षा की मांग की है और उन्होंने वादा किया है कि घटना की जांच की जाएगी।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कविता को पिछड़ा वर्ग (बीसी) द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली प्रतिबद्धताओं और शब्दावली की समझ का अभाव है। उनके अनुसार, जागृति कार्यकर्ता जानबूझकर राजनीतिक क्षेत्र में पिछड़ा वर्ग को कमजोर करने के लिए अशांति पैदा कर रहे हैं। कविता के बारे में मेरी टिप्पणियां तेलंगाना में आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली अभिव्यक्तियां हैं। मुझे तेलुगु में व्याकरण और भाषा की अच्छी समझ है, और मुझे पता है कि कौन से शब्दों का प्रयोग करना उचित है। अगर उन्हें मेरी भाषा के बारे में कोई संदेह है, तो कविता अपने पिता, पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से सलाह ले सकती हैं।

जंगल में वापस लौटा बाघ

मंचेरियल, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जंगलों में घूमकर एक बछड़े को मारने वाला बाघ रविवार को पड़ोसी कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के जंगलों में वापस चला गया, जिससे इस क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को राहत मिली है। बाघ की गतिविधियों पर नज़र रख रहे वन अधिकारियों ने बताया कि बाघ लगभग एक हफ़्ते तक कासिपेट मंडल के वन क्षेत्र में रहा। वह अपने मारे गए बछड़े का बचा हुआ मांस खाने वापस नहीं आया। देवापुर, बेल्लमपल्ली और तिरयानी पर्वतमालाओं में बाघ पर नज़र रखने के लिए विशेष टीमें तैनात की गईं। उन्होंने अनुमान लगाया कि वह कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िले के तिरयानी के जंगलों में वापस आ गया होगा।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि महाराष्ट्र के वन क्षेत्रों से आया एक नर अधेड़ बाघ कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के तिरयानी और कासिपेट मंडल की सीमाओं पर घूम रहा था। हो सकता है कि व ह

8 जुलाई को मंचेरियल के जंगलों की ओर चला गया हो और बछड़े को मार डाला हो, जिससे किसानों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई हो। वेंकटपुर में मवेशियों को मारने वाली जगह पर बाघ के पैरों के निशान पाए गए हैं।

हालांकि, किसानों और ग्रामीणों को सतर्क रहने, समूहों में घूमने और मवेशियों को जंगल में बहुत अंदर न भेजने की सलाह दी गई है। वन कर्मचारियों ने निवासियों से बाघ के किसी भी रूप या संकेत की सूचना देने का आग्रह किया है और कहा है कि स्थानीय लोगों को सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। 6 जुलाई को, कथित तौर पर एक बाघ ने तिरयानी मंडल के एडुलापहाड़ गाँव के जंगलों में मवेशियों के एक झुंड पर हमला करने की कोशिश की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। यह बाघ कुछ हफ़्ते पहले महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिज़र्व से इलाके और शिकार की तलाश में तेलंगाना में घुस आया था।

केटीआर ने कालेश्वरम परियोजना की उपेक्षा के लिए साधा कांग्रेस पर निशाना

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर राज्य की सिंचाई ज़रूरतों, खासकर कालेश्वरम परियोजना के ज़रिए पानी उठाने में विफलता, को लेकर आपराधिक लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

उन्होंने तेलंगाना में सूखे जैसे हालात और नहरों में पानी की कमी से निपटने में सत्तारूढ़ पार्टी की नाकामी पर भी निशाना साधा।

बीआरएस और कांग्रेस शासन के बीच तीव्र अंतर की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस के दस साल के शासन में फल-फूल रही कृषि एक बार फिर संकट में है। उन्होंने कहा, 'बीआरएस के शासन में, कालेश्वरम परियोजना का पानी सूर्यपेट जिले के पेनपहाड़ मंडल जैसे दूरदराज के इलाकों में भी खेतों तक पहुँचता था। अब पानी की जगह किसानों के आँसू ही बह रहे हैं।'

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि मेदिगड्डा बैराज की मरम्मत से इनकार और कन्नेपल्ली से पंप चालू न करना सरकार का जानबूझकर किया गया कदम है। उन्होंने आरोप लगाया, 'पानी उठाने और आपूर्ति करने की संभावना के बावजूद, कांग्रेस सरकार उदासीन बनी हुई है।'

कांग्रेस को 'कृषि विरोधी' बताते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि बीआरएस उसकी साजिशों का पर्दाफाश करेगी और तेलंगाना के किसानों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

जहीराबाद हत्याकांड : काले जादू के शक में तीन लोगों ने की युवक की हत्या

संगारेड्डी, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद पुलिस ने 23 वर्षीय मोहम्मद ताजुद्दीन की हत्या का मामला सुलझा लिया है, जिसका शव रविवार को एक कृषि कुएं में मिला था। पुलिस ने बताया कि युवक की हत्या तीन लोगों ने की थी, जिन्हें शक था कि वह उनके खिलाफ काला जादू कर रहा था। सोमवार को जहीराबाद में पत्रकारों से बात करते हुए डीएसपी सईदा नायक ने कहा कि आरोपियों (मोहम्मद हसन कुरैशी, शेख मुखराम और मोहम्मद अकबर) ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के बाद अपना अपराध कबूल कर लिया है। पुलिस के अनुसार, तीनों का मानना था कि ताजुद्दीन हर पूर्णिमा और अमावस्या पर काला जादू करता था, जिससे कथित तौर पर उनकी ज़िंदगी प्रभावित हो रही थी। आरोपियों ने दावा किया कि कई बार चेतावनी देने के बावजूद, ताजुद्दीन अपनी यह हरकत जारी रखे हुए था। शनिवार को, तीनों ताजुद्दीन को फुसलाकर पास के एक गन्ने के खेत में ले गए, जहां उन्होंने लगभग आधे घंटे तक उसकी पिटाई की और फिर उसकी हत्या कर दी। उसी रात बाद में, उन्होंने उसकी लाश एक कुएँ में फेंक दी। पीड़ित परिवार द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद, पुलिस ने जाँच शुरू की। मामला तब सुलझ गया जब आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया और हत्या की बात कबूल कर ली।

येरुपलेम हादसे में बाइक सवार की मौत, बाइक पूरी तरह जली

खम्मम, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में येरुपलेम से मधिरा रोड पर पेगल्लापाडु में एक फ्लाईओवर पर रविवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई और उसकी मोटरसाइकिल पूरी तरह जल गई। स्थानीय एसआई एम रमेश के अनुसार, येरुपलेम मंडल के मीनावोलु गांव के मृतक ज्ञान प्रकाश (48) अपनी रॉयल एनफील्ड बाइक पर मधिरा जा रहे थे, जहां वह सेवेंथ डे चर्च में पादरी के रूप में काम करते हैं।

विपरीत दिशा से आ रही एक तेज़ रफ़्तार कार ने मोटरसाइकिल को ज़ोरदार टक्कर मार दी और बाइक को सड़क पर दूर तक घसीटती हुई ले गई। टक्कर के कारण बाइक में आग लग गई। कार एस शिवकृष्ण रेड्डी चला रहे थे, जो ग्रीनफ़ील्ड हाईवे प्रोजेक्ट में सुपरवाइज़र के तौर पर काम करते हैं। एसआई ने बताया कि मृतक के भाई एन दाविदू की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की जाँच शुरू कर दी गई है। मृतक के परिवार के सदस्यों ने परिवार को न्याय दिलाने की माँग को लेकर सड़क पर धरना दिया।

मंत्री की 35 किमी हेलीकॉप्टर यात्रा पर विवाद

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा छोटी दूरी की यात्रा के लिए हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल की आलोचना हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वित्तीय बाधाओं का हवाला दिया है और दावा किया है कि वह जनता का पैसा बचाने के लिए इकॉनमी क्लास में यात्रा करते हैं। इन दावों के बावजूद, मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी लगातार हेलीकॉप्टरों में उड़ान भर रहे हैं। सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और रेवंत रेड्डी रामोजी फिल्म सिटी में फिल्म 'श्रीमद्भागवतम् - भाग 1' के

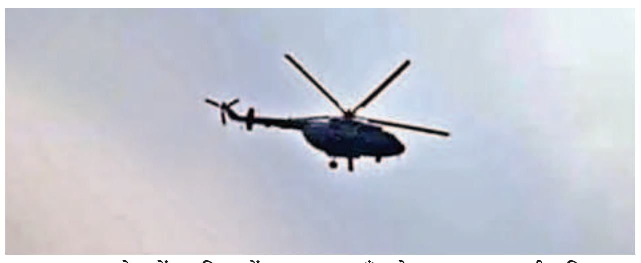

उद्घाटन समारोह में शामिल हैं। यह आयोजन स्थल हैदराबाद से सिर्फ़ 35 किमी दूर है, फिर भी वे हेलीकॉप्टर से जा रहे हैं। बाद में, मुख्यमंत्री हयातनगर से तुंगतुर्थी निर्वाचन क्षेत्र के तिरुमलागिरी के लिए उड़ान भरेंगे -जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है- जहाँ वे राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। कैबिनेट मंत्रियों द्वारा हेलीकॉप्टरों के लगातार उपयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

फोरम फॉर गुड गवर्नेंस के एम पद्मनाभ रेड्डी ने कहा, 'यह अनावश्यक खर्च है। हमारे संगठन ने पहले मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनावश्यक खर्चों में कटौती करने का आग्रह किया था। फिर भी, मंत्री हेलीकॉप्टर और बड़े काफिले का इस्तेमाल करते रहते हैं।' इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ भी भड़की हैं। बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृषांक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'हे मेरे शाही मुख्यमंत्री, खम्मम बाढ़ में जान बचाने के लिए कोई हेलीकॉप्टर नहीं, 26 घंटे तक पाशम्यलारम विस्फोट स्थल का कोई दौरा नहीं, 26 घंटे तक एसएलबीसी सुरंग ढहने का कोई दौरा नहीं , लेकिन एक फिल्म के उद्घाटन सेट के लिए हेलीकॉप्टर से यात्रा करना, जो सिर्फ़ 26 किलोमीटर दूर है।'

आधी रात को घर गिराने के लिए की सरकार की आलोचना

राजन्ना सिरसिल्ला, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा मंदिर नगर के निवासियों और व्यापारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना के मध्य रात्रि में तोड़फोड़ अभियान शुरू करने के लिए अधिकारियों की आलोचना की। रविवार रात को जब लोगों की दुकानों और मकानों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाए गए तो लोग घबरा गए।

श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के पास मुलवागु पर दूसरे पुल के निर्माण के लिए दोनों तरफ़ ज़मीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की गई थी। ज़मीन विस्थापितों को कोई मुआवज़ा दिए बिना ही, मकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान खाली करने के नोटिस जारी कर दिए गए। रविवार रात अधिकारियों ने निवासियों से घर खाली करने को कहा और उनकी दुकानों के सामने जेसीबी खड़ी कर दीं। असहाय लोगों ने रात में ही अपने घर खाली कर दिए। उन्होंने सवाल उठाया कि विस्थापितों ने बिना मुआवज़ा दिए जबरन घर खाली कराने के लिए राज्य सरकार पर रोष व्यक्त किया। नोटिस के अनुसार घर खाली करने के लिए दो दिन (15 जुलाई) का समय था, फिर भी आधी रात को तोड़फोड़ अभियान चलाने की क्या ज़रूरत थी?

सिगाची विस्फोट से अनाथ हुआ परिवार अब कभी नहीं लौटेंगे अखिलेश और विजय

भतीजा पवन बोला - मुआवजा नाकाफी, सरकारी नौकरी की मांग

सिगाची विस्फोट कांड में जौनपुर के दो सगे भाइयों की मौत का मामला

हैदराबाद/जौनपुर 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रोजी रोटी के सिलसिले में हर गांव में लोग महानगरों की तरफ रूख करते हैं। परिवार का जीविकोपार्जन हो सके इसके लिए दो पैसे कमाने लोग शहर जाते हैं। कुछ यही मंशा लेकर उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र के खपरहा गांव निवासी दो सगे भाई 38 वर्षीय अखिलेश निषाद और 28 वर्षीय विजय निषाद तेलंगाना प्रदेश के संगारेड्डी जिले में पहुंचे। वहां पर एक केमिकल कंपनी सिगाची विस्फोट में काम करने लगे। इसी दौरान दोनों भाइयों ने अपने भतीजे पवन निषाद को भी बुला लिया। सबकुछ ठीक चल रहा था इसी दौरान 30 जून को कंपनी में भीषण विस्फोट हुआ। हादसे में 44 लोगों की जान चली गई। इसमें जौनपुर के दोनों सगे भाइयों की मौत हो गई और भतीजे पवन ने भागकर अपनी जान गंवाई। दोनों भाई दो पैसे कमाने के लिए अपना गांव छोड़कर गए थे लेकिन जब भतीजा पवन रविवार को अपने गांव खाली हाथ पहुंचा तो परिवार

दहाड़े मारकर रोने लगा। यहां तक की दोनों की बॉडी भी परिवार को नहीं मिली।

विस्फोट कांड की सूचना मिलने के बाद परिजन यहां से संगारेड्डी गए थे लेकिन वहां से बस राख मिला जिसे प्रयागराज के संगम में प्रवाहित कर परिजनों ने 15 दिन बाद सोमवार को दोनों की एक साथ तेरहवीं का कार्यक्रम किया। रविवार को अपने गांव पहुंचे पवन निषाद ने सोमवार की दोपहर बातचीत के दौरान बताया कि वह भी घायल हो गया था लेकिन वहां की भयावह स्थिति से बचने के लिए वहां प्राइवेट अस्पताल में अपना इलाज कराकर वापस अपने गांव अपने परिजनों के साथ लौट आया। उसका कहना है कि हल्के घायलों को भी सरकार 5 लाख रुपए का मुआवजा दे रही थी, लेकिन वहां से बचकर निकलकर ही मेरे लिए मुआवजा है। उसने बताया कि संगारेड्डी जिला प्रशासन की तरफ से हरसंभव मदद की जा रही है और तीन महीने में मुआवजा देने की बात कही गई है। सिगाची कंपनी की तरफ से मृतकों को 15-15 लाख रुपए का चेक दिया गया है और कंपनी की तरफ से कहा गया है कि तीन महीने में सभी मृतकों का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। पवन ने तेलंगाना सरकार से मांग की है कि हमारे चचेरे भाइयों को सरकारी नौकरी दी जाए क्योंकि मुआवजा नाकाफी है।

मृतक अखिलेश की पत्नी अनीता और तीन बच्चों अजय (18), अमन (17) और अनामिका (12) की हालत बदतर है। वहीं छोटे भाई विजय की पत्नी प्रीति का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिता बसंत लाल ने कहा कि बुढ़ापे का सहारा छिन गया, अब कौन देगा कंधा? इधर घटना की जानकारी मिलने पर मल्हनी विधायक लकी यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से फोन पर बात कर मदद का भरोसा दिलाया। उनके साथ सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

तिरुपति यार्ड में खाली जनरल कोच में लगी आग

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेन संख्या 04717 हिसार-तिरुपति विशेष ट्रेन में एक घटना की सूचना मिली है। खाली ट्रेन को स्टेबलिंग यार्ड में ले जाते समय यह घटना हुई। शंटिंग प्रक्रिया के दौरान, एक जनरल कोच में आग लग गई, जिसे तुरंत बाकी कोचों से अलग कर दिया गया और आग बुझा दी गई। अग्निशमन दल द्वारा आवश्यक अग्निशमन उपाय किए गए। घटना के कारणों की आगे की जांच की जा रही है। तिरुपति रेलवे स्टेशन से आने-जाने वाली किसी भी ट्रेन सेवा में कोई व्यवधान नहीं है।

कोंडन्नापल्ली के पास नहर में डूबा युवक

करीमनगर, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गंगाधारा मंडल के कोंडन्नापल्ली के बाहरी इलाके में बाढ़ प्रवाह नहर में एक युवक मोहम्मद इरफान डूब गया। रामदुगु निवासी इरफ़ान अपने दोस्तों के साथ रविवार शाम मछली पकड़ने नहर पर गया था। जब तक वे घटनास्थल पर पहुँचे, तब तक अंधेरा हो चुका था, और इरफ़ान गलती से पानी में गिर गया और डूब गया।

स्थानीय लोगों ने इरफ़ान के डूबने पर संदेह जताया क्योंकि वह तैराक था। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया

महिला की करंट लगने से मौत, ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

खम्मम, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एडुलापुरम नगर पालिका सीमा के अंतर्गत खम्मम ग्रामीण मंडल के कसना थांडा में सोमवार को बिजली के झटके से एक महिला की मौत के बाद परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। मृतक महिला मारुति मुथम्मा (43) उस समय 11 केवी बिजली वितरण लाइनों के संपर्क में आ गई जब वह अपने घर की छत पर एक दीवार पर कपड़े सुखा रही थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना से गुस्साए ग्रामीणों और महिला के परिवार के सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने दोपहर के समय खम्मम-महबूबाबाद मार्ग पर उसके शव के साथ धरना दिया। प्रदर्शन के कारण थांडा में भारी तनाव व्याप्त हो गया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी की और महिला के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों का आवागमन ठप हो गया।

महिला को बिजली का झटका

कुछ ग्रामीणों ने पल्लेगुडेम सबस्टेशन स्थित बिजली कार्यालय पर हमला किया और कार्यालय के दरवाजे और खिड़कियां तोड़ दीं। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को नियंत्रण में किया। बिजली विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। प्रदर्शनकारियों ने दुख जताया कि एडुलापुरम नगर पालिका में कम ज़मीनी निकासी वाली हाई-टेंशन बिजली की लाइनें निवासियों के लिए अभिशाप बन गई हैं। जनप्रतिनिधियों और बिजली अधिकारियों से कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। पिछले चुनावों के दौरान, कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सत्ता में आते ही इस समस्या का समाधान करने का वादा किया था, लेकिन पिछले दो सालों में कुछ नहीं किया। यह मुद्दा पलैयर विधायक और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के संज्ञान में भी लाया गया, लेकिन निवासियों की शिकायत व्यर्थ रही। एक साल पहले नगर निगम के साईं गणेश नगर में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक लड़के की मौत हो गई थी। चिन्ना थांडा में भी कई बिजली दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं। भाकपा नेता राममूर्ति नाइक, पी सुधाकर, माकपा नेता एन प्रसाद, कांग्रेस नेता पापा नाइक और अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.